राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
नवबिहार टाइम्स

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर झारखंड के राजनीतिक और जनहित के मुद्दों पर की चर्चा

• बोकारो, गुरुवार 10 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 116 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में चमकी बेटियां, 58 को गोल्ड, 6923 को डिग्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय का 39वां दीक्षांत समारोह बुधवार को उत्साह और गरिमामय माहौल के बीच आयोजित हुआ। समारोह में राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा केंद्रीय राज्यमंत्री संजय सेठ समेत विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षाविद और बड़ी संख्या में विद्यार्थी समारोह में मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफल कुल 6923 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में इस बार रांची विश्वविद्यालय की ओर से दो शिक्षाविदों को मानद उपाधि प्रदान की गई। इनमें एनइआइपीए की कुलपति प्रो शशिकला बंजारी और आईआईएम कोलकाता के निदेशक प्रो आलोक शामिल हैं। दोनों शिक्षाविद समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिक्षा और अकादमिक क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से यह सम्मान प्रदान किया गया। मानद उपाधि प्राप्त करने वाले दोनों शिक्षाविदों की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। समारोह का सबसे खास आकर्षण उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान रहा। इस बार कुल 71 गोल्ड मेडल 58 विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। इनमें 44 छात्राएं और 14 छात्र शामिल हैं। गोल्ड मेडल हासिल करने में छात्राओं ने छात्रों की तुलना में बढ़त बनाई। कई विषयों में एक ही विद्यार्थी ने एक से अधिक गोल्ड मेडल प्राप्त किए। मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पल उनके वर्षों की मेहनत और शैक्षणिक उपलब्धि का सम्मान रहा। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पहले से ही कई व्यवस्थाएं की गई थीं। विश्वविद्यालय ने सभी आवेदन करने वाले विद्यार्थियों का प्रोफाइल तैयार कर अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया था। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन अपनी जानकारी, सीट अरेंजमेंट और

संबंधित विवरण देख सके। गेट पास और स्कार्फ वितरण के लिए 10 काउंटर बनाए गए थे। निर्धारित व्यवस्था के कारण विद्यार्थियों को अलग-अलग जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ा और समारोह से पहले अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिली। समारोह में विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया था। छात्रों ने सफ़ेद कुर्ता-धोती या पायजामा जबकि छात्राओं ने सफ़ेद सलवार-कुर्ता और सफ़ेद लाल पाड़ साड़ी पहनकर समारोह में हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को दिया गया स्कार्फ भी ड्रेस का हिस्सा रहा। पारंपरिक परिधान में सजे विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह के माहौल को खास बना दिया। 39वें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। रांची विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग की ओर से 'मैं हूं रांची विश्वविद्यालय' नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। इसमें विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा को कला और संस्कृति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के जरिए विद्यार्थियों और अतिथियों को विश्वविद्यालय का इतिहास, विकास और उपलब्धियों की झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस बार समारोह के आयोजन में खर्च पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अनावश्यक खर्च को कम करते हुए विद्यार्थियों की सुविधाओं में किसी तरह की कटौती नहीं करने का प्रयास किया गया। समारोह को तकनीक से भी जोड़ा गया। रांची विश्वविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो 'रेडियो खांची' के यूट्यूब चैनल के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपाधि और गोल्ड मेडल हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। केंद्रीय राज्यमंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने दीक्षांत मंडप को स्थायी ऑडिटोरियम के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा। वहीं गोल्ड मेडल और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने इस पल को अपने जीवन का गौरवशाली क्षण बताया। खास बात यह रही कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले कई विद्यार्थियों ने भी गोल्ड मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मेडल मिलने के बाद विद्यार्थियों ने खुशी जाहिर की और अपनी सफलता के अनुभव साझा किए। दीक्षांत समारोह में उपाधि और गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह दिन उनकी शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। राज्यपाल, सांसद और शिक्षाविदों की मौजूदगी में मिली उपाधि ने विद्यार्थियों के उत्साह को और बढ़ाया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह के सफल आयोजन के साथ विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

सरिया बीडीओ के खिलाफ प्राथमिकी

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। सरिया के बीडीओ ललित नारायण तिवारी के खिलाफ सरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी की पुष्टि एसडीपीओ के साथ-साथ थाना प्रभारी ने की है। हालांकि इस एफआईआर को लेकर बगोदर के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह को अपने समर्थक एवं पीड़ित पक्ष के साथ लगभग नौ घंटे का इंतजार करना पड़ा।

नगर थाना प्रभारी लाइन हाजिर

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना परिसर में एक युवक की कथित पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद गिरिडीह एसपी डॉ. विमल कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन क्लोज कर दिया।

फंदे से झूलता मिला नवविवाहिता का शव

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। शहर थाना क्षेत्र के रेडमा चौक के पास एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतका की पहचान रेडमा चौक निवासी वैष्णवी देवी के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब 10 महीने पहले सूरज गुप्ता से हुई थी। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 11 बजे वैष्णवी का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजन उसे तत्काल मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जंगली हाथी ने बुजुर्ग को कुचला

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। भरनो प्रखंड के मारासिली पंचायत अंतर्गत महूगांव टंगरा टोली में बुधवार सुबह जंगली हाथी ने एक बुजुर्ग ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान 60 वर्षीय शनि उरांव के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार शनि उरांव सुबह करीब 5 बजे शौच के लिए अपने घर से कुछ दूर झाड़ियों की तरफ गए थे। इसी दौरान अचानक उनका सामना जंगली हाथी से हो गया। इससे पहले कि वह संभल पाते, हाथी ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और कुचल दिया।

खुदिया नदी से मिला अधेड़ का शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के मुर्गाबनी स्थित खुदिया नदी में बुधवार को एक व्यक्ति का शव तैरता मिला। शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जुट गयी। सूचना मिलते ही गोविंदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। मृतक की पहचान मुर्गाबनी निवासी अनेश कुमार हाड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोदी कैबिनेट से सात रेलवे प्रोजेक्ट्स को फोर लेन ट्रैक करने की मिली मंजूरी

ट्रेनों का संचालन ज्यादा सुचारू होगा, पर्यटन और धार्मिक स्थलों को फायदा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में रेलवे के सात सबसे व्यस्त (हाई डेंसिटी) रूट्स को फोर लेन ट्रैक करने की मंजूरी दे दी गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की सूचना देते हुए इसका ऐलान किया। कैबिनेट से जिन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है उनमें दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, चेन्नई-कोलकाता और कोलकाता-दिल्ली के अलावा दो मुख्य डायगोनल दिल्ली-चेन्नई व मुंबई-कोलकाता और दिल्ली-गुवाहाटी रूट शामिल हैं। इन परियोजनाओं के तहत करीब 656 किमी नई रेल लाइनें जोड़ी या अपग्रेड की जाएंगी। इसके लिए कुल 10,783 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे रेलवे के मौजूदा नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और ट्रेनों के संचालन में सुधार होगा। इन परियोजनाओं का फायदा पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों को मिलेगा। करीब 4,790

गांव इन परियोजनाओं से बेहतर रेल कनेक्टिविटी से जुड़ेंगे। इन गांवों में लगभग 56 लाख लोगों की आबादी रहती है। नई लाइनें बनने से यात्री ट्रेनों के साथ मालगाड़ियों की आवाजाही भी आसान होगी। सरकार ने खड़गपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन में बागडेही एवं कटनी-पेंड्रा रोड फोर लाइन और बिलासपुर यानी उसलापुर-पेंड्रा रोड थर्ड लाइन को मंजूरी दी है। इन लाइनों के मल्टीट्रैकिंग से मौजूदा रेल रूट पर ट्रेनों के लिए अतिरिक्त क्षमता तैयार होगी। नई रेल लाइनों के जुड़ने से मौजूदा रूट पर ट्रेनों का कंजेशन कम करने में मदद मिलेगी। ट्रेनों का संचालन ज्यादा सुचारू होगा और यात्री तथा मालगाड़ियों को अलग-अलग समय और रूट पर चलाने की सुविधा बढ़ेगी। इससे माल ढुलाई की क्षमता भी मजबूत होगी। इन परियोजनाओं से कई प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इनमें पुरी का जगन्नाथ मंदिर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, अमरकंटक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, तारातारिणी मंदिर और रतनपुर महामाया मंदिर जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से इन क्षेत्रों में पर्यटन और स्थानीय कारोबार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

साइबर थाना का एसआइ रिश्वत लेते गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। धनबाद की भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) टीम ने गिरिडीह जिले में साइबर थाने के सब इंस्पेक्टर पुनीत कुमार गौतम को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की टीम ने एसआइ गौतम को साइबर थाना के बाहर गेट के समीप एक होटल के पास से पकड़ा जहां वह रिश्वत की राशि ले रहा था। सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम के रिश्वत मांगे जाने का मामला सामने के बाद से धनबाद एसीबी की टीम पूरे मामले में निगरानी रख रही थी। टीम ने आरोपी पुलिस अधिकारी गौतम को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम साइबर थाना के बाहर गेट के पास होटल के पास पहुंचा और पीड़ित शिकायतकर्ता जीवलाल मंडल से 30 हजार रुपये बतौर रिश्वत लेने लगा। इसी दौरान एसीबी टीम ने तुरंत उसे दबोच लिया। जीवलाल के छोटे बेटे को पूर्व में एक मामले में जेल भेजा गया था। उसी मामले की केस डायरी कोर्ट भेजने के नाम पर गौतम ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम को अपने साथ ले गई और उनसे गहनता से पूछताछ कर रही है। भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो की टीम अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट ने इडी से मांगा जवाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (क्क) से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 16 सितंबर की तारीख तय की है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सबसे पहले याचिकाकर्ता की ओर से रखी गई दलीलों को सुना। पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने ईडी को मामले में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। फिलहाल अदालत ने अंतरिम राहत पर कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है और मामले की विस्तृत सुनवाई अब 16 सितंबर को होगी। यह मामला पिछले कुछ समय से चर्चित 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े कथित अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा है, जिसकी जांच ईडी कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी याचिका में निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी गई थी। डिस्चार्ज पिटीशन के जरिए उन्होंने मामले में आगे की आपराधिक कार्यवाही से राहत देने की मांग की थी। याचिका में यह भी आग्रह किया गया है कि निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाई जाए और उनके खिलाफ चल रही आगे की न्यायिक कार्यवाही पर भी अंतरिम रोक लगाई जाए। इसी मांग को लेकर मामला हाईकोर्ट पहुंचा है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने अदालत में पक्ष रखा।

ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान के तहत मोहनपुर थाना पुलिस ने जामुनिया यात्री रोड के पास छापेमारी करके सात तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों के पास से 17.05 ग्राम ब्राउन शुगर और 1,04,990 रुपये नकद बरामद किए हैं। जब्त की गई ब्राउन शुगर की बाजार में अनुमानित कीमत लगभग तीन से साढ़े तीन लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर को जामुनिया यात्री रोड के समीप नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के लिए कुछ लोगों के जुटने की गुप्त सूचना मिली थी। इस पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुलदीप कुमार और मोहनपुर थाना प्रभारी संदीप कृष्णा के नेतृत्व में गठित टीम ने चिह्नित स्थान पर दबिश दी और घेराबंदी कर सात संदिग्धों को पकड़ लिया।

महिला को बंधक बनाए जाने की सूचना पर बवाल

पथराव में थाना प्रभारी समेत आधा दर्जन घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में एक महिला को बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई और पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। हमले में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव समेत करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस वाहनों में भी तोड़-फोड़ की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को चार राउंड फायरिंग करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सिदपा गांव में एक महिला को बंधक बनाकर रखा गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम गांव पहुंची। पुलिस ने आरोपी बताए जा रहे युवक-युवती को ग्रामीणों की भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान ग्रामीण अचानक उग्र हो गए और पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और पुलिस वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। पथराव की घटना में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव के गर्दन और हाथ में चोट लगी है। अन्य घायल पुलिसकर्मियों को भी इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। थाना प्रभारी अनिल उरांव का इलाज एनटीपीसी अस्पताल में चल रहा है। स्थिति लगातार बिगड़ती देख पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की भीड़ के बीच फंसे युवक-युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ और पुलिस टीम पर पथराव करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पहचान के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। घटना के बाद गांव में पुलिस की गतिविधियां बढ़ा दी गई हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

झारखंड में नीलामी के लिए 18 खनिज ब्लॉक तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड अब कोयला आधारित अर्थव्यवस्था के बजाय महत्वपूर्ण और उच्च मूल्य वाले खनिजों पर ध्यान केंद्रित करेगा। राज्य में खनिज अन्वेषण, पहचान और माइन प्लानिंग की प्रक्रिया को तेज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। राज्य में नीलामी के लिए कुल 18 खनिज ब्लॉक तैयार हैं। सक्षम प्राधिकार से मंजूरी के बाद राज्य के खान एवं भूतत्व निदेशालय ने 15 प्रमुख खनिज ब्लॉक तैयार किए हैं। इनमें रांची का चुरी लाइमस्टोन ब्लॉक, रामगढ़ के हरिहरपुर-लेम-बिचा और पियरतांड़ लाइमस्टोन ब्लॉक, पूर्वी सिंहभूम का सोना ब्लॉक तथा सरायकेला-खरसावां के कई गोल्ड ब्लॉक शामिल हैं। इसके अलावा गिरिडीह के गंसासार-लुप्पी बेस मेटल एवं बरगंडा कॉपर ब्लॉक तथा पश्चिमी सिंहभूम के घटकुरी, अजीताबुरु और बंधबुरू लौह अयस्क व मैंगनीज ब्लॉक भी नीलामी के लिए तैयार हैं। केंद्र सरकार का खान मंत्रालय तीन क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉकों की नीलामी करेगा। इनमें पलामू का रेवारातू ग्रेफाइट ब्लॉक व अधमानिया ग्रेफाइट-वैनेडियम ब्लॉक और लोहरदगा का सिसकरी पाट बॉक्साइट-टाइटेनियम ब्लॉक शामिल हैं। रांची में तीसवीं झारखंड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद की बैठक में भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने खनिज अन्वेषण में नई तकनीक को अपनाने पर गहन विचार-विमर्श किया। बैठक में अरवा राजकमल ने कहा कि कोयला उत्पादन हमेशा एक ही गति से आगे नहीं बढ़ सकता। एक समय ऐसा आएगा जब इसका उत्पादन अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद घटने लगेगा। इसलिए राज्य को कोयले के बाद की अर्थव्यवस्था पर अभी से विचार करना होगा। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की नीतियों के कारण दुनिया भर में कम कार्बन वाले उत्पादन पर ध्यान दिया जा रहा है। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जर्मन अंतरराष्ट्रीय सहयोग संस्था ने राज्य के खनिज क्षेत्र में गहरी रुचि दिखाई है। इसके अलावा विश्व आर्थिक मंच भी उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की संभावना तलाश रहा है। बैठक में राहुल सिन्हा ने अगले 10 से 20 वर्षों को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक नीतियां बनाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि भू-वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान ही भूमि, वन क्षेत्र, सीमांकन और पर्यावरण से जुड़ी संभावित बाधाओं की पहचान कर लेने से नीलामी तथा लीज प्रक्रिया सुगम हो जाएगी। उन्होंने लिथियम, यूरेनियम, टाइटेनियम और वैनेडियम जैसे खनिजों के अन्वेषण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि खदान शुरू करने के साथ ही उसके अंतिम क्लोजर प्लान पर भी कार्य करना जरूरी है ताकि खनन कार्य समाप्त होने के बाद पर्यावरणीय संतुलन बहाल रहे और स्थानीय लोगों के हित सुरक्षित रह सकें।

CMYK

व्यवस्थित वेंडिंग जोन विकसित करने की तैयारी, उपायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । शहर में सड़क किनारे संचालित दुकानों और ठेला-खोमचा व्यवसाय को व्यवस्थित करने तथा यातायात, स्वच्छता और शहर की सुंदरता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त हजारीबाग हेमन्त सती ने बुधवार को विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता सहित नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। स्थल निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सड़क किनारे संचालित दुकानों और वेंडिंग गतिविधियों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त वेंडिंग जोन विकसित होने से फुटपाथ और सड़कों पर अनियोजित रूप से लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित किया जा सकेगा। इससे शहर की स्वच्छता,

सुंदरता और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चिन्हित स्थलों की उपयोगिता, उपलब्ध भूमि, यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वेंडिंग जोन की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को शीघ्र डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि वेंडिंग जोन का चरणबद्ध तरीके से निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित वेंडिंग जोन में दुकानदारों के लिए पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता, पार्किंग सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वेंडिंग जोन से आम नागरिकों को परेशानी न हो और दुकानदारों को सम्मानजनक एवं व्यवस्थित व्यवसायिक स्थान मिल सके। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना तैयार करते समय शहर की वर्तमान जरूरतों के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाए और निर्धारित समय-सीमा में डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को लायंस क्लब और चैंबर ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट एवं कोलयांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार

को आरसीएम वंडर हॉल, बरगंडा में दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। वक्ताओं ने सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन को गिरिडीह और झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि उनके निधन से गिरिडीह की राजनीति में एक शून्यता उत्पन्न हुई है। वे मृदुभाषी, सुलझे हुए राजनेता, सक्रिय जनप्रतिनिधि और जनसरोकारों से जुड़े नेता थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शोक-संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की और दिवंगत मंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल के रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश, क्लब एवं चैंबर अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता, क्लब सचिव लायन डॉ. सुमन कुमार, चैंबर सचिव गोपाल दास भादानी, लायन राहुल कुमार, दशरथ प्रसाद, सुदीप गुप्ता, रवि राज, गौतम सागर, सौरभ महासेठ, सुजीत लोहनी, अरुण गुप्ता, अजय कुमार सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

झामुमो छात्र संगठन ने सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह। बरगंडा चौक के पास झारखंड छात्र मोर्चा (झामुमो छात्र संगठन) की ओर से दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि दी गई। संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों, संघर्ष और गिरिडीह व झारखंड के विकास में योगदान को याद किया। इस दौरान सभी ने मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। जिला अध्यक्ष अभय कुमार ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का गिरिडीह को शिक्षा का हब बनाने का सपना था। विश्वविद्यालय और इंजीनियरिंग कॉलेज की दिशा में उनके प्रयास उनके शिक्षा और विकास के प्रति समर्पण को दशार्ते हैं। उन्होंने मांग की कि गिरिडीह में निमार्णाधीन विश्वविद्यालय और इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम स्व. सुदिव्य कुमार सोनू के नाम पर रखा जाए। जिला सचिव विशाल ने कहा कि उनके विकास कार्य और विचारों को गिरिडीह की जनता हमेशा याद रखेगी। मौके पर प्रिंस प्रभाकर, रोहित मंडल, आर्यन वर्मा, राज पांडेय, बिट्टू यादव, विनय हंसदा, रंजन वर्मा, रोहित मरांडी, दयानंद समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड धाम में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, सैकड़ों दुकानें ध्वस्त

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जमुआ प्रसिद्ध तीर्थस्थल झारखंड धाम में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में धाम परिसर और आसपास की सरकारी जमीन पर बनी सैकड़ों दुकानों व अन्य निमार्णों को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई से स्थानीय दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। इधर, कार्रवाई को लेकर भाकपा माले ने प्रशासन से प्रभावित दुकानदारों के अविलंब पुनर्वास की मांग की है। माले नेता विजय पांडे ने कहा कि वर्षों से दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करने वाले गरीब दुकानदारों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाना उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित लोगों को आश्रय और पुनर्वास की व्यवस्था जल्द उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर माले जन-संघर्ष शुरू करेगी।

भारतेन्दु हरिश्चंद्र की जयंती पर आरके महिला कॉलेज में संगोष्ठी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आरके महिला कॉलेज, गिरिडीह में हिंदी विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में खड़ी बोली हिंदी के जनक भारतेन्दु हरिश्चंद्र की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. के.एन. शर्मा एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार ने भारतेन्दु हरिश्चंद्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. के.एन. शर्मा ने कहा कि भारतेन्दु हरिश्चंद्र भारतीय नवजागरण के अग्रदूत थे। उन्होंने देश की गरीबी, पराधीनता और शासकों के अमानवीय शोषण को अपने साहित्य का प्रमुख विषय बनाया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार ने कहा कि भारतेन्दु बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। हिंदी पत्रकारिता, नाटक और काव्य के क्षेत्र में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन यूजी सेमेस्टर-4 की छात्रा कशिश कुमारी ने किया। पीजी की अलबीना टुडू, यूजी की गुलफसा परवीन सहित अन्य छात्राओं ने भारतेन्दु हरिश्चंद्र के साहित्य और व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों पर विचार रखे। मौके पर डॉ. छाया रानी तिवारी, डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, प्रतिमा, सुबोध सहित अन्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन कशिश कुमारी ने किया। अंत में सभी छात्राओं ने भारतेन्दु हरिश्चंद्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सिकदारडीह पंचायत में दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी गई श्रद्धांजलि

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गिरिडीह प्रखंड के सिकदारडीह पंचायत सचिवालय परिसर में बुधवार को स्थानीय मुखिया जमिला खातुन की अगुवाई में शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मुखिया जमिला खातुन ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने पंचायत के विकास के लिए सड़क, तालाब, विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी समेत कई महत्वपूर्ण कार्य कराए। मुखिया प्रतिनिधि मेहताब मिर्जा ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू जननेता थे और गिरिडीह के विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। शोक सभा में कमल दास, सीताराम दास, रूमा मरांडी, तबारक मिर्जा, माला देवी, गौरी देवी, रेशमी देवी, शुभम विश्वकर्मा, अफताब शेख, सदाम अंसारी, राबिया खातुन, साबरा खातुन, उषा देवी, ममता देवी समेत कई लोग मौजूद रहे।

13 को होगी सुदिव्य कुमार सोनू की श्रद्धांजलि सभा

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हरसिंगरायडीह स्थित उत्सव उपवन में बुधवार को झामुमो गिरिडीह प्रखंड और झाकोमयु की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 13 सितंबर 2026, रविवार को दोपहर 12 बजे बनियाडीह महाप्रबंधक कार्यालय के सामने मैदान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने गिरिडीह के विकास का सपना देखा था और उसे पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे थे। उनके निधन से गिरिडीह और झारखंड के साथ झामुमो को भी बड़ी क्षति हुई है।

एसीबी ने रिश्वत लेते पुलिस अवर निरीक्षक को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के बरवाडीह स्थित साइबर थाना में बुधवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस अवर निरीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार पुलिस पदाधिकारी की पहचान पुनित कुमार गौतम के रूप में हुई है। कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम उन्हें अपने साथ धनबाद ले गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे एसीबी धनबाद की टीम ने साइबर थाना परिसर में कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि पुलिस अवर निरीक्षक पुनित कुमार गौतम को रिश्वत लेते

हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान एसीबी की टीम ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से साइबर थाना परिसर में कुछ समय के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई। एसीबी की टीम गिरफ्तारी के बाद पुलिस अवर निरीक्षक को अपने साथ लेकर धनबाद रवाना हो गई। एसीबी धनबाद ने पुलिस अवर निरीक्षक पुनित कुमार गौतम की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। हालांकि, रिश्वत की रकम कितनी थी और किस मामले में रिश्वत की मांग की गई थी, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। मामले में एसीबी की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी चर्चा तेज हो गई है। मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और कार्रवाई की विस्तृत जानकारी एसीबी की जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

ट्रांसफार्मर से झुलसकर बीगन महथा की मौत, बिजली विभाग पर प्राथमिकी की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ट्रांसफार्मर से झुलसकर बीगन महथा की हुई मौत के मामले में परिजनों ने बिजली विभाग के जिम्मेदार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। बुधवार को मृतक के पुत्र बीरू महथा, चचेरे भाई व कांग्रेस नेता अनिल चौधरी तथा असको पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि नकुल महता ने थाना में आवेदन दिया। कांग्रेस नेता अनिल चौधरी ने बताया कि घटना के बाद परिजनों को मुआवजा दिलाने और बिजली विभाग पर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर उतरने की तैयारी थी। हालांकि, थाना प्रभारी के आश्वासन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि मंगलवार को भी प्राथमिकी दर्ज कराने थाना पहुंचे थे, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं हुई। बुधवार को पुनः आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई है। थाना की ओर से मामले की जांच के बाद नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज करने का आश्वासन दिया गया है। अनिल चौधरी ने कहा कि मृतक के परिवार को न्याय और उचित मुआवजा मिलने तक उनकी आवाज जारी रहेगी।

मुंशी मंजेश हत्याकांड का 48 घंटे में खुलासा, चार आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । तिसरी थाना क्षेत्र के खटपोंक स्थित बाधमारी मोड़ से 6 सितंबर को अपहृत एचएनसी कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी मंजेश कुमार (42) की हत्या कर दी गई थी। गिरिडीह पुलिस ने मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर मंजेश का शव बिहार के जमुई जिले के चिहरा थाना क्षेत्र स्थित पिपरातरी जंगल से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर उपेंद्र चौधरी और मुंशी मंजेश कुमार के बीच काम में दखल देने तथा डीजल व अन्य खर्चों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के कारण घटना को अंजाम दिए जाने की बात

सामने आई है। पुलिस ने घटना में शामिल इम्तियाज अंसारी, शिव कुमार, पिन्टू कुमार यादव और राजेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल, खून लगा पत्थर, सखुआ का डंडा और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। घटना के उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ खोरीमहुआ अमरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई। मामले में आगे की जांच जारी है।

पचंबा थाना पुलिस पर भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता ने लगाए गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता श्रेयांश सौरव ने पचंबा थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रेस वार्ता की। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 सितंबर को नाबालिग छात्रा के परिजनों के समर्थन में थाना पहुंचे लोगों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण तरीके से लाठीचार्ज किया। श्रेयांश के अनुसार, नाबालिग छात्रा को कथित रूप से परेशान किए जाने और उसके परिजनों को धमकी देने के मामले को लेकर पीड़िता की मां के बुलाने पर वे भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री सह वार्ड संख्या-6 के पार्षद संजीव कुमार समेत अन्य लोगों के साथ पचंबा थाना पहुंचे थे। इसी दौरान लालो राईन अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा, जिसके बाद पीड़िता की मां से कहासुनी होने लगी। श्रेयांश का आरोप है कि पुलिस ने बातचीत शांत कराने के बजाय वहां मौजूद लोगों पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया।उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने वार्ड पार्षद संजीव कुमार के साथ भी कथित तौर पर मारपीट और अभद्र व्यवहार किया। श्रेयांश के मुताबिक, जब उन्होंने मोबाइल से घटना का वीडियो बनाने का प्रयास किया तो उनका मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दिया गया और उन्हें थाना परिसर में बंद कर दिया गया। बाद में भाजपा नेताओं के थाना पहुंचकर विरोध करने के बाद उन्हें छोड़ा गया। श्रेयांश ने बताया कि 5 सितंबर को भाजपा प्रतिनिधिमंडल के साथ एसपी को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। उन्होंने थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर जांच कराने तथा दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी को परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले परिसर खाली करने का निर्देश देना चाहिए था, लेकिन ऐसा किए बिना सीधे लाठीचार्ज किया गया। श्रेयांश ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि सीसीटीवी फुटेज से घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

थानेदार रतन सिंह द्वारा सगे भाइयों के साथ मारपीट की जांच शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर थाना प्रभारी रतन सिंह और अन्य पुलिस पदाधिकारियों द्वारा दो सगे भाइयों के साथ बेरहमी से मारपीट करने के गंभीर मामले में भाजपा नेताओं के जांच के मांग के बाद मामला तूल पकड़ लिया है। वंही मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार के सख्त निर्देश के बाद एएसपी सुरजीत कुमार मंगलवार को जांच के लिए सीधे सदर अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने इलाज करा रहे घायल युवक लखन साहू से सीधे बातचीत की और पूरे घटनाक्रम की सिलसिलेवार जानकारी जुटाई। इस दौरान अस्पताल में पीड़ित युवक का बयान दर्ज करने के बाद एएसपी सुरजीत कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद ही यह तस्वीर साफ हो सकेगी कि असल में पीड़ित पक्ष कौन है नगर थाना की पुलिस या फिर वह युवक, जिसने पुलिस पदाधिकारियों पर मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं को बारीकी से परख रही है। वंही इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें नगर थाना प्रभारी रतन सिंह के चैंबर में एक युवक को लाठी से पीटे जाने का दावा किया जा रहा है। पत्रकारों द्वारा वायरल वीडियो पर पूछे गए सवाल के जवाब में एएसपी सुरजीत कुमार ने कहा कि इस वीडियो की भी पूरी तकनीकी और फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह देखा जाएगा कि वीडियो में लाठी से जिस युवक की पिटाई दिखाई दे रही है, वह वाकई सच है या फिर पुलिस की छवि को खराब करने और बदनाम करने के इरादे से इसे फैलाया जा रहा है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। वहीं फिलहाल एसपी ने गिरिडीह नगर थाना प्रभारी रतन सिंह को लाइन क्लोज कर दिया है।

राष्ट्रीय कायस्थवृन्द ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय कायस्थवृन्द की ओर से करबला रोड स्थित संस्था के सह सचिव राजेश सिन्हा उर्फ राजू के आवास पर शोकसभा आयोजित कर झारखंड सरकार के दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष त्रिपुरारी प्रसाद बक्सी ने की। सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष त्रिपुरारी प्रसाद बक्सी ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने गिरिडीह के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और विकास पुरुष के रूप में अपनी पहचान बनाई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी उनके प्रयास सराहनीय रहे।संस्था के सचिव संजीव सिन्हा सज्जन ने उनके

निधन को गिरिडीहवासियों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। प्रदेश प्रभारी शिवेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि उनके मंत्रित्वकाल में कायस्थ समाज के लिए राजेंद्र प्रसाद स्मृति भवन का निर्माण कराया गया, जिसे समाज हमेशा याद रखेगा। मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष संजीव रंजन सिन्हा, उत्तम लाला, विकास सिन्हा, कुमार राकेश, राजेश सिन्हा, विशाल गौरव, अभय कुमार सिन्हा, रंजीत कुमार, धीरज कुमार सिन्हा समेत कई सदस्य मौजूद थे।

विभावि इतिहास विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में स्नातकोत्तर इतिहास विभाग की ओर से भारतीय ज्ञान परंपरा का विऔपनिवेशीकरण, इतिहासलेखन और अतीत से लेकर वर्तमान तक ज्ञान के निर्माण में इसका योगदान विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी दो सत्रों में आयोजित हुई। प्रथम सत्र में पैनल डिस्कशन एवं इंटरएक्टिव सेशन तथा द्वितीय सत्र में शोधपत्र प्रस्तुतीकरण हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। पैनल डिस्कशन में वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा, इतिहासलेखन और ज्ञान निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे। प्रो. श्याम नारायण लाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा गतिमान और प्रासंगिक है। वेद, पुराण, धर्मसूत्र, धर्मशास्त्र, स्मृति और उपनिषद जैसे ग्रंथ केवल धर्म विशेष तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत की अखंडता और एकता को भी मजबूत करते हैं। प्रो. प्रीतिश आचार्य ने ओडिशा की दो महिलाओं के उदाहरण के माध्यम

से बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने केवल शिक्षित वर्ग तक ही ज्ञान को सीमित नहीं रखा, बल्कि अशिक्षित, दलित और वंचित वर्गों में भी विवेक एवं संस्कार को परंपरा के रूप में विकसित किया। प्रो. सलिल मिश्रा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को संशोधित और परिवर्तित किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए ठोस तर्क और शोध आधारित प्रमाण आवश्यक हैं। वहीं डॉ. अमित कुमार सुमन ने कहा कि ज्ञान की शक्ति से सत्ताएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने ज्ञान निर्माण और सत्ता के बीच संबंधों को रेखांकित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने पैनल डिस्कशन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इतिहास सभी विषयों और विधाओं का केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों के विभिन्न जटिल प्रश्नों का उत्तर देते हुए संवादात्मक अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चले पैनल डिस्कशन एवं इंटरएक्टिव सेशन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अलावा विभावि से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थियों ने भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा के छात्र-छात्राएं भी इंटरनेट के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सलिल मिश्रा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जम्मू के प्रो. श्याम नारायण लाल, एनसीईआरटी के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. प्रीतिश आचार्य तथा किरोड़ीमल कॉलेज, नई दिल्ली के इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार सुमन शामिल हुए। संगोष्ठी का संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. हितेंद्र अनुपम ने किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के वरिष्ठ शिक्षक एवं छात्र कल्याण के संकायाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। प्रतिभागियों में विवेक आशीष बाखला, मुकेश कुमार, आतिश रंजन, अमृता एक्का, डॉ. विनोद रंजन, मानव विकास विभाग के डॉ. गजेंद्र सिंह एवं मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्राचार्य डॉ. गजेंद्र सिंह सहित अन्य विद्वानों ने सक्रिय भागीदारी की।

दावा-आपत्ति की सुनवाई में टोकन सिस्टम अपनाएं, अनावश्यक भीड़ न लगने दें : के. रवि कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण, दावा-आपत्ति एवं सुनवाई, युवा मतदाता पंजीकरण, इएलसी गतिविधियों तथा मतदाता सेवाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्य भारत निर्वाचन आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दावा-आपत्ति की सुनवाई के दौरान अनावश्यक भीड़ नहीं लगने दी जाए। एक साथ अधिक लोगों को बुलाने के बजाय टोकन सिस्टम के माध्यम से क्रमवार सुनवाई कराई जाए। प्रत्येक व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाए और दस्तावेजों एवं तथ्यों के परीक्षण के बाद नियमानुसार निर्णय लिया जाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को लंबित मामलों और प्रतिदिन किए जा रहे निष्पादन की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शून्य तथा 1 से 5 फॉर्म-6 वाले मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा। मतदान केंद्रवार समीक्षा कर बीएलओ के माध्यम से उन नए एवं युवा पात्र भारतीय नागरिकों की पहचान की जाए, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूर्ण हो रही है और उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे सभी पात्र नागरिकों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 एवं आवश्यक घोषणा-पत्र प्राप्त कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। साहेबगंज में सामने आई अनियमितता की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवेदन, दस्तावेज, सत्यापन एवं निर्वाचन डेटा पर प्रभावी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। किसी भी अनियमितता की स्थिति में तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। के. रवि कुमार ने 19 एवं 20 नवंबर को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले इएलसी कार्यक्रमों की तैयारी अभी से शुरू करने का निर्देश दिया। इसके लिए इएलसी कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर स्पष्ट जिम्मेदारी निर्धारित करने को कहा। स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर विद्यार्थियों और युवा मतदाताओं के बीच ईसीआईएनईटी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा उन्हें उपलब्ध डिजिटल मतदाता सेवाओं की जानकारी देने का निर्देश दिया गया। उन्होंने एनजीएसपी पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के साथ ईसीआईएनईटी के 'बुक ए कॉल' सुविधा के माध्यम से प्राप्त शिकायतों और समस्याओं पर भी समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जिला स्तर पर इन मामलों की नियमित मॉनिटरिंग कर कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे।

पाकुड़ में भाजपाइयों ने किया समाहरणालय का घेराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में धांधली और भर्ती घोटाले की सीबीआई जांच और आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकुड़ समाहरणालय का घेराव किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पाकुड़ समाहरणालय घेराव का नेतृत्व झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत शासनकाल में पैसे लेकर नौकरी बेचने का काम किया गया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में भर्ती घोटाले की जांच सरकार ने वैसे अधिकारी को सौंपी है जो खुद विवादों से घिरे हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आंदोलन को दबाने के लिए हेमंत सरकार ने तानाशाही और दमनकारी नीति अपनाकर निर्दोष छात्रों पर झूठा मुकदमा दर्ज कराया।

जेपीएससी परीक्षा घोटाला: अभय तिवारी को कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग से जुड़ी भर्ती परीक्षा में कथित धांधली के मामले में जेल में बंद आरोपी अभय तिवारी को अदालत से बड़ा झटका लगा है। सिविल कोर्ट में सीआईडी के कांड संख्या 16/2026 में आरोपी अभय तिवारी की जमानत याचिका अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने खारिज कर दी है।

मंगलवार को अदालत में इस मामले को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गई थीं। इसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को अदालत ने अभय तिवारी की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए उसे खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान सीआईडी ने अभय तिवारी की जमानत का कड़ा विरोध किया। सीआईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि अभय तिवारी इस पूरे मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाला आरोपी है। सीआईडी के अनुसार, वह एक ऐसे नेटवर्क से जुड़ा था, जिसके जरिए परीक्षा और नियुक्ति में गड़बड़ी की गई। सीआईडी ने अदालत को बताया कि अभय तिवारी टीडीपीएल कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर के पद पर काम करता था। आरोप है कि इसी दौरान उसने अपने रिश्तेदारों समेत कई अभ्यर्थियों से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लिए। जांच में ऐसे लोगों के बारे में जानकारी सामने आने का दावा किया गया है, जिनसे कथित तौर पर पैसे लेकर नियुक्ति में मदद करने की बात कही गई थी। सीआईडी ने यह भी दलील दी कि यदि अभय तिवारी को जमानत मिलती है तो वह जांच को प्रभावित कर सकता है और सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश कर सकता है। एजेंसी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज करने का आग्रह किया। अदालत ने सीआईडी की दलीलों और मामले की गंभीरता को देखते हुए अभय तिवारी को फिलहाल राहत नहीं दी। उसकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद उसकी न्यायिक हिरासत जारी रहेगी।

एसआईआर के लिए नया जाति या आवासीय प्रमाण-पत्र जरूरी नहीं

सीएससी की सेवाएं सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए, फर्जी दस्तावेज बनाने पर होगी सख्त कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बुधवार को राज्य के सभी जिलों के सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) प्रबंधकों एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने साहेबगंज के सीएससी में मिली अनियमितता की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर के लिए विशेष रूप से नया जाति या आवासीय प्रमाण-पत्र बनवाने की आवश्यकता नहीं है। सत्यापन निर्धारित प्रक्रिया के तहत नागरिकों के पास पहले से उपलब्ध वैध दस्तावेजों और अभिलेखों के आधार पर किया जाना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत वैध पारिवारिक सूची/वंशावली, खतियान की प्रति एवं अन्य उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आवश्यक सत्यापन किया जा सकता है। इन्हीं दस्तावेजों का उपयोग जाति अथवा आवासीय प्रमाण-पत्र बनाने के लिए किया जाता है। ऐसे में केवल एसआईआर के उद्देश्य से नागरिकों को नया प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए प्रेरित या बाध्य नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएससी की सेवाएं सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए हैं। केंद्र संचालक भारतीय नागरिकों को सही प्रक्रिया की जानकारी दें और निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही सेवाएं उपलब्ध कराएं। के. रवि कुमार ने निर्वाचन संबंधी डाटा में उम्र संबंधी मैन्युपुलेशन, अनधिकृत बदलाव अथवा छेड़छाड़ नहीं करने का निर्देश दिया। फर्जी दस्तावेज तैयार करने या इसमें सहयोग करने का मामला सामने आने पर संबंधित सीएससी केंद्र की भूमिका की जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध भी प्रचलित नियम एवं कानून के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों एवं सीएससी प्रबंधकों को निर्देश दिया कि इन निर्देशों से सभी सीएससी केंद्रों को तत्काल अवगत कराएं और उनकी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें।

भूधंसान में बच्चे की मौत के बाद शव के साथ जीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। सिजुआ के तिनपटिया इलाके में मंगलवार सुबह हुए भीषण भूधंसान की घटना के बाद बुधवार को ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग जमीन में दब गए थे। घटना में आठ वर्षीय विक्रम कुमार भुइयां की भी मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद विक्रम का शव एंबुलेंस से सिजुआ बीसीसीएल एरिया-10 के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष लाया गया, जहां परिजन, ग्रामीण और स्थानीय नेता शव के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को नियोजन देने की है।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में पश्चिमी सिंहभूम राज्य में प्रथम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) के आधार पर अप्रैल से जून की अवधि में पश्चिमी सिंहभूम जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले ने स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लक्षित लाभुकों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

केपीआई डैशबोर्ड के अनुसार, जिले में 6 से 59 माह आयु वर्ग के बच्चों के कवरेज में वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों के कवरेज में भी सुधार हुआ है। गर्भवती महिलाओं का कवरेज शत-प्रतिशत बना हुआ है, जबकि धात्री माताओं के कवरेज में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि एनीमिया नियंत्रण एवं पोषण सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में स्वास्थ्य विभाग, संबंधित विभागों, क्षेत्रीय स्वास्थ्यकर्मियों तथा समुदाय की सक्रिय सहभागिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिला प्रशासन द्वारा लक्षित लाभुकों तक आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान में पश्चिमी सिंहभूम का राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करना सभी संबंधित विभागों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह उपलब्धि जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को रेखांकित करती है।

जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए राहत व आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले में लगातार हुई वर्षा एवं जलजमाव को देखते हुए जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने गोह एवं रफीगंज प्रखंड के विभिन्न जल प्रभावित क्षेत्रों और गांवों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जलजमाव, ग्रामीणों के आवागमन, क्षतिग्रस्त सड़कों, पुल-पुलिया एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। गोह प्रखंड के घेजना गांव में जर्जर मार्ग का निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को सड़क की आवश्यक मरम्मति तत्काल शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले में वर्षा एवं जलजमाव से क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कों का प्राथमिकता के आधार पर आकलन कर शीघ्र मरम्मति कराने को कहा। घेजना में जलनिकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लघु सिंचाई प्रमंडल एवं ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को समन्वय से तकनीकी अध्ययन कर समग्र कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। प्रभावित फसलों के आकलन के लिए जिला कृषि पदाधिकारी को सर्वेक्षण कर प्रतिवेदन देने को कहा गया। डीएम ने गांव में संचालित मेडिकल कैंप का भी निरीक्षण किया। रफीगंज के पौथु पंचायत स्थित बरपा गांव में मदार नदी के जलस्तर एवं कटाव की स्थिति का जायजा लिया। नदी का जलस्तर कम होने के बावजूद आसपास के कुछ हिस्सों में कटाव पाया गया। प्रभावित स्थलों पर सैंड बैग से सुरक्षात्मक कार्य कराया जा रहा है। मिश्र बिगहा गांव में ग्रामीण कार्य विभाग से निर्मित पुल का निरीक्षण करते हुए डीएम ने लंबित करीब 40 मीटर संपर्क पथ का निर्माण शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। देव प्रखंड के उपहरा एवं अरंडा गांवों में क्षतिग्रस्त सड़कों का वीडियोग्राफी से सर्वेक्षण हो चुका है। उन्होंने मरम्मति कार्य शीघ्र शुरू कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा) उपेंद्र पंडित, एसडीओ गौरव सिंह, एसडीओ अमित राजन, जिला आपदा प्रभारी अंतरा कुमारी, जिला कृषि पदाधिकारी संदीप राज, डीपीएम स्वास्थ्य मोहम्मद अनवर आलम सहित संबंधित कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

धावा नदी उफनाई, पुल के ऊपर से बह रहा बाढ़ का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज–भदवा रोड पर माड़ीपुर के समीप धावा नदी में बुधवार शाम अचानक एक बार फिर बाढ़ का पानी बढ़ गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी पुल के ऊपर से बहने लगा है, जिससे आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

बाढ़ के पानी के पुल के ऊपर से बहने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। तेज बहाव वाले पानी में जोखिम उठाकर पुल पार करने की कोशिश न करें और बच्चों को नदी व बाढ़ प्रभावित स्थानों से दूर रखें।

पुलिस प्रशासन ने लोगों से सचेत और सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन की अपील है कि किसी भी तरह की लापरवाही न करें, क्योंकि जीवन बेहद अनमोल है।

नवादा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को लेकर कांग्रेस का महा धरना कल, तैयारियां पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बुधवार को नवादा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभाकर झा ने बताया कि नवादा में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण सहित 16 सूत्री मांगों को लेकर कल 10.9.2026 को नगर थाना के पास कांग्रेस के एकदिवसीय विशाल महाधरना की तैयारी पूरी हो चुकी है। श्री झा ने कहा कि यह विशाल महाधरना नवादा की उपेक्षित जनता के हक, बहुत प्रशिक्षित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण और जिले की बुनियादी समस्याओं से जुड़े मांगों को लेकर आयोजित की गई है । श्री झा ने कहा की शहर को प्रतिदिन घंटों भीषण जाम से मुक्ति दिलाने वाला रेलवे ओवरब्रिज परियोजना फाइलों में दबी है जबकि यह भी ज्ञात हुआ है कि इसके निर्माण में लगने वाले पैसे भी आ चुके हैं। नवादा के जनप्रतिनिधि गण के पास बड़ी-बड़ी बात करने का समय है लेकिन नवादा की जनता को जाम और धूल से मुक्ति दिलाने की ना तो कोई इच्छा शक्ति है और ना ही कोई विजन। सड़कों की हालात बद से बदतर है, प्रखंड कार्यालयों तक भ्रष्टाचार और लचर व्यवस्था का बोल वाला है। युवाओं को रोजगार किसानों को सिंचाई और आम जनता को बुनियादी सुविधाएं देने में भाजपा की डबल इंजन की सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। श्री झा ने नवादा की देवतुल्य जनता, प्रबुद्ध नागरिकों, किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह हर उस नवादा वासियों के मान -सम्मान की लड़ाई है जो रोजाना शहर के जाम में घुटता है, जो स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए भटकता है । इसलिए अब घर बैठने का समय नहीं है क्योंकि अभी रेल ओवर ब्रिज नहीं बना तो दूर-दूर तक फिर नहीं बन पाएगा। प्रभाकर झा ने नवादा की जनता से अनुरोध किया है कि कल 10 सितंबर को सुबह 11:00 बजे भारी से भारी संख्या में नगर थाना के निकट पहुंचकर इस महाधरना को सफल बनाएं और ताकत दें ।

बच्चों ने सीखे अनुशासन, सेवा और आपदा प्रबंधन के गुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल (नवादा)। बिहार राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की जिला इकाई कौआकोल के तत्वावधान में जिला सचिव रामअकवाल शर्मा के निर्देशन में पीएम श्री इंटर विद्यालय, ओखरिया में आयोजित पांच दिवसीय प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनन्त कुमार, वरीय शारीरिक शिक्षक मनोज कुमार एवं वरीय शिक्षक विकास कुमार ने संयुक्त रूप से स्काउट ध्वज फहराकर किया। इसके बाद छात्राओं चांदनी, दीपा, प्रियांसी एवं निशु ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित स्काउट प्रशिक्षक राजीव कुमार ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को आपदा की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्य, अनुशासन, सामाजिक एवं राष्ट्र सेवा, स्वच्छता, स्काउट-गाइड के नियम एवं प्रतिज्ञा, प्राथमिक उपचार तथा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के संबंध में व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से बच्चों में धैर्य, साहस, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। प्रधानाध्यापक अनन्त कुमार ने कहा कि स्काउट एवं गाइड के सदस्य विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में प्रशासन का सहयोग करते हैं। दुर्गापूजा, छठ पूजा सहित अन्य अवसरों पर यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं जनसेवा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वरीय शारीरिक शिक्षक मनोज कुमार ने कहा कि स्काउट एवं गाइड केवल प्रशिक्षण देने वाली संस्था नहीं, बल्कि बच्चों को जीवन जीने की कला, संस्कार, सेवा भावना एवं अनुशासन का पाठ भी पढ़ाती है। वहीं वरीय शिक्षक विकास कुमार ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है और अनुशासन उनके जीवन का स्थायी हिस्सा बनता है। शिविर को सफल बनाने में सहायक शिक्षक हर्षवर्धन कुमार, सतीश कुमार, एकता भारती, सीलू कुमारी एवं करिश्मा कुमारी का सराहनीय योगदान रहा। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण प्रतिभागी टोलियों द्वारा आयोजित पाक कला प्रतियोगिता रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रथम सोपान प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में रजौली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 125 लीटर देशी महुआ शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र को पूरी तरह शराब मुक्त बनाने को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि पहवाचक गांव में भारी मात्रा में देशी महुआ शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एएसआई मनोरंजन शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी के लिए भेजा गया। पुलिस टीम ने पहवाचक गांव में घेराबंदी कर एक संदिग्ध बाइक को रोका। तलाशी के दौरान होंडा शाइन बाइक संख्या बीआर02एक्यू8868 पर प्लास्टिक के गैलन में रखे 125 लीटर देशी महुआ शराब बरामद हुई। मौके से पुलिस ने पहवाचक गांव निवासी महेश यादव के पुत्र अमर कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने शराब तस्करी की बात स्वीकार की। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब और बाइक को थाने लाया गया है। गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में नवादा भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, किसी भी सूरत में थाना क्षेत्र में शराब के धंधे को पनपने नहीं दिया जाएगा।

वारंटी को पुलिस भेजा जेल

हसपुरा (औरंगाबाद)। हसपुरा पुलिस ने थानाक्षेत्र के बालाविगहा गांव के विकास कुमार उर्फ लालू व चांदी गांव के पवन यादव को गिरफ्तार किया है। जिसे न्यायलय में पेश कर बुधवार को जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि दोनों लोगों के खिलाफ न्यायलय से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था। जिसे पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया की वारंटियों के खिलाफ बराबर गिरफ्तारी को लेकर छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

झारखंड में रीड-ए-थॉन 2026, 15 लाख से अधिक बच्चों ने एक साथ पढ़ी किताबें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने और पठन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से झारखंड में राज्यव्यापी रीड-ए-थॉन का आयोजन किया गया। 'पठन अभियान 2026' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालयों से लेकर समुदाय स्तर तक बड़ी संख्या में बच्चों और लोगों ने एक साथ 30 मिनट तक किताबें पढ़ीं। 'ड्रॉप एवरीथिंग एंड रीड' की भावना से प्रेरित इस अभियान के तहत सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक राज्यभर में सामूहिक पठन किया गया। अभियान में राज्य के करीब 17,958 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 15,06,249 बच्चे रीड-ए-थॉन में शामिल हुए। इसके अलावा 41,171 शिक्षक, 7,114 सरकारी पदाधिकारी और 33,306 समुदाय के सदस्य भी इस सामूहिक पठन गतिविधि से जुड़े। बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के कारण विद्यालयों और समुदायों में पठन को लेकर विशेष माहौल देखने को मिला।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने रांची के जीएमएस एसटी धुर्वा विद्यालय पहुंचकर रीड-ए-थॉन में बच्चों के साथ सहभागिता दर्ज की। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पढ़ना केवल किसी एक गतिविधि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हर बच्चे को इसे अपनी रोजमर्रा की आदत में शामिल करना चाहिए। बच्चों को अपनी पसंद की किताबें पढ़नी चाहिए, जिन्हें पढ़ने में उन्हें आनंद आए। राज्य परियोजना निदेशक ने विद्यालय में मौजूद अभिभावकों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों से भी बच्चों को नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए घर और विद्यालय दोनों जगह सकारात्मक पठन वातावरण तैयार करना जरूरी है। जब परिवार और समुदाय भी बच्चों की पठन यात्रा का हिस्सा बनेंगे, तो उनमें पढ़ने के प्रति रुचि और निरंतरता विकसित होगी। रीड-ए-थॉन का उद्देश्य केवल आधे घंटे तक किताब पढ़ने की गतिविधि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से बच्चों में नियमित पठन की आदत विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

गोड्डा में नेटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

गोड्डा। जिले के गांधी मैदान में तीन दिनों तक चलने वाले नेटबॉल चैंपियनशिप रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। जिसमें जिलें भर के 1500 पुरुष व महिला वर्ग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। गांधी मैदान में 17वीं सीनियर व 9वीं सुबजूनियर वर्ग के बालक-बालिका वर्ग के बीच मैच खेले गए। जिसमें कुल 50 टीम ने हिस्सा लिया। जिसमें कई राष्ट्रीय खिलाडी भी शामिल हुए। प्रतियोगिता में मुख्य भूमिका राष्ट्रीय खिलाडी मोनालिसा और गुंजन झा की रही है। इस मौके पर मोनालिसा ने कहा कि गोड्डा के लिए ये बड़ी कामयाबी है कि जिले को अब आवासीय प्रशिक्षण केंद्र मिल गया है। ऐसे में और भी प्रतिभा को निखारने में मदद होगी। विदित हो कि गोड्डा के खिलाड़ी ही ज्यादातर झारखंड टीम का हिस्सा बनते हैं और पिछले कुछ सालों में गोड्डा के खिलाड़ियों ने राज्य को कई मेडल दिलाये हैं। प्रतियोगिता समापन के बाद देर शाम खिलाड़ियों ने जमकर थिरके और समा बांधे। मौके पर मौजूद संघ के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गांधी ने कहा कि उनके बच्चे लगातार अच्छा कर रहे हैं। ये खेल काफी लोकप्रिय हो रहा है। जिसका परिणाम है कि उनके बच्चे हर साल राज्य स्तरीय खेल प्रोत्साहन राशि से सम्मानित हो रहे हैं। पुर्व जिला परिषद अध्यक्ष कल्पना देवी ने कहा जिले के खिलाड़ियों को तराशने का काम जो मोनालिशा के नेतृत्व में हो रहा है, वो सराहनीय है।

पूर्व रेलवे

सं.: ओ/एसी/टी/130-134/26-27 (ओपन), दिनांक 08.09.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.:** ओ-एसी-टी-130-26-27; **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट द्वारा साइट पर 60 किग्रा/52 किग्रा (90/72 यूटीएस, आर-260) (नई/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,01,34,733.77। **बयाना राशि:** रु. 2,02,700; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 12 महीने। **क्रमांक 2, केस सं.:** ओ-एसी-टी-131-26-27; **कार्य का नाम:** आसनसोल में सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में दोमोहानी, बुद्ध एवं अस्पताल रेलवे कॉलोनी में रेलवे क्वार्टरों के सुधार के साथ दरवाजों एवं खिड़कियों, सैनिटरी कार्य तथा अन्य आनुषंगिक कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 3,36,04,585.55। **बयाना राशि:** रु. 6,72,100; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 12 महीने। **क्रमांक 3, केस सं.:** ओ-एसी-टी-132-26-27; **कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/II/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में सीतारामपुर-प्रधानखांटा में लेवल क्रॉसिंग गेटों पर बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान के साथ ड्रेनेज एवं गेट लॉज का सुधार, साइन बोर्ड, सुरक्षा बाड़ इत्यादि के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 44,80,283.91। **बयाना राशि:** रु. 89,600; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 06 महीने। **क्रमांक 4, केस सं.:** ओ-एसी-टी-133-26-27; **कार्य का नाम:** मंडल अभियंता/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के अधीन अंडाल-तापसी के बीच पुल सं. 35, 43 एवं 44 (टीबी कॉर्ड लाइन) तथा पुल सं. 13, 18, 19 एवं 20 के क्षतिग्रस्त विंग वॉल इत्यादि की मरम्मत तथा पुनर्निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 2,68,18,955.21। **बयाना राशि:** रु. 5,36,400; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 12 महीने। **क्रमांक 5, केस सं.:** ओ-एसी-टी-134-26-27; **कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/3/आसनसोल के अधीन बारिया, दुर्गापुर, राजबांध, पानागढ़, मानकड़, पराज एवं गलसी स्टेशनों में इलेक्ट्रो क्लोरिनेटर की क्षमता वृद्धि के बचे हुए कार्य के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 48,43,160.03। **बयाना राशि:** रु. 96,900; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 60 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.10.2026 को 12.00 बजे (प्रत्येक के लिए)। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-252/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता-आईपीटीई द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. **ईएलआईएन–टीआरएस–सीएबी–एसी–सीओएमएम–26–1** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** ईएलएस/आईपीटीएन में डब्ल्यूएजी7 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के कैब में रूफ माउंटेड एयर कंडीशनिंग (ट्रफ के बिना) की स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ। **मात्रा:** निविदा अनुसूची के अनुसार। **कार्य परिधि:** निविदा कागजात के साथ संलग्न। **निविदा मूल्य:** रु. 13,38,856.32, **बयाना राशि:** रु. 26,800/- **अनुबंध की अवधि:** 06 (छह) माह। **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 30.09.2026 को 15.00 बजे। निविदा कागजात का विवरण ई-निविदा पोर्टल में उपलब्ध है और आईआरईपीएस वेबसाइट का यूआरएल है **www.ireps.gov.in** (PR-744)

चार लड़कियां डूबीं, दो की गई जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बलिया थाना क्षेत्र में बाढ़ का पानी अब लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ने लगा है। मंगलवार सुबह परमानंदपुर पंचायत के हुसैना दियारा गांव में बाढ़ के पानी में डूबने से दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। घरेलू सामान लेने के लिए घर से निकली चार लड़कियां सड़क किनारे जमा गहरे पानी में अचानक डगमगाने लगीं। एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में चारों पानी में डूबने लगीं। ग्रामीणों की तत्परता से दो लड़कियों को बचा लिया गया, लेकिन 14 वर्षीय आकांक्षा कुमारी और 21 वर्षीय सपना कुमारी की जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल पानी में उतरकर दोनों लापता लड़कियों की तलाश शुरू कर दी। करीब एक घंटे तक चले खोज अभियान के बाद डब्लु कुमार, रूपेश कुमार और हेमंत कुमार ने सपना कुमारी का शव बरामद किया। शव मिलने के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

दूसरी किशोरी आकांक्षा कुमारी की तलाश में स्थानीय गोताखोरों ने भी अभियान चलाया। सिंटु कुमार यादव, शंकर कुमार सक्सेना, राजू कुमार राणा, श्याम कुमार और सत्यम कुमार समेत कई लोगों ने खोजबीन में सहयोग किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मनिजरा खेत के समीप आकांक्षा का शव बरामद किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ आकाश कुमार ने तुलसीटोल बांध पर तैनात गोताखोर श्याम कुमार की टीम और राजस्व कर्मचारी अवधेश कुमार को नाव से घटनास्थल पर भेजा। दोनों शवों को नाव के जरिए तुलसीटोल बांध तक लाया गया। इसके बाद बलिया पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बेगूसराय भेज दिया।

एक ही घटना में दो परिवारों की बेटियों की मौत से हुसैना दियारा गांव में मातम पसर गया। सपना की मां रीता देवी और आकांक्षा की मां पुष्पलता देवी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर तरफ शोक का माहौल है और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन बना हुआ है।

30 हजार रिश्वत लेते एसआई धराया

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। धनबाद की भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) टीम ने गिरिडीह जिले में साइबर थाने के सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की टीम ने इस गौतम को साइबर थाना के बाहर गेट के समीप एक होटल के पास से पकड़ा, जहां वह रिश्वत की राशि ले रहा था।

सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम के रिश्वत मांगे जाने का मामला सामने के बाद से धनबाद एसीबी की टीम पूरे मामले में निगरानी रख रही थी। टीम ने आरोपी गौतम पुलिस अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम साइबर थाना के बाहर गेट के पास होटल के पास पहुंचा और पीड़ित शिकायतकर्ता जीवलाल मंडल से 30 हजार रुपये बतौर रिश्वत लेने लगा। इसी दौरान एसीबी टीम ने तुरंत उसे दबोच लिया। जीवलाल के छोटे बेटे को पूर्व में एक मामले में जेल भेजा गया था। उसी मामले की केस डायरी कोर्ट भेजने के नाम पर गौतम ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी।

गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी सब इंस्पेक्टर पुनीत गौतम को अपने साथ ले गई और उनसे गहनता से पूछताछ कर रही है। भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो की टीम अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

पॉक्सो एक्ट का आरोपित रिमांड पर

बक्सर। कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र के एक मध्य विद्यालय की पूर्ववर्ती छात्रा से दुष्कर्म के मुख्य आरोपित अरविंद कुमार से पूछताछ के लिए पॉक्सो कोर्ट ने दो दिन की रिमांड मंजूर की है। रिमांड मिलते ही पुलिस उसे लेकर महिला थाना चली गई, जहां फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। इस सम्बंध में जानकारी देते पॉक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल सिर्फ घटना के मुख्य अभियुक्त अरविंद कुमार को दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा गया है। मामले में गिरफ्तार अन्य के रिमांड के लिए अभी पुलिस का आवेदन नहीं आया है। पुलिस का आवेदन आने के बाद कोर्ट उसपर अपना निर्णय लेगी।

इधर, रिमांड मिलते ही महिला थाना की जांच अधिकारी अभियुक्त को केंद्रीय कारा से लेकर महिला थाना पहुंच गई, जहां फिलहाल आरोपित से पूछताछ चल रही है। इसकी पुष्टि करते हुए महिला थानाध्यक्ष प्रतिभा कुमारी ने बताया कि केस की जांच अधिकारी फिलहाल अरविंद कुमार से पूछताछ कर घटना से सम्बंधित तमाम बातों की जानकारी ले रही है।

करंट लगने से हवलदार सहित दो की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। जिले के अलग-अलग स्थानों पर बुधवार को विद्युत स्पर्शाघात से महिला पुलिस बटालियन के एक हवलदार समेत दो लोगों की मौत हो गई। संबंधित थाने की पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया है। पुलिस आगे की प्रक्रिया पूरी कर रही है। पहली घटना सासाराम के बेदा स्थित महिला पुलिस बटालियन की है। बताया जाता है कि हवलदार के पद पर तैनात लाल साहब सिंह बुधवार सुबह महिला पुलिस बटालियन में अपना वाहन धो रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक मूल रूप से कैमूर जिले के सबार थाना क्षेत्र के सिसवार गांव के निवासी बताए जाते हैं। उनकी मौत से परिवार में मातम पसरा है। मामले में परिजनों ने महिला पुलिस बटालियन की व्यवस्था और इलाज में बरती गई कथित लापरवाही को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अगर समय रहते उचित इलाज और आवश्यक कदम उठाए जाते तो हवलदार की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विभागीय जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण तथा लगाए गए आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दूसरी घटना अगरेर थाना क्षेत्र के खरवनिया गांव में हुई। यहां विद्युत उपकरण बनाने के दौरान एक व्यक्ति करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने के बाद परिजन आनन-फानन में उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान खरवनिया गांव निवासी भगवान सिंह के पुत्र अनिल सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

किआ इंडिया ने भारत के प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में रखा कदम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। किआ इंडिया ने किआ सोरेंटो को लॉन्च किया है और इसके साथ ब्रांड ने भारत के प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में कदम रखा है। शुरूआती कीमत डीजल के लिए 27.99 लाख रुपये और हाइब्रिड के लिए 29.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू है।

किआ के सबसे कामयाब एसयूवी नामों में से एक भारतीय ग्राहकों तक लाने के साथ इस लॉन्च से भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश भी आ रही है। किआ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ ग्वांगगू ली ने कहा कि किआ सोरेंटो का आना किआ इंडिया के सफर का एक निर्णायक पड़ाव है, क्योंकि हम पहली बार प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी में उतर रहे हैं। ऐसा है कि हम किआ के सबसे कामयाब वैश्विक नामों में से एक के साथ कर रहे हैं, यानी भारतीय ग्राहकों को अब तक की सबसे उन्नत सोरेंटो मिल रही है। सोरेंटो सिर्फ हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार नहीं है। यह हमारी उस प्रतिबद्धता को दिखाती है कि हम दुनिया भर में परखे हुए उत्पाद और आगे के लिए तैयार तकनीक भारतीय ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं तक पहुंचाएं। हमें भरोसा है कि यह इस सेगमेंट में एक नया मानक तय करेगी और भारत में किआ के प्रीमियम सफर को और मजबूती देगी।

बैठक में सेवा पखवाड़ा मनाने का निर्णय

गयाजी। भाजपा किसान मोर्चा पश्चिमी की एक आवश्यक बैठक टिकारी में एक निजी भवन में किया गया। बैठक में प्रदेश के निर्देश पर गयाजी पश्चिमी अंतर्गत अंतर्गत कुल 27मंडल में मंडल प्रभारी का मनोनयन किया गया। प्रदेश से निर्देशित प्रधानमंत्री मोदी की जन्मदिवस पर 17 सितंबर से आगामी 17अक्तूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में पर चर्चा किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा गया जी पश्चिमी धनंजय कुमार, उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, महामंत्री निरंजन सिंह, मिडिया प्रभारी सह जिला प्रवक्ता शिवबल्लभ मिश्र, मंत्री संतोष यादव, कार्यसमिति सदस्य सतेंद्र नारायण सिंह, विगन सिंह, निकू कुमार आदि मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन टिकारी नगर अध्यक्ष मुकेश जैन ने किया।

पीट-पीटकर मां की हत्या

दरभंगा। फेकला थाना क्षेत्र के बिसबीघा गांव में एक बेटे ने अपनी मां की बांस से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि मृतका ने अपने पोते की पिटाई करने से बेटे को मना किया था। इसी बात से नाराज होकर बेटे ने मां के सिर पर बांस से कई बार वार कर दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी बेटा घर छोड़कर फरार हो गया था। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पहचान उपेंद्र यादव की पत्नी प्रमिला देवी (60) के रूप में हुई है। वहीं, महिला की हत्या उसके मंझले बेटे ज्ञानी कुमार यादव ने की है। फेकला थानाध्यक्ष वशिष्ठ कापर ने बताया कि आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

शौच करने गयी महिला डूबीं, तीन किमी दूर लोगों ने बचायी जान

अरवल। थाना क्षेत्र में एनएच-33 पर पुनपुन नदी पुल के नीचे मंगलवार को शौच के लिए गई एक वृद्ध महिला पैर फिसलने से नदी में जा गिरी। तेज बहाव में वह बहने लगी। महिला की साड़ी में पानी और हवा भरने से वह गुब्बारे की तरह फूल गई, जिससे वह घटनास्थल पर डूबने से बच गई। तेज धारा महिला को करीब तीन किलोमीटर दूर पटना जिले के सिगोड़ी थाना क्षेत्र के बऊआं गांव के पास ले गई। महिला लगातार मदद के लिए शोर मचा रही थी। उसकी आवाज सुनकर वहां मौजूद कुछ नवयुवकों ने बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी। बऊआं गांव के निशांत कुमार, गुड्डू कुमार, बबलू कुमार सहित पांच युवकों ने साहस दिखाते हुए महिला को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया। महिला की जान बचने के बाद ग्रामीणों ने उसके स्वजन को घटना की सूचना दी। वृद्ध महिला की पहचान कुर्था थाना क्षेत्र के सच्चाई मठिया गांव निवासी शिवशंकर पासवान की पत्नी मीना देवी के रूप में हुई। सूचना मिलने के बाद महिला के पुत्र सहित अन्य स्वजन बऊआं गांव पहुंचे और मीना देवी को सुरक्षित अपने साथ घर ले गए।

दुर्घटना में एमबीबीएस छात्र की मौत

मधुबनी। बिहार मधुबनी में जिस बेटे को डॉक्टर की सफेद कोट में देखने का सपना माता-पिता ने संजोया था, वह सपना 21 साल की उम्र में ही बिखर गया। पीएमसीएच में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे महदेवा गांव के ध्रुव नारायण यादव की पटना में सड़क हादसे में मौत हो गई। बुधवार सुबह गांव पहुंची इस खबर ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। कुछ ही घंटों बाद जब ध्रुव का शव पैतृक गांव पहुंचा तो माता-पिता बेसुध हो गए और पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। ध्रुव नारायण यादव इनरवा पंचायत के महदेवा गांव निवासी पूर्व उपमुखिया राम बहादुर यादव के पुत्र थे। परिवार और ग्रामीणों के अनुसार ध्रुव पढ़ाई में बेहद होनहार था। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनना और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना उसका सपना था। परिवार को उससे बड़ी उम्मीदें थीं। बताया गया कि मंगलवार देर रात पटना में ध्रुव सड़क हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार सुबह जैसे ही ध्रुव की मौत की खबर महदेवा गांव पहुंची, पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया।

वर्चस्व की लड़ाई में चली गोली

सड़क किनारे खड़े किशोर की गई जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात अपराधियों के बीच कथित वर्चस्व की लड़ाई में हुई गोलीबारी ने एक 16 वर्षीय किशोर की जान ले ली। रात करीब दो बजे कुछ अपराधियों के बीच कथित तौर पर गोलीबारी हो रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े होकर विवाद देख रहे किशोर को गोली लग गई। गंभीर हालत में उसे तेघड़ा अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान तेघड़ा नगर परिषद के वार्ड संख्या 13 निवासी मोहम्मद आशिक के 16 वर्षीय पुत्र मोहम्मद समीर के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार रात करीब दो बजे कुछ अपराधी आपस में वर्चस्व को लेकर भिड़ गए। इसी दौरान देसी पिस्तौल से गोली चलने लगी। बताया गया कि समीर सड़क किनारे खड़ा होकर पूरा विवाद देख रहा था। इसी बीच चली एक गोली उसे लग गई। गोली लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद गोलीबारी में शामिल बताए जा रहे अपराधी वहां से फरार हो गए। घायल समीर को परिजन और स्थानीय लोग तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब समीर का शव घर पहुंचा तो बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन वहां जुट गए। किशोर की मौत से आक्रोशित लोगों ने मस्जिद चौक बाजार में शव रखकर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

20 सूत्री की बैठक में पीएचईडी की कार्यशैली पर नाराजगी

अनुपस्थित पदाधिकारियों से जबाव तलब का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड सभा कार्यालय में बुधवार को प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह उर्फ बबली एवं रोसड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में प्रखंड के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके विभागों से संबंधित कार्यों की बारी-बारी से जानकारी ली गई तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई।

अध्यक्षता कर रहे विधायक वीरेंद्र कुमार ने अधिकारियों से अपने-अपने विभागों के कार्यों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट रूप से बताने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंचाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। समीक्षा के दौरान कई विभागों के पदाधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए हथौड़ी थाना अध्यक्ष एवं शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया। बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर भी चर्चा हुई और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगे जाने की बात कही गई। बैठक में पीएचईडी विभाग की कार्यशैली और कथित लापरवाही का मुद्दा सबसे अधिक चर्चा में रहा। विभाग से संबंधित कार्यों की स्थिति को लेकर विधायक ने नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से आम लोगों को पेयजल से संबंधित समस्याओं का समय पर समाधान करने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने को कहा। विधायक ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में बीडीओ वीरेंद्र कुमार, सीओ अम्रपाली यादव, प्रखंड प्रमुख डॉक्टर गोविंद कुमार सिंह, एमओ नूरजहां, बीईओ रामजन्म सिंह, बीएओ सतीश कुमार, पीएचसी प्रभारी सुमित कुमार, पीओ बबलू कुमार, पीएचईडी विभाग से हिमांशु कुमार एवं आकाश कुमार वर्मा, श्रम संसाधन विभाग से नीतू कुमारी सहित किशोरी प्रसाद सिंह, अनिल कुमार सिंह, ललित कुमार झा, सरोज कुमार समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बिहार-झारखंड के महापर्व छठ की कृपा और जंगलों के रहस्य पर बनी फिल्म

'द वन' का भक्ति गीत 'छठी मैया' 'कल होगा रिलीज

25 सितंबर को सिनेमाघरों में देगा दस्तक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फैंटेसी-थ्रिलर फिल्म 'द वन' इन दिनों हर तरफ सुर्खियों में छाई हुई है। रोमांटिक ट्रैक 'समझो ना' की सफलता के बाद मेकर्स ने फिल्म के दूसरे गाने 'छठी मैया' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें तमन्ना भाटिया पारंपरिक अंदाज में अर्घ्य देती और आस्था में डूबी नजर आ रही हैं।

पूर्वांचल और बिहार-झारखंड के सबसे बड़े महापर्व 'छठ' को किसी बड़ी हिंदी फिल्म के मुख्य प्लॉट में इस भव्यता से शामिल करना हर किसी का ध्यान खींच रहा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'छठी मैया' गीत के अलावा इस फिल्म के हर एक फ्रेम में बिहार-झारखंड का कितना गहरा कनेक्शन छुपा हुआ है?

महापर्व छठ और वन देवी की पौराणिक लोककथा- फिल्म के नए गाने 'छठी मैया' में बिहार और झारखंड के जंगलों में रची-बसी लोककथाओं और वन देवी की पौराणिक शक्ति को छठ पूजा की सदियों पुरानी परंपरा के साथ पिरोया गया है।

विशाल मिश्रा की सुरीली आवाज और कौशल किशोर के लिखे भक्ति भाव से भरे बोल सीधे पूर्वांचल के लोगों के दिलों को छूते हैं। गाने में तमन्ना भाटिया और श्वेता तिवारी का यह आध्यात्मिक अवतार फिल्म में बिहार-झारखंड की गहरी सांस्कृतिक जड़ों की गवाही देता है। बात सिर्फ गानों की नहीं है, इस फिल्म के मेकर्स का माइंडसेट भी सीधे बिहार की माटी से जुड़ा है।

पंचायत' फेम दीपक मिश्रा और टीवीएफ के अरुणाभ कुमार की जोड़ी- 'द वन' के पीछे जो क्रिएटिव विजन है, उसका असली कनेक्शन बिहार और झारखंड से ही आता है। ओटीटी की दुनिया में 'पंचायत' और 'गुल्लक' जैसी कालजयी देसी कहानियां देने वाले निर्देशक दीपक मिश्रा और टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने इस फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है। बिहार की सांस्कृतिक नब्ज को गहराई से समझने वाले इन फिल्ममेकर्स ने इस बार फैंटेसी, एडवेंचर और रहस्य को अपनी माटी की कहानियों के साथ जोड़ा है।

जंगलों का रहस्य और कॉमिक बुक वर्ल्ड- बिहार-झारखंड के ऐतिहासिक जंगलों, पहाड़ियों और वहां की दंतकथाओं पर आधारित इस फिल्म को सिर्फ एक मूवी तक सीमित नहीं रखा गया है। मेकर्स ने इसके बैकड्रॉप पर 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी पेश की है, जो इस क्षेत्र की सदियों पुरानी फैंटेसी कहानियों से दर्शकों को रूबरू कराती है।

25 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी फिल्म- बालाजी मोशन पिक्चर्स और टीवीएफ द्वारा निर्मित यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें मिस्ट्री, ह्यूमर, रोमांस और भारतीय लोककथाओं का ऐसा अनोखा संगम देखने को मिलेगा जो पूर्वांचल ही नहीं बल्कि पूरे देश के दर्शकों के लिए एक नया सिनेमाई अनुभव होगा।

बहन के हत्यारोपित ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। शेखपुरा की चर्चित डाककर्मी चंचला कुमारी की हत्या के मामले में सोमवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। मामले में आरोपित उसके सगे भाई शुभम कुमार ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसके साथ ही इस केस में आरोपित परिवार के तीनों सदस्य अब पुलिस की कार्रवाई के दायरे में आ गए हैं।

मृतका के पिता बचनदेव चौहान ने रविवार को ही सरेंडर किया था, जबकि मां अनीता कुमारी को पुलिस करीब एक सप्ताह पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

चंचला कमासी गांव की रहने वाली थी और गया जिले में डाक विभाग में कार्यरत थी। पुलिस के अनुसार उसने कारे गांव के युवक राहुल से अपनी इच्छा से शादी की थी।

बताया जाता है कि परिवार इस विवाह से नाराज था। जांच के दौरान पुलिस के सामने जो तथ्य आए, उनके आधार पर मामले को आत्महत्या के बजाय हत्या का बताया गया।

पुलिस के अनुसार चंचला की शादी परिवार को स्वीकार नहीं थी। आरोप है कि परिवार ने शादी को सामाजिक रूप देने के बहाने उसे घर बुलाया। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उसकी हत्या कर दी गई। बाद में घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश किए जाने का आरोप है। मृतका के पिता की ओर से ही उस समय थाने में आत्महत्या को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। शुरूआत में मामला आत्महत्या का माना जा रहा था, लेकिन पुलिस की लंबी जांच में घटनाक्रम की तस्वीर बदलती गई। करीब 20 महीने तक चली जांच के बाद पुलिस ने इसे हत्या का मामला माना। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मृतका के माता-पिता और भाई को आरोपित बनाया गया। मामले में पुलिस ने करीब एक सप्ताह पहले चंचला की मां अनीता कुमारी को गिरफ्तार किया था।

मशरूम खाने से एक ही परिवार के चार बीमार

स्थानीय लोगों में अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। मशरूम की सब्जी खाने के बाद फूड पॉइजनिंग की चपेट में आने से सोनो बाजार के एक ही परिवार के चार सदस्य बीमार हो गए। सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है।

बीमार लोगों की पहचान सोनो बाजार निवासी मन्नू वर्मा (35), उनकी पत्नी संध्या देवी (30), पुत्र आयुष कुमार (10) तथा पुत्री आरुषि कुमारी (7) के रूप में हुई है।मन्नू वर्मा ने बताया कि वह खेत से मशरूम लेकर घर आए थे। घर में मशरूम की सब्जी बनाई गई थी।

परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन में मशरूम की सब्जी खाई। इसके कुछ समय बाद एक-एक कर सभी लोगों को पेट दर्द और डायरिया की शिकायत शुरू हो गई। परिवार के चारों सदस्यों की तबीयत बिगड़ने के बाद स्वजनों और स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों द्वारा सभी का इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर उमाशंकर ने लोगों को सलाह दी कि खेत या जंगल से मिलने वाले अनजान मशरूम अथवा खाद्य पदार्थों का सेवन बिना पहचान और जांच के नहीं करें।

खादी- सूती मॉल निर्माण की मांग

गयाजी। शहर के घुघडीटांड बाईपास आईटीआई, पालीटेक्निक के सामने बिहार राज्य खादी बोर्ड के परती जमीन पर खादी- सूती कपड़े का बहुमंजिला मॉल बनाने की मांग कॉंग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने सरकार से किया है। मांग करने वालों में बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, जमुना लाल पटवा, टेक लाल तांती आदि ने कहा कि गया जी का मानपूर जो सूती, हैंडलूम कपड़े का प्रसिद्ध केंद्र है तथा गया जी मे ही ग्राम निर्माण मंडल के कारण यहां सूती, हैंडलूम, खादी कपड़ा का मुख्य व्यवसायिक केंद्र बनाने हेतु सूती खादी मॉल की नितांत आवश्यकता है। नेताओं ने कहा 2024 में तत्कालीन डीएम ने बिहार राज्य खादी बोर्ड के जमीन पर सूती कपड़ा मॉल बनाने की घोषणा की थी परंतु अभी तक कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। नेताओं ने कहा किजमीन की चाहरदीवारी तोड़ कर स्थानीय लोगों द्वारा कई जगह खादी बोर्ड के जमीन को कब्जा करने का सिलसिला जारी है।

जमीन अधिग्रहण के पेंच में फंसा सुग्गापहाड़ी फ्लाई ओवर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। मधुपुर-गिरिडीह मार्ग एनएच 114 ए पर सुग्गापहाड़ी गांव के पास चार नंबर रेलवे फाटक पर बन रहे फ्लाई ओवर का काम लंबे समय से अधूरा है।

भूमि अधिग्रहण व रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच आपसी समन्वय की कमी के कारण कुछ काम भी बंद है। करोड़ों की राशि खर्च के बाद भी फ्लाई ओवर पूरा नहीं हो पाया है। फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण जिस मकसद से कराया गया वह पूरा नहीं हो रहा है।

मधुपुर - गिरिडीह रेल मार्ग सुग्गापहाड़ी अड़रिया पहाड़ी गांव निकट चार नंबर रेलवे फाटक पर गिरिडीह मधुपुर को जोड़ने वाली एनएच रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है।

फ्लाईओवर के दोनों तरफ एप्रोच रोड (सड़क) और पिलर निर्माण का शुरूआती काम तेजी से हुआ। लेकिन मुख्य हिस्से (रेलवे ट्रैक के ऊपर के स्पैन) और जोड़ने वाली सड़कों का लगभग 70 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है।

पिछले एक से डेढ़ साल से निर्माण स्थल पर कोई बड़ी प्रगति नहीं है और काम पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। एजेंसी का कहना है कि उन्हें जमीन मुहैया नहीं कराया जा रहा है। जिसके कारण उन्हें मजबूरी में काम बंद करना पड़ा।

रेलवे लाइन के उपर गार्डर नहीं चढ़ाया गया है। रेलवे लाइन किनारे बनाए गए पिलर पर विवाद बताया जाता है। दूसरा कारण बताया जाता है कि मधुपुर में लगभग 14 किलोमीटर लंबा बायपास का निर्माण होना है। ताकि भारी वाहनों को शहर और बाजारों के जाम से बचाया जा सके। नए बायपास एलाइनमेंट के कारण इस क्षेत्र के पुराने योजना निर्माण कार्य की डिजाइन की समीक्षा की जा रही है । यह भी एक कारण बताया जाता है। रेलवे ट्रैक के ऊपर गार्डर रखने और ब्लाक लेने के लिए रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के बीच सुरक्षा मानकों को लेकर तकनीकी तालमेल और अंतिम स्वीकृतियां अटकी हुई हैं।

फ्लाईओवर के एप्रोच रोड के दायरे में आने वाली कुछ जमीनों के अधिग्रहण, रैयतों (जमीन मालिकों) के मुआवजे की फाइलों और प्रशासनिक क्लियरेंस में देरी के कारण कंपनी ने काम रोक दिया गया। वर्तमान में मधुपुर-गिरिडीह रेल मार्ग पर नवाब मोड़ के पास नया रेलवे स्टेशन (नया मधुपुर स्टेशन) और बाईपास रेल परियोजना का काम भी चल रहा है।

जिसके कारण धमना रेलवे फाटक पर प्रस्तावित फ्लाईओवर का काम शुरू नहीं किया गया। कारण कि केंद्र सरकार द्वारा फोरलेन की टेंडर प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही इस रुके हुए फ्लाईओवर और एप्रोच रोड के काम को भी नए सिरे से री-डिजाइन कर तेजी से पूरा करने की योजना है। इसके बाद इसका काम शुरू होगा।

यूनियन बैंक और जीविका के बीच समझौता, एसएचजी को ऋण सहायता बढ़ाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष पाण्डेय के दो दिवसीय पटना दौरे के दौरान 8 सितंबर को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और जीविका (बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी) के बीच स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता एवं ऋण समर्थन और अधिक मजबूत तथा विस्तारित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बैंक की ओर से अंचल कार्यालय पटना के महाप्रबंधक गुणा नंद गामी तथा जीविका की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिमांशु शर्मा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य जीविका के व्यापक स्वयं सहायता समूह नेटवर्क और बैंक की बैंकिंग पहुंच का लाभ उठाकर समूह सदस्यों को संस्थागत ऋण, वित्तपोषण और स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर आशीष पाण्डेय ने बैंक के जीविका से जुड़े मौजूदा करीब 310 करोड़ रुपये के कारोबार को चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि यह बिहार के स्वयं सहायता समूह तंत्र के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साझेदारी के अगले चरण में क्लस्टर लेवल फेडरेशन के वित्तपोषण की पहल भी आगामी महीनों में शुरू करने का प्रस्ताव है। बैंक इसके लिए वित्तपोषण की संभावनाओं का पता लगाकर उसे लागू करेगा। व्यक्तिगत वित्तपोषण को मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। बैंक स्वरोजगार, उद्यमिता और स्थायी आजीविका के लिए अधिक ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेगा। आशीष पाण्डेय ने बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी तथा खान एवं भूतत्व मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी से मुलाकात कर राज्य के विकास में बैंक की भूमिका और विकास परियोजनाओं में उसके योगदान पर चर्चा की। उन्होंने कार्यपालक निदेशक नितेश रंजन के साथ आयोजित टाउन हॉल बैठक में कर्मचारियों को बैंकिंग एवं ग्राहक सेवाओं, तकनीकी विस्तार और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान केंद्रीय कार्यालय मुंबई से ओपी कारवां, सुधाकर राव, नवनीत कुमार, राजेन्द्र कुमार, संजीव कुमार, गुणा नंद गामी, अंचलीय एश्योरेंस प्रमुख प्रतिभा पाण्डेय, क्षेत्र प्रमुख मुकेश कुमार सहित सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। आशीष पाण्डेय और नितेश रंजन ने मीडिया से बातचीत कर उनके सवालों के जवाब भी दिए।

पटना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों का अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को पटना जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दीघा घाट, कुर्जी घाट, जेपी गंगा पथ के आसपास के क्षेत्रों तथा बिंद टोली स्थित राहत शिविरों का दौरा किया। डॉ. प्रेम कुमार ने राहत शिविरों में साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। सामूहिक रसोईघर का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने बताया कि बिंद टोली राहत शिविर में करीब 3,000 और दीघा घाट के समीप शिविर में करीब 2,500 लोग रह रहे हैं। शिविरों में चिकित्सकों, दवाओं, एंबुलेंस के साथ पशु चिकित्सा और पशुओं के लिए दवाओं की व्यवस्था की गई है। बच्चों की पढ़ाई के लिए अस्थायी विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में त्वचा संबंधी रोगों और वायरल संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। इनके उपचार के लिए पर्याप्त चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने पशु आश्रय स्थल का भी निरीक्षण किया और संरक्षित पशुओं, विशेषकर गायों को चारा खिलाया। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में मानव जीवन के साथ पशुधन की सुरक्षा भी प्राथमिकता है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। राहत शिविरों की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर आवश्यक सुधार तत्काल किए जाने चाहिए। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार से बात कर उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर पाटलिपुत्र को-ऑपरेटिव बैंक के रितेश, बख्तियारपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र, रणविजय रौशन, राजकुमार सिंह, दीघा विधानसभा क्षेत्र के सदस्य संजीव चौरसिया के प्रतिनिधि तथा सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश शास्त्री, रणजीत चंद्रवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दशहरा-छठ से पहले बिहार से हरियाणा की सीधी बस सेवा, 12 रूटों पर चलेंगी एसी डीलक्स बसें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दशहरा, दिवाली और छठ से पहले बिहार के लोगों के लिए बड़ी राहत मिलने वाली है। बिहार और हरियाणा के बीच नियमित अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। राज्य सरकार को बिहार-हरियाणा रूट पर बस परिचालन की अनुमति मिल गई है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम बसों का नियमित परिचालन करेगा। निगम ने टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के साथ बसों की खरीद भी शुरू कर दी है। परिवहन विभाग के अनुसार हरियाणा के साथ उत्तर प्रदेश के रूट पर भी बसों का परिचालन किया जाएगा। इससे दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले बिहार के लोगों के लिए आवागमन और आसान होगा। परिवहन निगम अपने स्तर से 149 बसों की खरीद कर रहा है जिसमें 75 एसी बसें शामिल हैं। इन बसों की खरीद कई चरणों में की जाएगी। बिहार-हरियाणा के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने के लिए इस वर्ष जुलाई में दोनों राज्यों के बीच द्विपक्षीय समझौता (एमओयू) हुआ था। इसके तहत बिहार के 12 प्रमुख रूटों से हरियाणा के लिए एसी युक्त डीलक्स बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। इससे लंबी दूरी के यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन विकल्प मिलेगा। योजना के अनुसार बसें पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, मधुबनी समेत बिहार के अन्य प्रमुख शहरों से चलेंगी। ये बसें हरियाणा के अंबाला, गुरुग्राम और पानीपत जैसे शहरों तक जाएंगी। इन रूटों पर कारोबार, रोजगार, शिक्षा और अन्य कार्यों के लिए रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है।

राज्य में होगी कम जोखिम वाले भवनों के लिए स्व प्रमाणन की सुविधा

बिहार बिल्डिंग बायलॉज 2026 का प्रारूप तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की ओर से राज्य में प्रशासनिक नियमों को सरल बनाने और व्यापार करने की सुगमता को बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे डीरेगुलेशन 1.0 और 2.0 की प्रगति को लेकर बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। पुराने सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव केके पाठक और बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने संयुक्त रूप से की। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विभिन्न प्राथमिक क्षेत्रों पर हुए समझौतों और उनके क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

बता दें कि उदारीकरण 1.0 और 2.0 के तहत भवन निर्माण की मंजूरी, व्यावसायिक भूखंडों के नुकसान को कम करने और मिक्स्ड यूज डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए नए बिहार बिल्डिंग बाय-लॉज 2026 का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। इसके तहत कम जोखिम वाले भवनों के लिए स्व-प्रमाणन और मध्यम जोखिम वाले भवनों के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था की जा रही है। वहीं राज्य में व्यापार को गति देने के लिए बिहार विधानमंडल की ओर से 23 जुलाई 2026 को ईओडीबी विधेयक को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके माध्यम से उद्योगों को दोहरे लाइसेंस से मुक्ति, एमएसएमई को स्व-घोषणा के आधार पर मंजूरी और निरीक्षणों से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इधर बिहार सरकार के सभी नियमों, अधिनियमों और सरकारी आदेशों के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल रिपॉजिटरी पोर्टल (बिहार डॉट जीओवी डॉट इन) 19 जून 2026 से लाइव कर दिया गया है जिसमें अब तक 2000 से अधिक दस्तावेज अपलोड किए जा चुके हैं। लोक सेवाओं के अधिकार (आरटीपीएस) के तहत ऑटो-अपील प्रणाली को कैबिनेट की मंजूरी के बाद 23 जून 2026 से लाइव कर दिया गया है। वहीं, राज्य में भूमि और पर्यावरण सुधार के तहत किसानों और भूमि मालिकों को राहत देते हुए भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) की आवश्यकता को समाप्त करने पर सहमति बनी है।

केवाइपी केंद्रों के पुनः संचालन को लेकर डॉ. आनन्द रंजन झा ने जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार से की मुलाकात

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार के साथ डॉ. आनन्द रंजन झा एवं अन्य प्रतिनिधि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के पुनः संचालन, नए नामांकन एवं प्रशिक्षण व्यवस्था की बहाली को लेकर डॉ. आनन्द रंजन झा ने जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार से मुलाकात कर केंद्र संचालकों की समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। इस दौरान डॉ. आनन्द रंजन झा ने केवाईपी केंद्रों के संचालन में आ रही समस्याओं, प्रशिक्षण प्रक्रिया को सुचारु करने तथा केंद्र संचालकों की लंबित मांगों के समाधान की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केवाईपी से बड़ी संख्या में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण का अवसर मिलता है, इसलिए प्रशिक्षण व्यवस्था को जल्द सामान्य किया जाना जरूरी है। नीरज कुमार ने केंद्र संचालकों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान केवाईपी आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ज्ञान भवन में तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो का शुभारंभ

पोल्ट्री और एक्वा क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं : विजय कुमार चौधरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषिका एवं राइटर्स एंड क्रिएटर्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एंड एक्वा एक्सपो - 2026 के चौथे संस्करण का शुभारंभ गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में किया गया। इस एक्सपो में देशभर से कुल 80 कम्पनियां भाग ले रही हैं जो 130 स्टॉल पर अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन कर रही है। इस एक्सपो का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उच्च शिक्षा तथा कानून मंत्री संजय कुमार टाइगर, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह एवं बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो के आयोजक राकेश कश्यप द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि पोल्ट्री और एक्वा क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह एक्सपो किसानों, मुर्गी पालकों एवं मत्स्य पालकों के लिए बेहद उपयोगी और ज्ञानवर्धक मंच है। देश के विभिन्न हिस्सों से कंपनियों और विशेषज्ञों का यहां शामिल होना बिहार के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे किसानों को आधुनिक तकनीक, नई मशीनरी, बेहतर नस्ल, वैज्ञानिक प्रबंधन और बाजार की बदलती जरूरतों की जानकारी मिलेगी। ऐसे आयोजनों से बिहार और देश के बीच व्यापारिक एवं तकनीकी साझेदारी मजबूत होगी तथा राज्य में रोजगार और निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। वहीं अपने संबोधन में उच्च शिक्षा तथा कानून मंत्री संजय कुमार टाइगर ने कहा कि बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में पोल्ट्री एंड एक्वा क्षेत्रों का विकास किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मोबाइल फोन पर जीएसटी पांच प्रतिशत करने की आइसीइए ने उठाई मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मोबाइल फोन पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने और इस प्रस्ताव को जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में रखने की मांग की है। आईसीईए के अनुसार भारत में अनुमानित 25 करोड़ लोग अभी भी फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्मार्टफोन की कीमत कम होने से पहली बार स्मार्टफोन खरीदने वालों और कम आय वाले परिवारों के लिए डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच बढ़ सकती है। स्मार्टफोन आज डिजिटल पेमेंट, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का प्रमुख माध्यम है। भारत में मोबाइल फोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 के 18,900 करोड़ रूपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.27 लाख करोड़ रूपये हो गया है जबकि निर्यात 1,566 करोड़ रूपये से बढ़कर 2.60 लाख करोड़ रूपये पहुंच गया। हालांकि घरेलू मांग में अपेक्षित तेजी नहीं आई है और एंट्री-लेवल स्मार्टफोन सेगमेंट दबाव में है। आईसीईए ने कहा कि मोबाइल फोन पर जीएसटी की दर जुलाई 2017 में 12 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल 2020 में 18 प्रतिशत हुई थी।

बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है राज्य सरकार : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में बाढ़ की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कृषि विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों एवं फसलों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। मंत्री ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का वास्तविक, विस्तृत एवं प्रमाणिक आकलन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री ने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर फसल क्षति का आकलन करें तथा प्राप्त आंकड़ों एवं स्थिति की अद्यतन रिपोर्ट विभाग को यथाशीघ्र उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो तथा वास्तविक क्षति का सही आकलन कर प्रभावित किसानों तक राहत एवं सहायता समय पर पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री सिन्हा ने कहा कि बाढ़ से हुई वास्तविक फसल क्षति के विस्तृत आकलन के आधार पर प्रभावित किसानों को फसल क्षतिपूर्ति एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार बाढ़ की इस कठिन परिस्थिति में अपने किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण यदि किसी क्षेत्र में फसल पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रभावित हुई है और आगामी फसल चक्र को बनाए रखने के लिए वैकल्पिक फसल लगाने की आवश्यकता होती है तो कृषि विभाग द्वारा इसके लिए आवश्यक कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में ‘सुविधा समागम’ का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्योष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 15 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम के द्वारा विभिन्न शाखा कार्यालय एवं औषधालय सह शाखा कार्यालय में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों का समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया।

पीएमसीएच में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार

मरीजों को मिल रही बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त राज्य के साथ-साथ देश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा संस्थान को अत्याधुनिक तकनीक, बेहतर आधारभूत संरचना और मरीज केंद्रित सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत पीएमसीएच को 5,462 बेड क्षमता वाले विश्वस्तरीय अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है। लगभग 5,544 करोड़ रुपये की इस पुनर्विकास परियोजना के माध्यम से अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं, मेडिकल शिक्षा, आधुनिक जांच सुविधाओं, क्रिटिकल केयर, इमरजेंसी व्यवस्था और मरीजों की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। परियोजना का निर्माण तीन चरणों में किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आधुनिक अस्पताल भवनों के साथ विभिन्न चिकित्सा विभागों के लिए अत्याधुनिक ओपीडी, इंडोर सुविधाएं, आइसीयू, ऑपरेशन थिएटर, ट्रॉमा सेंटर, आधुनिक जांच केंद्र, मेडिकल उपकरण, नर्सिंग सुविधाएं, मल्टीलेवल पार्किंग, सेंट्रल यूटिलिटी सिस्टम, आधुनिक विद्युत व्यवस्था और डेडिकेटेड पावर ग्रिड जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

पहले चरण में शुरू हुईं कई महत्वपूर्ण सुविधाएं

पीएमसीएच पुनर्विकास परियोजना के पहले चरण में दो नए टावरों में लगभग 1117 बेड की व्यवस्था की गई है। यहां विभिन्न चिकित्सा विभागों के लिए ओपीडी और इंडोर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। गंभीर मरीजों के बेहतर उपचार के लिए 65आइसीयू बेड और 44 पोस्ट आइसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 100 प्राइवेट रूम, 10 डीलक्स रूम और 2 सुपर डीलक्स सुइट बनाए गए हैं। मरीजों को व्यवस्थित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इएनटी, बाल रोग, मेडिसिन, हृदय रोग, सर्जरी, स्त्री रोग, त्वचा एवं चर्म रोग, दंत चिकित्सा, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, ऑर्थोपेडिक्स और नेत्र रोग सहित विभिन्न विभागों की सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। आधुनिक सर्जरी से मरीजों को मिल रही बेहतर सुविधा पीएमसीएच में आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का उपयोग लगातार बढ़ाया जा रहा है। अस्पताल में टेंडन ट्रांसफर जैसी जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। महिलाओं के उपचार के लिए लैप्रोस्कोपिक और एंडोस्कोपिक सर्जरी सुविधाओं का विस्तार किया गया है। पहली बार बिना बड़े चीरे के लैप्रोस्कोपिक विधि से गर्भाशय निकालने जैसी आधुनिक सर्जरी भी सफलतापूर्वक की गई है।

11 से 48 वां महायोगी गोपीचंद संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय दस दिवसीय महायोगी गोपीचंद स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर 11 सितंबर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा तथा पूर्व गृह सचिव उत्तर प्रदेश शासन एवम आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के प्रधान संरक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रति माह आयोजित होनेवाला शिविर प्रारंभ होगा जिसमें देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्य, आचार्य सह आचार्य, सहायक आचार्य, शिक्षक एवं संस्कृतानुरागी भाग ले रहे हैं। इसका संचालन अभियान की उपाध्यक्षा डॉ लीना चौहान कर रहीं हैं। अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका प्रो. रागिनी वर्मा, उपाध्यक्ष उग्र नारायण झा, संरक्षक धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी पूर्व संयुक्त निदेशक पेंशन उत्तर प्रदेश शासन एवं संरक्षक डॉ अनिल कुमार चौबे का भी मार्गदर्शन मिल रहा है। इस शिविर में भाग लेने वालों में मुख्य रूप से डॉ दीप्ति कुमारी, डॉ नीरा कुमारी, डॉ एकता वर्मा, डॉ अवंतिका कुमारी, डॉ मधु कुमारी, डॉ रागनी कुमारी, डॉ देवेश प्रकाश आर्य, दयानी शारदेय, मनीषा बोदरा, डॉ रम्भा कुमारी, डॉ डिम्पल, डॉ मिथिलेश कुमार, अदिति चोला, मुरलीधर शुक्ल, डॉ कल्पना शर्मा, मोनिका झा, प्रदीप श्रीवास्तव, तारा विश्वकर्मा, बीजेन्द्र सिंह, डॉ विश्वजीत रुद्रपाल, श्रद्धा कुमारी, महेश मिश्र मनीष कुमार आदि हैं।

प्रशिक्षण से सक्षम हो रहे जनप्रतिनिधि और पंचायत कर्मी, पंचायतों के सशक्तीकरण की नई कहानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गांव की तस्वीर सिर्फ सड़कों, गलियों और विकास योजनाओं से नहीं बदलती, बल्कि तब बदलती है जब गांव की आवाज को समझने और उसे विकास की दिशा देने वाले लोग खुद नई सीख के साथ आगे बढ़ते हैं। बिहार के गांवों में यही बदलाव अब दिखाई दे रहा है। पंचायतों के जनप्रतिनिधि और कर्मी प्रशिक्षण के जरिए अपने काम को बेहतर तरीके से समझ रहे हैं, नई कार्यप्रणाली सीख रहे हैं और इस सीख को गांव के विकास में उतार रहे हैं। किसी के लिए यह प्रशिक्षण सरकारी योजनाओं को बेहतर ढंग से समझने का माध्यम है तो किसी के लिए अपने गांव और वहां के लोगों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का नया आत्मविश्वास। यही छोटी-छोटी सीख आज पंचायतों को मजबूत बनाने और गांवों में बदलाव की बड़ी कहानी लिख रही है। उनके काम को बेहतर और सुदृढ़ करने और बिहार में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पंचायती राज विभाग और बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्था के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मियों का नियमित प्रशिक्षण किया जाता है। पंचायती राज विभाग के प्रशिक्षण से जनप्रतिनिधियों और कर्मियों की क्षमता बढ़ रही है। इससे ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से बनाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिल रही है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत कर्मियों को परिणाम-आधारित, विषय-आधारित और निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से सक्षम बनाना है, ताकि ग्राम पंचायतें सुशासन, पारदर्शिता, सहभागी विकास और स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।

छोटे एवं सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्रों की पहुंच सुनिश्चित करना है सरकार का लक्ष्य : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ी पहल की है। कृषि विभाग ने ‘सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (2025-26)’ योजना के तहत अनुदान पर कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक और स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए 8 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। योजना के तहत जीविका समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर फेडरेशन से संबद्ध फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप, नाबार्ड/राष्ट्रीयकृत बैंक से संबद्ध किसान क्लब, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ), फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी), स्वयं सहायता समूह एवं पैक्स आदि अनुदान का लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक आवेदक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिसकी वैधता 15 दिन होगी। वहीं, अनुदान राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाएगी। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार छोटे एवं सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्रों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खेल के क्षेत्र में विकसित आधारभूत संरचनाओं से बदल रही बिहार की तस्वीर, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खेल हो रहे आयोजित

पिछले दो वर्षों में बिहार को एक के बाद एक कई राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मिली मेजबानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कभी खेल अवसंरचना के अभाव में बड़े आयोजनों की मेजबानी से दूर रहने वाला बिहार आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार के पिछले कुछ वर्षों में खेल अवसंरचना पर किए गए बड़े निवेश ने राज्य में खेल की सूरत ही बदल दी है। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बिहार खेल विश्वविद्यालय, पटना का पाटलिपुत्रा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, जिला से लेकर पंचायत तक विकसित हो रहे खेल परिसरों ने खेल के क्षेत्र में ब्रांड बिहार को स्थापित करने में खास भूमिका निभाई है। ब्रांड बिहार की अवधारणा को स्थापित करने में खेल से जुड़े ये आधारभूत संरचनाएं बेहद खास भूमिका निभा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में करीब एक दर्जन बड़े और व्यापक खेल प्रतियोगिताएं सूबे में आयोजित हो चुकी हैं। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। करीब 90 एकड़ में विकसित इस विश्वस्तरीय परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों का हॉकी स्टेडियम, बहुउद्देशीय इंडोर हॉल, ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल, एथलेटिक्स सुविधाएं, खिलाड़ियों के लिए खेल चिकित्सा केंद्र और बिहार खेल विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। हाल ही में यहां 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है जिससे बिहार में क्रिकेट के बड़े आयोजन का रास्ता भी खुल गया है।

राजधानी पटना में भी खेल अवसंरचना को लगातार मजबूत किया गया है। पाटलिपुत्र खेल परिसर (कंकड़बाग) को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया जहां फुटबॉल, एथलेटिक्स और बहुउद्देशीय इंडोर खेलों की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है।

संपादकीय

न्यायाधीशों की नियुक्ति पर केंद्र-राज्य टकराव, आखिर प्रक्रिया में कहां है पेच?

केंद्र सरकार ने पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अश्वनी कुमार मिश्रा का नाम अधिसूचित किया था। मगर पंजाब सरकार ने यह आरोप लगाया कि केंद्र ने यह कदम राज्य सरकार की राय का इंतजार किए बिना संवैधानिक नियमों तथा तय प्रक्रियाओं को दरकिनार करके उठाया। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों के बीच अलग-अलग मसलों पर खींचतान एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। असहमति और आलोचना लोकतंत्र की बुनियाद को और ज्यादा मजबूत ही करती है। मगर सभी पक्षों की यह कोशिश होनी चाहिए कि इस द्वंद्व की छाया कम से कम न्यायपालिका पर नहीं पड़े।विडंबना यह है कि कई बार न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर भी ऐसे टकराव सामने आते हैं, जिससे किसी खास मामले में इससे संबंधित पूरी प्रक्रिया कठघरे में खड़ी होती है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अश्वनी कुमार मिश्रा का नाम अधिसूचित किया था। मगर पंजाब सरकार ने यह आरोप लगाया कि केंद्र ने यह कदम राज्य सरकार की राय का इंतजार किए बिना संवैधानिक नियमों तथा तय प्रक्रियाओं को दरकिनार करके उठाया।इस मसले पर अब केंद्र और पंजाब सरकार आमने-सामने हैं। टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि रविवार को पंजाब मंत्रिमंडल ने इस नियुक्ति को अधिसूचित करने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया।जाहिर है, इस मसले पर अब यह विवाद खड़ा हो गया है कि क्या इसमें प्रक्रिया संबंधी कोई अनदेखी हुई है। हालांकि केंद्र का यह कहना है कि राज्य सरकार की राय लेना जरूरी है, लेकिन वह बाध्यकारी नहीं है। इसके बाद पंजाब सरकार के विरोध को दरकिनार करते हुए न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा को उनके नए पद पर शपथ दिला दी गई, मगर एक बार फिर न्यायाधीशों की नियुक्ति में केंद्र और राज्य की शक्तियों को लेकर जिस तरह के सवाल खड़े हुए हैं, उन पर स्पष्टता की जरूरत है।आखिर क्या वजह है कि जहां किसी मामले में केंद्र और राज्य की सहभागिता एक लोकतांत्रिक तकाजा है, वहां कई बार खासतौर पर उन राज्यों की सरकारें खुद को उपेक्षित महसूस करती हैं, जहां विपक्षी दल सत्ता में होते हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में अगर राज्य की कोई भूमिका है, तो उसे महत्त्व देना लोकतंत्र को मजबूती ही देगा। यों भी, इस संबंध में कोई फैसला करते हुए क्या यह ध्यान रखने की जरूरत नहीं है कि किसी राज्य की ओर से संवैधानिक अधिकारों को दबाने का आरोप न लगे या कोई अप्रिय विवाद न खड़ा हो!

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी।

सत्य निकेतन हादसा- जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

(ललित गर्ग)

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं।

लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी? सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है।

जिंदगी में छोटा हिस्सा ही होना चाहिए सोशल मीडिया, दुरुपयोग रोकने के लिए कदम उठाने होंगे

(कल्याणी चौधरी)

सोशल मीडिया के जरिए फेक न्यूज, साइबर अपराध, और नफरत फैलाने वाली पोस्ट पर रोक लगाना सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।सोशल मीडिया आज हमारी जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। खबरों और सूचनाओं से लेकर मनोरंजन, शिक्षा और लोगों से जुड़ने तक, इसके बहुत से फायदे हैं। लेकिन इसके बढ़ते इस्तेमाल के साथ कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सोशल मीडिया सूचनाओं को हम तक पहुंचाना आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ फेक न्यूज, साइबर अपराध, मानसिक तनाव, निजता और ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं भी बढ़ी हैं। ऐसे में सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना और इससे जुड़ी चुनौतियों को समझना बेहद जरूरी हो गया है। सोशल मीडिया के इस दौर में लोग कई बार खबरों की सच्चाई जानने की मेहनत भी नहीं करते, उसके बजाय वायरल हो रही पोस्टों पर जल्दी विश्वास कर लेते हैं। किसी पोस्ट, वीडियो या मैसेज को बिना जांच करें उसकी बिना पुष्टि करे आगे शेयर भी कर देते है और इससे गलत जानकारी और अफवाहें तेजी से फैलती हैं। कई बार लोग इसे असली समाचार से मिलाकर देखने की भी जहमत नहीं उठाते, जिससे लोगों के बीच भ्रम पैदा होता है।

बच्चों की सुरक्षा एक गंभीर चुनौती – सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा भी एक गंभीर चुनौती बन गई है। कम उम्र में सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले बच्चे अनजान या अजनबी लोगों के संपर्क में आ सकते हैं या अनुचित सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। इसलिए बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर निगरानी और जागरूकता बताने चाहिए। इसी वजह से कई देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए नियम भी बनाए गए हैं। आज बहुत से लोग घंटों फोन और सोशल मीडिया स्क्रीन से जुड़े रहते हैं। धीरे-धीरे ये फोन की आदत लत में बदल सकता है। इसके कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित होती है और पढ़ाई, काम, नींद और दूसरी जरूरी गतिविधियों के लिए समय कम पड़ने लगता है और कई बार शरीर में बीमारियां भी घर बना लेती हैं। सोशल मीडिया अब दिखावे की दुनिया हो गई है। लोग अपनी जिंदगी के अच्छे पल ही दूसरों के सामने रखते हैं। ऐसे में दूसरे लोगों की जिंदगी देखकर व्यक्ति खुद की तुलना उनसे करने लगता है, खुद को कम आंकने लगते है, बेहतर दिखने और दूसरों से आगे निकलने की वजह से वो तनाव और हीन भावना के शिकार हो जाते है।

ठगी का आसान जरिया बना सोशल मीडिया – सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल में बड़े-बुजुर्गों को भी कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। तकनीक और ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़ी पूरी जानकारी न होने के कारण वे फर्जी लिंक, संदेश, कॉल या ऑनलाइन ठगी में फंस सकते हैं। इसलिए इस वर्ग को साइबर फ्रॉड और डिजिटल सुरक्षा के तरीकों के बारे में बताना जरूरी है। प्राइवेसी (निजता) का खतरा भी सोशल मीडिया की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। आज लोग अपनी निजी तस्वीरें, लोकेशन, यात्रा, परिवार और दूसरी पर्सनल जानकारियां तुरंत से साझा कर देते हैं। अगर यह जानकारी गलत हाथों में पहुंच जाए तो इसका गलत इस्तेमाल हो सकता है। इससे व्यक्ति की निजता के साथ-साथ उसकी व्यक्तिगत और डिजिटल सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हो जाता है।सोशल मीडिया पर गाली-गलौज, ट्रोलिंग, धमकी और ऑनलाइन उत्पीड़न यानी साइबर बुलिंग की घटनाएं भी बढ़ती ही जा रही हैं।

पारिवारिक रिश्तों पर भी देखने को मिल रहा असर – सोशल मीडिया का असर पारिवारिक रिश्तों पर भी देखने को मिल रहा है। पहले परिवार के लोग साथ बैठकर खाना खाते, बातचीत करते और अपना समय एक-दूसरे के साथ बिताते थे। अब कई बार एक ही घर में रहने वाले लोग भी अपने-अपने फोन में व्यस्त रहते हैं। मोबाइल और सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा समय बिताने के कारण आमने-सामने बातचीत कम हो जाती है। एआई तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ डीपफेक वीडियो, तस्वीरें और नकली आवाजें बनाना भी बहुत आसान हो गया है। किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या वीडियो में बदलाव करके गलत और झूठ कंटेंट तैयार किया जा सकता है जो देखने में असली लगे।ऐसे कंटेंट का इस्तेमाल गलत जानकारी फैलाने के लिए हो सकता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तस्वीर या वीडियो पर तुरंत विश्वास या कुछ शेयर करने के बजाय उसकी पुष्टि करना जरूरी है और।

तेजी से वायरल होती हैं भड़काऊ चीजें – सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाली भाषा और भड़काऊ चीजें भी तेजी से फैलती है। कई बार किसी समूह या व्यक्ति के खिलाफ उल्टी सीधी बातें सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। इससे लोगों के बीच तनाव और विवाद बढ़ने का खतरा रहता है।फेक न्यूज, साइबर अपराध, और नफरत फैलाने वाली पोस्ट पर रोक लगाना सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। सरकार को लोगों की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए कदम उठाने होते हैं, लेकिन इसके साथ यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि लोगों की स्वतंत्रता प्रभावित न हो।

इसरो को कमजोर करने की साजिश हो रही या भारत को स्पेश सुपरपावर बनने की रणनीति पर काम चल रहा?

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को आईएन एसपीएसी के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं।

क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे-धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को आईएन एसपीएसी के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।

इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी।

दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा।

यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को फैक्ट्री से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी फ्रंटियर पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है।

यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट-अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है।

नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, आईएन- एसपीएसी गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि एनएसआईएल परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग-आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा।

लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए।

विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के साराभाई-धवन ढांचे को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया।

यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुन:प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

हम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है और लक्ष्य 2033 तक इसे 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। इसलिए असली चुनौती निजी क्षेत्र बनाम इसरो नहीं, बल्कि इसरो-नेतृत्व वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता है। रणनीतिक दृष्टि से यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। अब सवाल यह है कि क्या भारत उत्पादन का विस्तार करते हुए अपनी संवेदनशील तकनीक, सामरिक स्वायत्तता और वैज्ञानिक नेतृत्व को सुरक्षित रख पाएगा। यदि संतुलन सही बैठा, तो निजी उद्योग इसरो की ताकत बढ़ाएगा; यदि पारदर्शिता और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़े, तो राष्ट्रीय क्षमताओं के हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल और गंभीर होंगे। इसरो ने फिलहाल अपना संदेश साफ कर दिया है कि वह पीछे नहीं हट रहा, बल्कि उत्पादन की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर अंतरिक्ष की अगली सीमा पर छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे आपदा प्रबंधन मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सामुदायिक भोजन शिविर में स्वच्छ व पका भोजन उपलब्ध कराने को कहा सरकारी नाव से आवागमन की व्यवस्था

बरारी (कटिहार)। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा बरारी प्रखंड पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। मंत्री ने उचला गांव सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों का भ्रमण कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उचला गांव में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के दौरान मंत्री ने पीड़ित परिवारों से बातचीत कर भोजन, आवागमन, पशुचारा सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद कटिहार के जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया। मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि बाढ़ की आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। किसी भी बाढ़ पीड़ित को भोजन और जरूरी राहत सामग्री की कमी नहीं होने दी जाएगी। प्रभावित इलाकों में सामुदायिक भोजन शिविर नियमित रूप से संचालित किए जाएं तथा पीड़ित परिवारों को स्वच्छ एवं पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और जरूरत के अनुसार तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के आवागमन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। जिन क्षेत्रों में सड़क मार्ग से आवागमन बाधित है, वहां पर्याप्त संख्या में सरकारी नाव उपलब्ध करायी जाए। साथ ही बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए प्रशासनिक एवं राहत टीमों को सक्रिय रखने का निर्देश दिया। मौके पर बरारी विधायक विजय सिंह निषाद ने मंत्री को बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार सामुदायिक भोजन शिविर शुरू करा दिए गए हैं। प्रभावित और जरूरतमंद इलाकों में लोगों के आवागमन के लिए सरकारी नाव की व्यवस्था की गयी है। प्रशासन की ओर से बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी चौकसी बरती जा रही है। विधायक ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जिन इलाकों में पानी का फैलाव अधिक है। वहां प्राथमिकता के आधार पर राहत पहुंचायी जा रही है। निरीक्षण के दौरान विधायक सह पूर्व सांसद दुलाल चंद गोस्वामी, बीस सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष मनोज सिंह कुशवाहा, अंचल पदाधिकारी मनीष कुमार, चंद्रमोहन सिंह, राजीव चौधरी, मो. आशिफ, राजीव कुमार भारती सहित कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आपदा मंत्री ने दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर जताई नाराजगी

मनिहारी (कटिहार)। गंगा नदी के रौद्र रूप से नगर तथा प्रखंड के पंचायतो की स्थिति भयावह होते जा रहा है। बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए बुधवार को आपदा मंत्री रतनेश सदा मनिहारी नगर के समदा काली स्थान, आजमपुरगोला, सिग्नल टोला आदि पर चल रहे भोजन शिविर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री के साथ कदवा विधायक दुलाचंद्र गोस्वामी, विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, जिलाधिकारी आशुतोष दुवेदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। मंत्री ने दोनो भोजन शिविर मे भोजन की गुणवत्ता को खुद से देख नाराजगी जताया। उन्होने जिलाधिकारी से भोजन की गूणवता से कोई समझौता नही करने का निर्देश दिए। मंत्री ने आजमपुर गोला के शिविर मे बने पानीदार दाल, पानीदार सब्जी तथा चावल की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने डीएम को निर्देश देते हुए कहा कि चावल की क्वालिटी बदलने का निर्देश दिए। मंत्री ने कहा पशुचारा, शौचालय तथा चापाकल लगाया जा रहा है । बाढ़ पिड़ितो के लिए सरकार शख्त है को कठिनाई नही होने दिया जाएगा। मौके पर एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह, सीओ चंदन कुमार, थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा, एसटी आयोग के पूर्व अध्यक्ष शंभु कुमार सुमन, उप मुख्य पार्षद शुभम पोद्दार, रविन्द्र यादव, वार्ड पार्षद जुगल पासवान, मुखिया संघ के अध्यक्ष रामजी यादव, सुभाष मंडल, आदि लोग मौजूद रहे ।

बाढ़ राहत में कोताही बर्दाश्त नहीं, जरूरतमंदों तक हर हाल में पहुंचे मदद : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। गंगा कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर से प्रखंड क्षेत्र में उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को लेकर प्रखंड के प्रशाल भवन में बरारी विधायक विजय सिंह की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक हुई। जिसमें डीएम आशुतोष द्विवेदी, अपर समाहर्ता आपदा फिरोज अख्तर, डीआरडीए निदेशक सुदामा प्रसाद सिंह, बीडीओ कुमारी प्रियंवदा, सीओ अनुपम कुमारी, मुखिया, जिला पार्षद समेत प्रशासनिक एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नाव के परिचालन, सामुदायिक रसोई, प्लास्टिक शीट, चिकित्सा सुविधा समेत अन्य राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने को लेकर आवश्यक सुझाव दिए। डीएम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा जरूरत के अनुसार संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक के बाद डीएम आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की सहायता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री या अन्य आवश्यक सुविधाओं की कमी नहीं होने दी जाएगी। प्रशासनिक टीम और जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय के साथ हर जरूरतमंद परिवार तक सहायता पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की जरूरतों का लगातार आकलन करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या कोताही को गंभीरता से लिया जाएगा और जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राहत एवं सहायता का लाभ निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सभी जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समन्वय बनाते हुए तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ पीड़ितों के लिए आधा दर्जन जगहों पर बाढ़ राहत शिविर शुरू

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चित्तौड़िया पंचायत के चितौड़िया में तीन जगह पर एवं साहेबनगर पंचायत के साहेबनगर गांव में तीन जगह पर कुल छः जगह पर अंचल प्रशासन के द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए बाढ़ राहत शिविर शुरू कर दिया गया हैं। इस मौके पर अंचलाधिकारी मो. इस्माइल ने बताया कि बाढ़ की स्थिति गंभीर हैं। इसलिए बाढ़ पीड़ितों के बीच प्लास्टिक का वितरण किया गया साथ ही चित्तौड़िया में तीन साहेबनगर में तीन कुल छः जगह पर बाढ़ राहत शिविर शुरू कर दिया गया हैं। जिसमें बाढ़ पीड़ितों के बीच सुबह शाम चावल, दाल,सब्जी आदि खिलाया जा रहा हैं।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार शाखा की बैठक आयोजित

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार शाखा की प्रबंध समिति की बैठक चेयरमैन डॉक्टर रंजना झा की अध्यक्षता मेआयोजित की गई। बैठक मे विगत किये गये सेवा कार्यों को विस्तार से बताते हुए सचिव संतोष गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूली बच्चों के साथ साथ महिलाओं के किये स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाने का निर्णय लिया गया है, जल्द ही स्थल का चयन कर तिथि घोषित की जाएगी। डॉक्टर रंजना झा ने कहा कि जिले की ग्रामीण क्षेत्रों के बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है, जरूरत पड़ने पर राहत सामग्री वितरण भी किया जायेगा। पूर्व चेयरमैन अनिल चमरिया ने कहा कि संस्था द्वारा एम्बुलेंस, ऑक्सीजन, मोचूर्री फ्रीज आदि की सेवाएं अनवरत जारी है। इस मौके पर प्रबंध समिति सदस्य बिमल सिंह बेंगानी को चैम्बर अध्यक्ष के चुनाव मे शानदार जीत के लिए पुष्प गुच्छ एवं शाल देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सह सचिव विवान सरकार के साथ प्रबंध समिति सदस्य पुरुषोत्तम मोदी, देवराज शर्मा, आलोक सिंहा, नरेश साह, बबन झा एवं अमित जायसवाल विक्की भी मौजूद रहे।

स्टेशन पर 58.5 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रेल थाना कटिहार पुलिस को शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। एएलटीएफ-01 रेल अंचल कटिहार की टीम ने कटिहार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-4 पर खड़ी मालदा पैसेंजर ट्रेन संख्या 55703 से लावारिस हालत में कुल 58.500 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की।पुलिस के अनुसार शराब की बरामदगी के बाद एएलटीएफ -1 के सहायक अवर निरीक्षक विद्यानंदन के टंकित आवेदन के आधार पर रेल थाना कटिहार में कांड संख्या 176/26, दिनांक 07.09.2026, धारा 30(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम, 2022 के तहत अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं रेल थाना पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में इश्तेहार वारंटी शंकर कुमार शर्मा, पिता राम प्रसाद शर्मा, निवासी कुमारी विलेज डगवाड़ा, जिला पूर्णिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस की दोनों कार्रवाइयों से शराब तस्करों और फरार वारंटियों के बीच हड़कंप मचा है।

'खड़ी-बोली' को भारतेन्दु ने अंगुली पकड़ कर चलना सिखाया

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आधुनिक हिन्दी को, जिसे आरंभ में 'खड़ी-बोली' कहा गया, भारतेंदु ने ही अंगुली पकड़कर चलना सिखाया। इसीलिए आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक-युग को 'भारतेंदु-युग' के रूप में स्मरण किया जाता है। भारतेंदु के नाटक 'सत्य हरिश्चन्द्र' और 'अंधेर-नगरी' सौ साल बाद भी प्रासंगिक बने हुए हैं। उनके काव्य और नाटक जन-मानस को झकझोरते और आंदोलित करते हैं। यह बातें बुधवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, हिन्दी-पखवारा और पुस्तक चौदस मेला के ९वें दिन आयोजित भारतेंदु जयंती और संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि अद्भुत प्रतिभा के इस कवि ने मात्र ३५ वर्ष की अपनी कुल आयु में जो कमाल कर दिया वह हिन्दी साहित्य के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। इस अवसर पर 'नाट्य-साहित्य में बिहार के योगदान' पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में अपना विचार रखते हुए, सुप्रसिद्ध नाटक-कार और संस्कृति-कर्मी डा अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि बिहार में नाट्य-साहित्य के प्रणेता थे केशव राम भट्ट। उन्होंने स्वयं अनेक नाटक लिखे और 'पटना नाट्य मण्डली' की स्थापना कर बिहार में एक बड़ा नाट्य-आंदोलन आरम्भ किया। नाट्य-साहित्य को आगे चलकर ऐतिहासिक नाटकों के महान नाटककार डा चतुर्भुज ने इस आंदोलन को शीर्ष तक पहुँचाया।

वाहन जांच के दौरान 50 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर थाना पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने करीब 50.01 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और 580 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। नगर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि ओपी अध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बंगाल की ओर से अवैध मादक पदार्थ लेकर तस्करी के उद्देश्य से आ रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए ओपी अध्यक्ष पुलिस बल के साथ खनका गली के पास पहुंचे और वहां वाहन जांच अभियान चलाया गया।वाहन जांच के दौरान एक व्यक्ति पुलिस बल को देखकर भागने लगा। हालांकि पुलिसकर्मियों की तत्परता से उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के क्रम में उसने अपना नाम सुजीत कुमार उम्र (48)पिता शिवचरण मंडल, निवासी ललियाही थाना सहायक, जिला कटिहार बताया।इसके बाद पुलिस ने विधिवत उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 50.01 ग्राम स्मैक,एक मोबाइल फोन तथा 580 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद स्मैक का अनुमानित बाजार मूल्य करीब दो से तीन लाख रुपये बताया गया है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी के खिलाफ अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाढ़ के पानी में डूबने से 5 वर्षीय मासूम की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के बौलिया पीपरतल्ला गांव में बुधवार को बाढ़ के पानी में डूबने से पांच वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान अरीबा खातून के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अरीबा तीन अन्य बच्चियों के साथ परिजनों के यहां जा रही थी। इसी दौरान बाढ़ के पानी में बने गहरे हिस्से में चले जाने से वह डूब गई। उसे बचाने के प्रयास में अन्य बच्चियां भी पानी में उतर गईं। बच्चियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अन्य बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाला, लेकिन अरीबा को नहीं बचाया जा सका।घटना की सूचना पर पंचायत के मुखिया जर्जिस आलम और जिला परिषद प्रतिनिधि सरवन मंडल मौके पर पहुंचे। दोनों ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेने के साथ पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। वहीं, परिजनों ने बच्ची का अंत्यपरीक्षण कराने से इनकार कर दिया। अंचलाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है। आवश्यकता होने पर पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुफस्सिल थाना गोलीकांड का एक घंटे में उद्भेदन, पांच आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना का त्वरित उद्भेदन करते हुए महज एक घंटे के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त हथियार सहित दो मैगजीन, नौ जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन तथा तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। मामले के पीछे पुरानी रंजिश और बदले की भावना को पुलिस ने घटना का प्रमुख कारण बताया है। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विशाल आनंद ने जानकारी देते हुए बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दलन कदेपुरा वार्ड संख्या-02 निवासी स्वर्गीय राजेश चौधरी की पत्नी वंदना कुमारी ने पुलिस को बताया कि आठ सितंबर को करीब तीन बजे उनका पुत्र आर्यन चौधरी अपने मित्र गौरव कुमार के साथ घुमने निकला था। शाम करीब 4:17 बजे गौरव कुमार ने मोबाइल पर सूचना दी कि अंशु यादव, सुधांशु कुमार, आकाश कुमार, अमन कुमार सिंह एवं अजय कुमार ने आर्यन को गोली मार दी है। सूचना मिलने के बाद परिजन उसे घायलावस्था में इलाज के लिए ले गए। घायल आर्यन ने पूछताछ में बताया कि उसे अंशु यादव ने गोली मारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पूर्व में अंशु यादव के मित्र चंद्रशेखर उर्फ छोटे सिंह की अप्रैल माह में आपसी रंजिश के दौरान चाकू लगने से मौत हो गई थी। उक्त मामले में आर्यन चौधरी भी जेल गया था और करीब दो माह पूर्व ही जेल से बाहर आया था। पुलिस का कहना है कि इसी पुरानी रंजिश और बदला लेने की नीयत से आर्यन को गोली मारकर घायल किया गया।घटना के संबंध में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 361/26, दिनांक 08.09.2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कटिहार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1 के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल एसआईटी का गठन किया गया।

सराफा दुकान चोरी कांड का उद्भेदन, पांच आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी थाना क्षेत्र में सराफा दुकान का शटर तोड़कर चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन करने का दावा किया है। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी के चांदी के सामान सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशिफ आलम ने प्रेसवार्ता मे जानकारी दी कि 4 सितंबर की रात दुकान बंद कर संचालक सुशील कुमार अपने घर चले गए थे। इसके बाद 5 सितंबर की सुबह करीब पांच बजे दुकान पहुंचने पर शटर टूटा हुआ मिला और दुकान से चांदी के सामान चोरी होने की जानकारी हुई। मामले में पीड़ित दुकानदार सुशील कुमार के लिखित आवेदन पर मनिहारी थाना कांड संख्या 420/26, धारा 334(1)/303(2) दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।घटना के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनिहारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य एवं अन्य माध्यमों से जांच करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में तैयब लम्बू, थाना आबादपुर जिला कटिहार, मो. मैजुद ऊर्फ मैदुर थाना आवादपुर, जिला कटिहार, मो .अंजार साकिन पडगांव, थाना कचना, जिला कटिहार, मुन्ना नवी साकिन धरमपुर, थाना आबादपुर जिला कटिहार, मो. रूकसेद, साकिन मिस्त्री टोला,थाना आवादपुर, जिला कटिहार के रूप मे हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से अंजार का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। इसके विरुद्ध पूर्णियां मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 274/26 धारा 334(1)/ 303(2) दर्ज है। इसी तरह 273/26 एवं कचना थाना कांड संख्या 20/26 303(2) दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए चांदी के विभिन्न सामान बरामद किए हैं। इनमें चांदी के बड़ी थाली एक छोटी थाली, चांदी का एक बडा एवं एक छोटा ग्लास एक लोटिया चांदी का बना, चांदी से बनी राधाकृष्ण जी की मूर्ति एक पीस एवं इस कांड मे प्रयुक्त टेम्पो भी जब्त की गई है।

सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नगर निगम कटिहार में बुधवार को सहयोग पोर्टल पर ऑनलाइन एवं विभिन्न सहयोग शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त आवेदनों की स्थिति, लंबित मामलों के निष्पादन तथा आवेदनों के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान को लेकर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ विस्तार से समीक्षा की गई।अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ।ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता विवेक कुमार, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, नूर अली खान, नगर प्रबंधक ज्योति कृष्णमूर्ति सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों के त्वरित निष्पादन तथा बेहतर नागरिक सेवा उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जा रही है।

मरंगी पंचायत के कार्यपालक सहायक का स्थानांतरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के कार्यपालक सहायक का स्थानांतरण पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव ने किया। इस मौके पर मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव ने कहा कि कार्यपालक सहायक सपना कुमारी का स्थानांतरण आजमनगर प्रखंड में हो गया। इस मौके पर एक कार्यक्रम आयोजित कर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मरंगी पंचायत में जूलाई 2022 से जून 2026 कुल चार साल कार्यपालक सहायक सपना कुमारी ने बिताए इनका कार्यकाल बहुत अच्छा रहा । सभी जन प्रतिनिधि ग्रामीण से काफी लगाव रहा। वहीं कार्यपालक सहायक सपना कुमारी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव, राजद नेता संतोष कुमार यादव, पूर्व वार्ड सदस्य मनोज कुमार शर्मा, छोटे लाल यादव, वार्ड सदस्य लक्ष्मण कुमार शर्मा, विवेक कुमार मंडल, प्रवीण कुमार यादव, देवनारायण पासवान, मो. नजिम, मो. असगर आलम, इमरान खान, पंचायत सचिव प्रीतम कुमार यादव, आवास सहायक पीयूष कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक रूपेश कुमार सिंह, लेखापाल अमित कुमार, ग्रामीण संजय कुमार यादव, विश्व यादव, गोलू कुमार आदि उपस्थित रहे।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से सिंगल टोला रेलवे ट्रैक पर मंडराया खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रिसाव के बाद अलर्ट हुआ रेल प्रशासन

मनिहारी (कटिहार)। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच मनिहारी के सिंगल टोला रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर खतरा मंडराने लगा है। बाढ़ के पानी के दबाव के बीच सिंगल टोला की ओर से गंगा का पानी रेलवे ट्रैक की तरफ रिसाव होने की स्थिति सामने आई है। इससे रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।स्थिति को देखते हुए रेल प्रशासन अलर्ट मोड में है और लगातार निगरानी रखी जा रही है। पानी के दबाव को नियंत्रित करने और ट्रैक की सुरक्षा के लिए मौके पर जियो बैग लगाकर बचाव कार्य कराया गया है। रेलवे कर्मियों की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है, ताकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाया जा सके।गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण आसपास के निचले इलाकों में भी पानी का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में रेलवे ट्रैक की सुरक्षा प्रशासन और रेल विभाग के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। फिलहाल ट्रैक को सुरक्षित रखने के लिए एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं और स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

त्योहारी सीजन में रेल यात्रियों को राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। दुर्गापूजा दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कटिहार-पटना-कटिहार इंटरसिटी एक्सप्रेस के यात्रियों को बड़ी राहत दी है। ट्रेन संख्या 15713/15714 में लगाया गया अतिरिक्त एलएचबी एसी -3 कोच अब 30 नवंबर 2026 तक जारी रहेगा। सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह के अनुसार अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा 15 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इससे त्योहारी मौसम में एसी श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ मिल सकेंगी और लंबी वेटिंग लिस्ट से राहत मिलने की उम्मीद है। कटिहार, नौगछिया, मानसी, खगड़िया, बेगूसराय, मोकामा, बख्तियारपुर और पटना के यात्रियों के लिए रेलवे का यह निर्णय काफी उपयोगी माना जा रहा है। खासकर छठ पूजा के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों को इस से लाभ मिलने की उम्मीद है। रेलवे ने संबंधित विभागों को आरक्षण व्यवस्था में आवश्यक बदलाव और परिचालन संबंधी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सोने की कीमतों में भारी उछाल ने बदल दी लोगों की आदत, पीएम मोदी की अपील कर गई काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत इस साल जनवरी में ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। हालांकि उसके बाद इसमें कुछ नरमी आई है लेकिन इसके बावजूद यह उच्च स्तर पर बनी हुई है। सोने की ऊंची कीमत के कारण ग्राहकों के व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिला है। कंज्यूमर्स ने 26 में एडवांस परचेज स्कीम में पैसा लगाने के बजाय पुरानी जूलरी के एक्सचेंज को ज्यादा तरजीह दी है। लगातार दूसरे साल देश के प्रमुख जूलर्स के पास जमा होने वाली रकम में भारी कमी आई।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्केट लीडर टाइटन की तनिष्क चेन में जमा के तौर पर इकट्ठा की गई रकम 26 में ?2,116 करोड़ रह गई जो पिछले साल के मुकाबले 39 प्रतिशत कम है। यह एक साल पहले की 19 प्रतिशत की गिरावट से लगभग दोगुनी है। रिलायंस रिटेल की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक जमा रकम में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह ?250 करोड़ रही। 2024-25 में इसमें 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इस दौरान एक्सचेंज स्कीम के जरिए खरीदारी में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत तक की तेजी आई। एमडी वर्गीस अलुक्कास ने कहा, 'सोने की कीमतों में भारी उछाल ने भारत में सोना खरीदने की आदत बदल दी है।' 2025-26 में कस्टमर-फेसिंग गोल्ड स्कीम में जमा रकम घटी लेकिन छ्व्थ्ह्य द्यह्वद्मद्मड्डह्य की बिक्री में पुराने सोने के एक्सचेंज का योगदान 65 प्रतिशत हो गया। यह एक साल पहले लगभग 45 प्रतिशत था। अलुक्कास ने कहा, 'इससे देश की इकॉनमी को सोने का इंपोर्ट कम करने और घरों में रखे सोने को इस्तेमाल में लाने में मदद मिल रही है।' एडवांस

परचेज स्कीम कंज्यूमर्स को भविष्य में जूलरी खरीदने के लिए हर महीने पेमेंट करने की सुविधा देती हैं। यह मिडिल और लो इनकम वाले परिवारों के बीच सोने की खपत बढ़ाने का एक अहम जरिया रही हैं।ग्लोबल के प्रमोटर विकास कटारिया ने कहा कि गोल्ड एक्सचेंज में निश्चित रूप से काफी तेजी आई है। उन्होंने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोने की होल्डिंग पर की गई टिप्पणियों का भी कुछ हद तक योगदान रहा।

एक्सचेंज स्कीम में तेजी

दक्षिण भारत में 67 स्टोर चलाने वाली प्राइवेट कंपनी ने भी पिछले फाइनेंशियल ईयर में जमा रकम में 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। पिछले साल यह गिरावट 5 प्रतिशत थी। जूलर्स का कहना है कि पिछले फाइनेंशियल ईयर में सोने की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण कंज्यूमर्स ने नई खरीदारी करने के बजाय एक्सचेंज के जरिए पुराने सोने को भुनाना बेहतर समझा। लेकिन 25 में सोने की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी के साथ ही यह ट्रेंड कमजोर पड़ने लगा था। 25 में सोने की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, लेकिन पिछले फाइनेंशियल ईयर में इसमें लगभग 56 प्रतिशत का उछाल आया था। टाइटन की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक पिछले फाइनेंशियल ईयर में गोल्ड एक्सचेंज से बिक्री बढ़ी। कल्याण जूलर्स ने बताया कि रीसाइकल किए गए सोने का हिस्सा बढ़कर 46 प्रतिशत हो गया है। कल्याण जूलर्स के मुताबिक पुरानी जूलरी के बदले नया सोना लेने से इंडस्ट्री के रेवेन्यू का लगभग एक-तिहाई हिस्सा आता है। आभूषण ने अप्रैल में अपनी एडवांस परचेज स्कीम शुरू की थी। उसके कारोबार में अब पुराने सोने के एक्सचेंज का हिस्सा लगभग 25-30 प्रतिशत है।

संक्षिप्त समाचार

अडानी को मिला दुनिया के सबसे ताकतवर इंसान का साथ, झोली में आएंगे 9,825 करोड़, शेयर बना रॉकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट बिजनेस में बड़ा दांव खेला है। ग्रुप की होल्डिंग

कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने बुधवार को कहा कि उसने अपने एयरपोर्ट बिजनेस के लिए फंड जुटाने के मकसद से टेमासेक, ब्लैकरॉक, प्रेमजी इन्वेस्ट और अल्फा वेव जैसे निवेशकों के ग्रुप को अपनी एयरपोर्ट यूनिट में 5.54 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने पर सहमति जताई है। अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने करीब 9,825 करोड़ रुपये (करीब 1 अरब डॉलर) जुटाने के लिए इन निवेशकों के साथ बाइंडिंग एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस डील में कंपनी की प्री-मनी इक्विटी वैल्यूएशन लगभग 18 बिलियन डॉलर आंकी गई है। इसके तहत अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स निवेशकों के ग्रुप को नए शेयर जारी करेगी। इससे बिजनेस के लिए नई पूंजी आएगी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज इसकी कंट्रोलिंग शेयरहोल्डर बनी रहेगी। हालांकि कंपनी ने हर किश्त के साइज का खुलासा नहीं किया है। साथ ही उन कीमतों का भी खुलासा नहीं किया जिन पर शेयर जारी किए जाएंगे।इस फंड का इस्तेमाल कंपनी के एयरपोर्ट नेटवर्क को बढ़ाने और उसे मॉडर्न बनाने, एयरपोर्ट से जुड़े कमर्शियल इन्फ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने और ग्राउंड हैंडलिंग व पैसेंजर सर्विस जैसे संबंधित बिजनेस को बढ़ाने में किया जाएगा। भारत की सबसे बड़ी एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स देश में आठ एयरपोर्ट्स को मैनेज करती है। इनमें मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है। ये एयरपोर्ट देश के पैसेंजर ट्रैफिक का लगभग 25 प्रतिशत और एयर कार्गो वॉल्यूम का 33 प्रतिशत हिस्सा संभालते हैं। अल्फा वेव प्रेमजी इन्वेस्ट का अपॉर्चुनिटीज फंड और ब्लैकरॉक द्वारा ग्लोबल एलोकेशन, स्ट्रैटेजिक इनकम और फिक्स्ड-इनकम स्ट्रेटेजीज़ के तहत मैनेज किए जाने वाले फंड शामिल हैं।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच डिफेंस स्टॉक्स में उछाल, इस साल 31 प्रतिशत से ज्यादा तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल के

एक फैसले ने मंगलवार को डिफेंस स्टॉक्स को बूस्ट दिया। निफ्टी में गिरावट के बीच ये शेयर चढ़कर बंद हुए। कारोबार के दौरान ये 5 प्रतिशत तक ऊपर ट्रेड कर रहे थे। डिफेंस स्टॉक्स इस वित्त वर्ष में अब तक 31 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुके हैं, ऐसे में कई निवेशकों के लिए यह सवाल अहम हो गया है कि इसके बाद भी इनमें निवेश करना फायदेमंद रहेगा या नहीं। काउंसिल ने सशस्त्र बलों के लिए 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये की खरीदारी के प्रस्तावों को जरूरी मानते हुए मंजूरी दी है। खास बात यह है कि इस खरीद के लगभग 98 प्रतिशत मूल्य के ऑर्डर भारतीय कंपनियों को दिए जाएंगे। इससे पहले भी जरूरी श्रेणी के तहत मंजूरी दी गई थी और इस वित्त वर्ष में कुल 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव मंजूर किए जा चुके हैं। भारत का रक्षा क्षेत्र से निर्यात 2013-14 के 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये हो गया। इसमें निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 17,353 करोड़ रुपये यानी 45.16 प्रतिशत और रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों की हिस्सेदारी 21,071 करोड़ रुपये यानी 54.84 प्रतिशत रही। सरकार ने वर्ष 2029 तक सालाना तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50,000 करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा है।

अमेरिका से आई खुशखबरी, ग्रेफाइट इंडिया के शेयरों ने लगाई 17 प्रतिशत की छलांग

नईदिल्ली, एजेंसी। आज पस्त शेयर मार्केट में भी एक स्टॉक ऐसा है, जहां खरीदने की लूट मची है। शेयर उछलते-उछलते उड़ान भरने लगा है। जबकि, दिग्गज कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिरे हुए हैं। संसेक्स-निफ्टी में भारी गिरावट है। ऐसी स्थिति में भी ग्रेफाइट इंडिया

लिमिटेड के शेयर उड़ान भर रहे हैं। आज यानी बुधवार, 9 सितंबर को यह स्टॉक करीब 17 प्रतिशत चढ़कर 558.20 रुपये पर पहुंच गया। इसकी वजह अमेरिकी बाजार में ग्राफटेक इंटरनेशनल के शेयरों में रातों-रात 15 प्रतिशत की तेजी थी। ग्राफटेक इंटरनेशनल के शेयर तब उछले, जब कंपनी ने ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड की कीमतों में कम से कम 30 प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान किया। कंपनी का कहना था कि इलेक्ट्रोड की कीमतों को टिकाऊ स्तर पर लाना जरूरी है। यह कदम उसके हालिया 51,000 टन क्षमता घटाने के फैसले के बाद आया है। एनालिस्टों के मुताबिक, ग्राफटेक के इस ऐलान से ग्रेफाइट इंडिया और की ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड बिजनेस को फायदा होगा। इलेक्ट्रोड बिजनेस अगले महीने डिमर्जर के बाद स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने वाला है।

पिता के 'पागलपन' का उड़ता था मजाक, बेटों ने उसी आइडिया को बना दिया 1.2 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है केरल के एक परिवार की। चालकुडी के रहने वाले इस किसान परिवार ने लीक से हटकर चलने

का फैसला किया। 40 साल पहले जिस विदेशी फल 'मैंगोस्टीन' की खेती को लोग बेवकूफी मानते थे, आज उसी फल ने इस परिवार की चांदी कर दी है। यह उनके लिए सालाना 90 लाख से 1.2 करोड़ रुपये के टर्नओवर का जरिया बन चुका है। 'मर्लिन मैंगोस्टीन फार्म' को आज मनु मर्लिन और उनके भाई मिधुन मर्लिन एग्री-टूरिज्म और सोशल मीडिया के जरिए बड़े ब्रांड के तौर पर चला रहे हैं। इन दोनों को ही अपने पिता के जुनून को कारोबार में तब्?दील करने का श्रेय जाता है। आइए, यहां इनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पिता ने की जुनूनी शुरुआत

इस कहानी की शुरुआत करीब एक सदी पहले हुई थी। तब मनु के परदादा मलेशिया से मैंगोस्टीन का एक बीज लेकर केरल आए थे। फिर मनु के पिता ने उसी 100 साल पुराने पेड़ के बीजों से प्रेरित होकर 40 साल पहले अपनी जमीन पर 40 पौधे लगाए। उस समय स्थानीय लोग इस फल के बारे में कुछ नहीं जानते थे। पारंपरिक फसलें छोड़कर इसकी खेती करने पर उन्हें ताने मारते थे। मनु ने एक इंटरव्?यू में बताया, 'जब मेरे पिता ने मैंगोस्टीन लगाना शुरू किया तो अन्य किसानों ने उनसे पूछा- क्या आप पागल हैं? आप इसका क्या करेंगे?' शुरुआती सालों में जब बाजार नहीं था तब वह फल पड़ोसियों को मुफ्त में बांटते थे। 1994 के आसपास जब स्थानीय बेकरी और दुकानों में इसकी मांग बढ़ी तब 60 रुपये प्रति किलो के हिसाब से इसकी व्यावसायिक बिक्री शुरू हुई।

भाइयों ने बदल दिया सीन

समय के साथ जब मांग बढ़ी तो 1995 से 2000 के बीच फार्म में नर्सरी भी शुरू की गई। आज 5 एकड़ में फैले इस फार्म में 800 से अधिक फले-फूले पेड़ हैं। ये सालाना 30 टन मैंगोस्टीन का उत्पादन करते हैं। इस पारिवारिक व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का श्रेय मनु मर्लिन और उनके भाई मिधुन को जाता है। मनु एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर और जिम मालिक हैं। मिधुन एक मल्?टी नेशनल कंपनी की अकाउंटेंट की नौकरी छोड़कर उनके साथ जुड़े हैं। दोनों भाइयों ने बिचौलियों और पारंपरिक मंडियों को पूरी तरह दरकिनार कर सोशल मीडिया के जरिए डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर और प्री-ऑर्डर मॉडल स्थापित किया।

कंपनी के हाथ लगा 190 करोड़ का बड़ा ऑर्डर, रॉकेट बन गए शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। इसका सबसे बड़ा कारण कंपनी को महाराष्ट्र में मिलने वाला 180 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट से जुड़ा करीब 190 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर है, जिसके मिलने के बाद निवेशकों का उत्साह बढ़ गया है। बाजार में कंपनी का शेयर इंट्राडे कारोबार के दौरान लगभग 10 प्रतिशत तक चढ़ गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 215.35 रुपये के हाई लेवल तक पहुंच गया। कंपनी की सहायक यूनिट सुयोग ऊर्जा लिमिटेड को यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट हासिल हुआ है, जिससे रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स की मौजूदगी और मजबूत होने की उम्मीद है। आइए जरा विस्तार से इस प्रोजेक्ट डील की डिटेल्स जानते हैं।

ऑर्डर की कुल कीमत 189.99 करोड़ रुपयेङ मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने बताया कि सुयोग ऊर्जा लिमिटेड को टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड से महाराष्ट्र के परली में विकसित होने वाले 180 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट के लिए टर्नकी कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इस ऑर्डर की कुल कीमत 189.99 करोड़ रुपये है, जिसमें तस्ज्ञ शामिल नहीं है। इस प्रोजेक्ट के तहत कंपनी को कई महत्वपूर्ण निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े काम पूरे करने होंगे।

6 महीने में 51 प्रतिशत का तगड़ा रिटर्न

प्रोजेक्ट में विंड टर्बाइन जनरेटर की नींव तैयार करने का काम शामिल है। इसके साथ ही स्टील की सप्लाई, जियोटेक्निकल वर्क और बैलेंस ऑफ प्लांट से जुड़े काम भी कंपनी की जिम्मेदारी होंगे। कंपनी को लगभग 39 एकड़ क्षेत्र में एक सुरक्षित और आधुनिक स्टोरेज यार्ड भी विकसित करना होगा। इसके अलावा प्रोजेक्ट साइट तक सामग्री पहुंचाने के लिए रास्तों की व्यवस्था, स्थायी और अस्थायी सड़कों का निर्माण तथा क्रेन पैड तैयार करने जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

कंपनी इस प्रोजेक्ट के तहत 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन को बनाने और उसे चालू करने का काम भी करेगी। इस घरेलू प्रोजेक्ट को 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इतना बड़ा ऑर्डर मिलने से कंपनी के ऑर्डर बुक और भविष्य के कारोबार को मजबूती मिल सकती है। महाराष्ट्र में 180 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट के लिए करीब 190 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर मिलने से निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। यही वजह है कि एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड के शेयरों में 9 सितंबर 2026 (बुधवार) को मजबूत तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक (11:27) तक एनएसइ पर कंपनी का शेयर 6.04 प्रतिशत यानी 11.85 रुपये चढ़कर 208.05 रुपये पर कारोबार कर रहा था। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो हाल के दिनों में इसमें तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिली है। पिछले एक सप्ताह में शेयर करीब 8 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि एक महीने में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। यह शेयर 3 महीने में 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है और 6 महीने में करीब 51 प्रतिशत की मजबूत तेजी दिखाई है। हालांकि, पिछले 1 साल में शेयर अभी भी 13 प्रतिशत से ज्यादा नीचे है।

घर की छत पर खड़ी कर दी स्कार्पियों, आनंद महिंद्रा बोले- नेक्स्ट लेवल पार्किंग, यह कार कहीं भी चढ़ सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर अपनी दिलचस्प पोस्ट के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। इस बार उन्होंने एक्स पर अपनी पोस्ट के साथ एक वीडियो भी लगाया है। वीडियो में दिख रहा है कि क्रेन की मदद से महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक कार को दो मंजिला मकान की छत पर पार्क किया जा रहा है। आनंद महिंद्रा ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है कि इसे देखकर कहा जा सकता है कि पार्किंग को सच में अगले लेवल पर ले जाया गया है। पोस्ट में आनंद महिंद्रा ने लिखा है कि गोपालगंज के रहने वाले मनोज यादव इजरायल में काम करते हैं। उन्होंने हाल ही में खरीदी थी, लेकिन उस समय परिवार में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था जो गाड़ी चला सके। ऐसे में परिवार ने कथित तौर पर कार को सुरक्षित रखने

के लिए घर की छत को ही पार्किंग की जगह बना दिया। आनंद महिंद्रा ने लिखा कि उन्हें हमेशा से पता था कि लगभग कहीं भी चढ़ सकती है, लेकिन इस मामले में इसे कुछ ज्यादा ही गंभीर रूप से लिया गया है। उन्होंने परिवार की इस कोशिश को लेकर उनकी सूझबूझ और गाड़ी के प्रति लगाव की तारीफ भी की। हालांकि, उन्होंने एक चिंता भी जताई कि क्या घर की छत को इतनी भारी गाड़ी का वजन उठाने के लिए डिजाइन किया गया था।

मनोज यादव के इस प्रयास की तारीफ करने साथ ही आनंद महिंद्रा ने लोगों को सावधान भी किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट के आखिरी में लिखा है कि इस तरह की पार्किंग को अपने घर पर आजमाने की कोशिश न करें। आनंद महिंद्रा की इस पोस्ट पर काफी यूजर्स ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी। राहुल नामक एक यूजर ने लिखा कि इस कार को बेचा भी जा सकता था। जब कोई कार ड्राइव करने वाला होता तो नया मॉडल खरीदा जा सकता था। राहुल ने बताया कि मौसम के कारण यह खराब होना शुरू हो जाएगी। सत्यदीप नाम के एक यूजर ने आनंद महिंद्रा की इस पोस्ट पर नाराजगी भी जताई।

सज्जन जिंदल के जेएसडब्ल्यू का बड़ा दांव, एमजी के बाद फॉक्सवैगन से मिलाया हाथ, 20000 करोड़ का टैक्स बना चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाला जेएसडब्ल्यू ग्रुप और जर्मनी का फॉक्सवैगन ग्रुप भारत में कार कारोबार के लिए बड़ी साझेदारी करने जा रहे हैं। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को एक रूश्च पर साइन किए। इसके तहत दोनों कंपनियां 51:49 के जॉइंट वेंचर पर आगे बातचीत करेंगी।

इस समझौते के तहत की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत हो सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक फिलहाल दोनों कंपनियां कारोबार की वैल्यूएशन, निवेश और दूसरी शर्तों पर बातचीत करेंगी। दोनों का लक्ष्य 2026 के अंत तक अंतिम समझौते पर पहुंचना है। हालांकि इस डील में 20 हजार करोड़ का टैक्स बड़ी चुनौती बन सकता है।

प्रस्तावित भारतीय कंपनी के बीच बनाया जाएगा। यह कंपनी की मौजूदा साझेदारियों से अलग होगी। पहले से चीन की भी साझेदारी में है, जिसके तहत भारत में रूत्न ब्रांड की कारें बेची जाती हैं। कि इस साझेदारी से भारत में ज्यादा मॉडल लाने, कारों में स्थानीय स्तर पर ज्यादा पार्ट्स इस्तेमाल करने और मैन्युफैक्चरिंग व रिसर्च क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

शुरुआत में भारत में बिकने वाले मौजूदा मॉडल इस जॉइंट वेंचर का हिस्सा होंगे। भविष्य में लॉन्च होने वाली कारें और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स भी इसमें शामिल किए

जाएंगे।

जेएसडब्ल्यू की योजना आगे चलकर लग्जरी ब्रांड और भी इस साझेदारी में शामिल करने की है। इन ब्रांड्स को शामिल करने के लिए अलग-अलग प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ सकता है। इस डील में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से करीब 20,000 करोड़ रुपये की संभावित टैक्स देनदारी है। कस्टम विभाग का आरोप है कि कुछ लगभग तैयार कारों को पूरी कार के बजाय अलग-अलग पार्ट्स के रूप में भारत में आयात किया। इससे कंपनी पर कम कस्टम ड्यूटी लगी। विभाग का कहना है कि इन वाहनों पर 30-35 प्रतिशत की ड्यूटी लगनी चाहिए थी, जबकि 5-15 प्रतिशत ड्यूटी का भुगतान किया गया।

इस मामले में तथा मॉडल का नाम सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक इस संभावित देनदारी को अपने ऊपर लेने के पक्ष में नहीं है। इसलिए इस टैक्स मामले का असर के भारतीय कारोबार की वैल्यूएशन पर पड़ सकता है।

इस साझेदारी का एक बड़ा लक्ष्य भारत में कारों का उत्पादन बढ़ाना और यहां से दूसरे देशों में निर्यात करना है। खासकर इलेक्ट्रिक कारों को भारत से एक्सपोर्ट करने पर जोर दिया जा सकता है। छत्रपति संभाजीनगर और चाकण स्थित प्लांट की कुल उत्पादन क्षमता करीब 4 लाख वाहन सालाना है। लेकिन कंपनी फिलहाल भारत में करीब 1 लाख वाहन सालाना ही बेचती है। नई साझेदारी से इन प्लांट्स की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकेगा। ज्यादा कारें बनने से प्रति कार उत्पादन लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। भारत में कार बाजार काफी प्रतिस्पर्धी है। देश में चार बड़ी कंपनियों के पास ही 85 प्रतिशत से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी है। करीब ढाई दशक से भारत में मौजूद है, लेकिन अभी तक उसकी बाजार हिस्सेदारी करीब 2.5 प्रतिशत ही है। साथ साझेदारी से स्थानीय स्तर पर मजबूत पार्टनर मिलेगा। वहीं की तकनीक, ब्रांड और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का फायदा मिलेगा।

चार दिन और 230 प्रतिशत चढ़ गए ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर, 1400 रुपये के पार शेयर का दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की नई-नवेली कंपनी ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन ने 4 दिन में ही निवेशकों की झोली भर दी है। कंपनी के आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशक 4 दिन में ही मालामाल हो गए हैं। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर अपने प्राइस के मुकाबले चार दिन में ही 230 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। शुक्रवार 4 सितंबर को जबरदस्त लिस्टिंग

के बाद से कंपनी के शेयर दनादन अपर सर्किट मार रहे हैं। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर बुधवार को 10 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1418.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का आईपीओ दांव लगाने के लिए 28 अगस्त को खुला था और यह 1 सितंबर तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 429 रुपये था। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर 4 सितंबर को 746.30 रुपये पर लिस्ट हुए और उछाल के साथ 895.55 रुपये पर लिस्टिंग वाले दिन बंद हुए। कंपनी के शेयर पर 757 रुपये पर लिस्ट हुए और लिस्टिंग वाले दिन 908.40 रुपये पर बंद हुए। लिस्टिंग के बाद से कंपनी के शेयर लगातार अपर सर्किट पर हैं। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के शेयर बुधवार को 1418.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। 429 रुपये के आईपीओ प्राइस के मुकाबले कंपनी के शेयरों में 230 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का आईपीओ 142.88 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों या रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 41.68 गुना दांव लगा। वहीं, गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 202.87 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 274.97 गुना दांव लगा।

वोटर लिस्ट में मिले तीन अफगानी नागरिक

- दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आई विदेशी नागरिकता
- एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि, दो की जांच जारी
- परिवार के अन्य सदस्यों के दस्तावेजों की भी होगी जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। एसआईआर के दौरान जमशेदपुर में तीन अफगानी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सामने आने से हड़कंप मच गया है। दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान तीनों की विदेशी नागरिकता से जुड़ी जानकारी सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव अधिकारियों ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम के नाम दर्ज पाए गए। तीनों ने एन्यूमरेशन प्रक्रिया पूरी की थी और इसके बाद उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल हो गए थे।

दस्तावेजों के मिलान और सत्यापन के दौरान कुछ विसंगतियां सामने आने के बाद तीनों नाम नोटिस सूची में शामिल किए गए। चुनाव अधिकारियों ने तीनों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा था। हालांकि, वे निर्धारित दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

इसके बाद अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट की जांच की। जांच के दौरान तीनों की पहचान अफगान नागरिकों के रूप में सामने आई। बताया गया कि तीनों के नाम जमशेदपुर ईस्ट के पोलिंग स्टेशन नंबर 286 में क्रमशः 30, 31 और 33 नंबर पर दर्ज थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि तीन विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इनमें से एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो अन्य की नागरिकता को लेकर जांच जारी है। उन्होंने बताया कि तीनों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक, पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि विदेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में किसकी भूमिका थी। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ आवश्यक आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, तीनों के परिवार के अन्य सदस्यों के दस्तावेजों का भी सत्यापन किया जाएगा। इसके जरिए उनकी वास्तविक नागरिकता और संबंधित दस्तावेजों की स्थिति का पता लगाया जाएगा। मामले को लेकर जमशेदपुर के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। साथ ही, राज्य में ऐसे अन्य विदेशी नागरिकों की भी पहचान करने की प्रक्रिया जारी रहेगी, जिनके नाम किसी भी तरीके से मतदाता सूची में शामिल हो गए हैं।

निकाला गया आक्रोश मार्च

गयाजी। शहर में आरक्षण बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जन सुराज के नेता और बोधगया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी लक्ष्मण मांझी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग गांधी मैदान से समाहरणालय तक आक्रोश मार्च में शामिल हुए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के मंत्री जीतन राम मांझी और बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन के खिलाफ नारेबाजी की और समाहरणालय के पास दोनों नेताओं का पुतला दहन किया। आक्रोश मार्च के दौरान लक्ष्मण मांझी ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण की मांग समाज को बांटने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जिस उद्देश्य से आरक्षण की व्यवस्था की थी, उसमें किसी तरह का बदलाव समाज के हित में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज का नेतृत्व करने वाले लोग ही अब आरक्षण में वर्गीकरण की बात कर रहे हैं, जिससे वंचित और कमजोर वर्गों के बीच विभाजन की स्थिति पैदा हो सकती है।

हाइवा की चपेट में आने से मजदूर की मौत, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिले के पाकुड़िया थाना क्षेत्र के पाकुड़िया से नलहटी जानेवाले पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ पर तेगुड़िया गांव में मंगलवार की रात को तेज रफ्तार ट्रेलर हाइवा की चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रामघाटी निवासी 45 वर्षीय दिनेश बेसरा , पिता स्व. सुरीन बेसरा के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद हाईवा घटना स्थल से भाग निकला जिसे पुलिस ने सरला गांव में पकड़ा और थाना लाया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश बेसरा मंगलवार को गुमराजोली पहाड़ में दिहाड़ी मजदूरी का काम कर साईकिल से वापस अपना घर लौट रहा था। इसी दौरान रात को राधानगर क्रेशर की ओर गिट्टी लाने जा रही एक तेज रफ्तार ट्रेलर हाइवा नंबर बीआर 28 जी बी 4460 ने तेगुड़िया गांव में उसे कुचलते हुए भागने लगा और मौके पर मजदूर की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने हाइवा को अपने कब्जे में ले लिया है तथा आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

इधर दुर्घटना में मजदूर की मौत के बाद ग्रामीण भड़क गए और उचित मुआवजे तथा कानूनी कार्यवाई की मांग को लेकर शव को घटनास्थल पर ही रख कर सड़क जाम कर यातायात ठप कर दिया। रात में ही पुलिस प्रशासन जाम को हटाने की कोशिश की लेकिन गुस्साए लोग जाम हटाने को तैयार नहीं हुए। रात भर सड़क जाम रहा,दूसरे दिन भी ग्रामीण सड़क जाम को जारी रखा। स्थिति बेकाबू होते देख बुधवार की सुबह एसडीपीओ महेशपुर विजय कुमार, बीडीओ सोमनाथ बनर्जी चार थाने पाकुड़िया, महेशपुर, अमड़ापाड़ा एवं रद्दीपुर थाना के पुलिस बलों के साथ जाम स्थल पहुंचे और जाम को हटाने की कोशिश की। मशक्कत के बाद प्रशासन की ओर से मुआवजे के आश्वासन के बाद दोपहर 12 बजे ग्रामीणों ने जाम को हटाने की सहमति दी। जाम हटाने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ भेज दिया।

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिला मुख्यालय में भाजपा ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राज्य की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ छात्रों के आंदोलन के समर्थन में था। इसका नेतृत्व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने किया। जुलूस जिला मुख्यालय के लड्डू बाबू आम बागान से शुरू हुआ जो समाहरणालय पहुंचा। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। समाहरणालय के मुख्य द्वार पर पाकुड़ एसडीपीओ कुमार गौरव और थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ तैनात थे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार हर मोर्चे पर नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है और यहां की नौकरियां बेच रही है।उन्होंने जेएसएससी और जेपीएससी परीक्षा में हुई धांधली की बात कही। उन्होंने परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच की मांग की।

मरांडी ने राज्य सरकार पर गिट्टी, बालू और खनिज पदार्थों को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। बाबूलाल मरांडी ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि सरकार भाजपा की मांग को पूरा नहीं करती है, तो आने वाले दिनों में वे कलेक्ट्रेट में घुसकर आंदोलन करेंगे।

उन्होंने कहा कि इसके लिए यदि लाठी खानी पड़े या जेल जाना पड़े तो भी उन्हें मंजूर है। इस मौके पर लिट्टीपाड़ा विधानसभा के पूर्व विधायक सह भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दिनेश मरांडी, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, पाकुड़ जिला प्रभारी निवास मंडल,प्रदेश कार्य समिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, दुर्गा मरांडी,अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री मिसफीका हसन समेत अन्य वक्ताओं ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदर्शन के अंत में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री रूपेश भगत, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा शाह, जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल, जयंत मंडल, रतन भगत,धर्मेंद्र त्रिवेदी, समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

अब आदित्यपुर से खुलेंगी कई ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर । दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल ने यात्रियों की सुविधा और परिचालन संबंधी कारणों से चार प्रमुख मेमू ट्रेनों के टर्मिनल में किए गए बदलाव की अवधि को बढ़ा दिया है। पूर्व में 09 सितंबर तक प्रभावी यह व्यवस्था अब 24 सितंबर तक लागू रहेगी। इस दौरान ये ट्रेनें टाटानगर स्टेशन के बजाय आदित्यपुर स्टेशन तक ही जाएंगी और वहीं से अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगी।

चक्रधरपुर रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी सह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य चौधरी ने यात्रियों से अपील की है कि वे 24 सितंबर तक अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इन बदलावों का विशेष ध्यान रखें।

किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए यात्री स्टेशन पहुंचने से पहले संशोधित समय-सारणी और प्रस्थान स्टेशन की जानकारी अवश्य जांच लें।

जिला एवं प्रखंड स्तर पर चलेगा विशेष रक्तदान अभियान

उपायुक्त ने अधिकाधिक रक्तदाताओं को प्रेरित एवं जुटाने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिले में रक्त की उपलब्धता को सुदृढ़ करने एवं आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में रक्तदान जागरूकता को लेकर गूगल मीट के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के रक्त भंडार में विभिन्न रक्त समूहों की वर्तमान उपलब्धता की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कई रक्त समूहों की उपलब्धता कम पाए जाने को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने कहा कि रक्त की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करते हुए व्यापक स्तर पर स्वैच्छिक रक्तदान कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग को विशेष रूप से सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश देते हुए कहा कि इन विभागों में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मी एवं अन्य सदस्य कार्यरत हैं। ऐसे में दोनों विभाग अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रेरित कर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

उपायुक्त के निर्देश पर 18, 24 एवं 28 सितंबर को जिला स्तर पर विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं 24 सितंबर को प्रखंड स्तर पर भी रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। विभागवार, प्रखंडवार एवं पंचायतवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक रक्तदाताओं को प्रेरित कर शिविर तक लाने की जिम्मेदारी दी गई है।

पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, गृह रक्षक बल, समाहरणालय कर्मी, नगर निकाय, तकनीकी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि रक्तदान अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनाकर परिणामोन्मुख अभियान के रूप में संचालित किया जाए, ताकि जिले के रक्त भंडार में विभिन्न रक्त समूहों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में रक्तदान के प्रति लोगों में उत्साह बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान करने के साथ-साथ बेहतर सहभागिता करने वाले विभागों एवं संस्थानों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। रक्तदान के महत्व को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से आमजनों को जागरूक करने पर भी जोर दिया।

उपायुक्त ने अधिकारियों, कर्मियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं आमजनों से स्वैच्छिक रूप से आगे आकर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी व्यक्ति द्वारा किया गया एक यूनिट रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से इस विशेष अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वयं रक्तदान करने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने की अपील की।

बैठक में रक्त भंडार से संबंधित आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। रक्तदान एवं रक्त संग्रहण की बेहतर व्यवस्था के लिए पृथक कक्ष की आवश्यकता को लेकर किए गए आकलन एवं प्रस्तावित प्रारूप पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करते हुए व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि किसी भी जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में कमी न हो। इसके लिए प्रशासन, विभागों एवं समाज के सामूहिक प्रयास से जिले में मजबूत स्वैच्छिक रक्तदान संस्कृति विकसित की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा टीम ने खाद्य सामग्री मौके पर कराया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा अपर मुख्य सचिव-सह-खाद्य सुरक्षा आयुक्त, झारखंड के निदेशानुसार 115 चिन्हित अमानक, मिस-लेबलिंग एवं भ्रामक दावों वाले खाद्य उत्पादों के विरुद्ध चलाए जा रहे राज्यव्यापी सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान के क्रम में आज लिट्टीपाड़ा क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों एवं दुकानों का निरीक्षण किया गया।

यह कार्रवाई उपायुक्त, पाकुड़ के मार्गदर्शन तथा अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (खाद्य सुरक्षा शाखा), पाकुड़ के निर्देश पर की गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार एवं राधिका कुमारी की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, वैधता अवधि, खाद्य तेल की गुणवत्ता, स्वच्छता, भंडारण व्यवस्था तथा लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान एक केक निर्माण एवं बिक्री प्रतिष्ठान में गंभीर अनियमितता सामने आई। वहां केक बनाने में उपयोग किए जा रहे कलर, फ्लेवर एवं अन्य खाद्य सामग्री समाप्ति तिथि पार कर चुकी थी। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि इन्हीं एक्सपायर्ड सामग्रियों का उपयोग कर केक तैयार किया जा रहा था, जबकि केक का उपयोग आम लोगों द्वारा जन्मदिन एवं अन्य समारोह/विशेष अवसरों पर किया जाता है।

खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से एक्सपायर्ड कलर, फ्लेवर एवं अन्य सामग्री के साथ-साथ उनसे तैयार/निमार्णाधीन केक को भी तत्काल खाद्य उपयोग एवं बिक्री से हटवाकर मौके पर ही नष्ट कराया गया। संबंधित खाद्य कारोबारी को भविष्य में किसी भी एक्सपायर्ड अथवा अनुपयुक्त खाद्य सामग्री का उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।

क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान एक्सपायर्ड मसाले, चॉकलेट एवं अन्य खाद्य सामग्री भी पाई गई। इन सभी सामग्रियों को बिक्री एवं खाद्य उपयोग से तत्काल हटवाकर मौके पर ही नष्ट कराया गया, ताकि इनका दोबारा उपयोग अथवा बिक्री न हो सके।

नाश्ता प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान तलने के लिए उपयोग किए जा रहे खाद्य तेल की गुणवत्ता खराब पाई गई। संबंधित तेल को खाद्य उपयोग से तत्काल हटवाकर मौके पर ही नष्ट/निस्तारित कराया गया तथा खाद्य कारोबारियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल का उपयोग करने एवं तेल के सुरक्षित उपयोग तथा उचित निस्तारण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कई खाद्य प्रतिष्ठानों के पास लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया। संबंधित खाद्य कारोबारियों को नियमानुसार आवश्यक लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया सात दिनों के भीतर शुरू/पूर्ण करने की हिदायत दी गई। साथ ही स्पष्ट किया गया कि खाद्य कारोबार का संचालन निर्धारित लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही किया जाए।

इसके अतिरिक्त खाद्य कारोबारियों को प्रतिष्ठान में स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य सामग्री को ढककर रखने, एक्सपायर्ड सामग्री को अलग कर तत्काल नष्ट करने, कच्चे एवं तैयार खाद्य पदार्थों को उचित तरीके से रखने तथा खाद्य सामग्री की वैधता अवधि की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। भविष्य में ऐसी अनियमितताएं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों के तहत नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थ खरीदते समय निर्माण एवं समाप्ति तिथि, लेबलिंग, पैकेजिंग एवं रजिस्ट्रेशन की जानकारी अवश्य जांचें तथा किसी भी संदिग्ध अथवा असुरक्षित खाद्य पदार्थ की बिक्री की सूचना खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

भगदड़ में कई लोग घायल

पटना। बिहार के बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर लगे मेले में बुधवार शाम अचानक अफरा-तफरी मच गई। भारी भीड़ के बीच झूले के पास लगी बैरिकेडिंग टूटने के बाद झूला गिरने की अफवाह फैल गई। देखते ही देखते अफवाह का ऐसा असर हुआ कि लोग जान बचाने के लिए भागने लगे और मेले में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस दौरान करीब 15 से 20 लोग घायल हुए हैं।

जन्माष्टमी के अवसर पर चेरिया बरियारपुर में आयोजित मेले में आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। शाम के समय भीड़ काफी अधिक थी। इसी दौरान झूले के समीप लगी बैरिकेडिंग पर भीड़ का दबाव बढ़ गया और वह टूट गई। बैरिकेडिंग टूटते ही झूला गिरने की अफवाह भीड़ में फैल गई। अफवाह की सच्चाई जाने बिना लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। कुछ ही क्षणों में उत्सव का माहौल चीख-पुकार और भगदड़ जैसी स्थिति में बदल गया।

स्कार्पियो के पलटने से कांग्रेस की मौत, पांच गंभीर

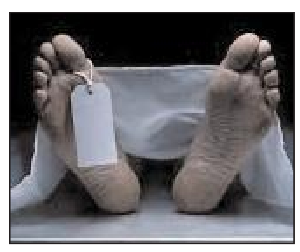

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। हंसडीहा- पोडैयाहाट एनएच 133 फोरलेन पर रफ्तार का कहर बरपा। स्कार्पियो के पलटने से कांग्रेस के जिला महासचिव दीपक कुमार मंडल की मौके पर मौत हो गई है। दीपक सदर प्रखंड के गायछांद का रहने वाला था। वैसे हाल के दिनों में शहरी क्षेत्र सरकंडा में ही घर बनाकर रहा था।

दीपक कुमार मंडल कांग्रेस का युवा नेता के रूप में काफी चर्चित था। हाइसे में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव विकास कुमार सिंह सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलने के बाद देर रात ही पोडैय़ाहाट विधायक प्रदीप यादव सहित अन्य कांग्रेसी नेता सदर अस्पताल पहुंचे और सभी घायलों को बेहतर उपचार के लिए यहां से रेफर कराया। इनमें से दो को रांची, एक को कोलकाता और दो को भागलपुर रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, काले रंग की स्कार्पियो पर छह लोग सवार थे, सभी देर रात करीब 11 बजे गोड्डा से तारापीठ पूजा करते के लिए निकले थे। तभी पोड़ैयाहाट के कारूडीह के पास फोरलेन में रफ्तार के कारण स्कार्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे कई बार पलटते हुए निकट में रखे पानी के पाइप से जा टकराई।

वाहन में सवार दीपक मंडल, विकास सिंह, रामगोपाल कृष्ण, जितेंद्र मंडल, नीतीश कुमार व अमित कुमार बुरी तरह घायल हो गए।

वहीं दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद देर रात ही घायलों को सदर अस्पताल लाया गया, वहां प्राथमिक उपचार के बाद सबों को रेफर किया गया।

एक घायल को कोलकाता तथा दो को भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर किया गया। वहीं विकास सहित दो लोग को रांची रेफर किया गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का नंबर जेएच 17 जेड 9189 बताया जाता है।

घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी मुख्यालय जेपीएन चौधरी और पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी महावीर पंडित घटना स्थल पर पहुंचे और घालयों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। जानकारी के अनुसार हादसे का कारण रफ्तार रहा। स्कार्पियो काफी स्पीड में थी, गति पर नियंत्रण नहीं होने से यह हादसे हुआ।

आइटीआइ की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

पांच में से एक आरोपित धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा जिले के मिहिजाम में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने अया है। दुष्कर्म के दौरान वीडियो बनाकर युवती को धमकी दी और मानसिक रूप प्रताड़ित भी किया गया है।इस मामले में युवती ने पांच लोगों को आरेपित बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।

वहीं मिहिजाम थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित ऋतिक गौरव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना छह सितंबर की शाम अजय नदी घाट के समीप की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार इस मामले में ऋतिक गौरव, सपना रजक, श्याम समेत पांच लोगों को आरोपित बनाते हुए कांड संख्या 66/2026 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 127(2), 308, 351 एवं 3(5) अंकित हैं।

पीड़िता ने आवेदन में बताया है कि आइटीआइ की पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान ऋतिक से हुई थी। घटना के दिन बहाने से उसे अजय नदी घाट के पास बुलाया। ऋतिक और उसके दोस्तों ने उसके साथ दुष्कर्म किया तथा वीडियो बना लिया।पुलिस को बताने पर जान से मारने की धमकी दी और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया। थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने बताया कि एक आरोपित की गिरफ्तारी की गई है।

छात्रों से भरी टेम्पो ट्रैक्टर से टकरायी

आधा दर्जन बच्चे घायल, घटनास्थल पर मचा कोहराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र में एनएच-333 पर बुधवार को स्कूली बच्चों से भरे टेम्पू और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में छह स्कूली बच्चे घायल हो गए, जबकि टेम्पू चालक कैलाश साव की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जाता है कि टेम्पू में एक दर्जन से अधिक बच्चे सवार थे। सभी बच्चे होली मिशन स्कूल के छात्र बताए जा रहे हैं। स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चे टेम्पू से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-333 पर श्रेयेसी पेट्रोल पंप के समीप सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टेम्पू की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पू में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल बच्चों और टेम्पू चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लक्ष्मीपुर पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। टेम्पू चालक कैलाश साव की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर स्थिति को देखते हुए घायल बच्चों और चालक को बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार ट्रैक्टर चालक और वाहन की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। बच्चों के परिजनों में चिंता और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने एनएच पर वाहनों की तेज रफ्तार और स्कूली बच्चों के परिवहन की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

आदिवासी बहुल इलाका बुनियादी सुविधाओं से महरूम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। झारखंड के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी बहुल इलाकों में विकास के तमाम दावे कागजी साबित हो रहे हैं। राज्य के विभिन्न जिलों की जमीनी तस्वीरें प्रशासनिक तंत्र और व्यवस्था की पोल खोल रही हैं।

चतरा जिले के कुंदा प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत के उललवार गांव की घटना इसका ताजा और ज्वलंत उदाहरण है, जहां आज भी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। प्रशासनिक अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पहल करनी चाहिए।

चतरा के उललवार गांव में छोटकी नदी पर पुल न होने के कारण उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों को रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ता है। बरसात के दिनों में जब नदी का जलस्तर बढ़ जाता है, तब स्थिति और भी भयावह हो जाती है।

इसके अलावा, गांव तक आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है, जिससे आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। ग्रामीणों की बार-बार गुहार के बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

सार-समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग

श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा

हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट

करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।
गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलन डी'ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली। पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलयन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया।

जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर

यूएस ओपनः क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

नई दिल्ली । बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया था। हालांकि, बेन शेल्टन ने उनका खिताब का बचाव करने का अभियान रोक दिया।

अल्काराज इस बार अपना आठवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और यूएस ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने की कोशिश कर रहे थे। अगर वह ऐसा कर लेते, तो रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन ट्रॉफी सफलतापूर्वक बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाते। यह स्पेनिश खिलाड़ी अपना आठवां मेजर खिताब जीतने और रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन का खिताब बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा था।

अल्काराज मेजर टूर्नामेंट्स में लगातार 18 जीत के सिलसिले के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरे थे। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिसमें 2025 यूएस ओपन की जीत और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतना शामिल था। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने थे। शेल्टन अब सेमीफाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ी अपने पहले मेजर फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे। टियाफो के साथ मुकाबलों में शेल्टन 3-1 से आगे हैं। दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिनमें से दो यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर खेले गए हैं। 2023 में क्वार्टर फाइनल मुकाबला शेल्टन ने जीता था, जबकि 2024 में तीसरे दौर के मुकाबले में टियाफो ने जीत दर्ज की थी।

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।

टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

फाईव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे भारतीय क्रिकेटर

BCCI बोला- खिलाड़ी व्यवस्था से संतुष्ट

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

आवास से जुड़ी समस्या हल हो गईः पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'

- **क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की–** क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की यह पूछे जाने पर शुक्ला ने कहा, 'इसकी व्यवस्था भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई खेल आयोजन समिति और जापान क्रिकेट संघ मिलकर कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'भारत निश्चित तौर पर वहां अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारतीय टीम 22 सितंबर को पहली बार जापान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच (सुजुकी कप) खेलेगी। यह जापान में होने वाला पहला मैच होगा।
- **एसीसी व्यवस्थाओं से संतुष्ट–** शुक्ला ने आवास के मुद्दे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि असली चिंता मैदान, पिच और ड्रेसिंग रूम की स्थिति को लेकर थी। उन्होंने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की टीम नागोया का दौरा कर चुकी है और वहां की व्यवस्थाओं से संतुष्ट है।

महिला एशिया कपः यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारी खेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुककुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमारन ने 6, रिनिथा रजित ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था

कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

- **गोलकीपर :** सविता, बिचू देवी खारीबम।
- **डिफेंडर :** इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।
- **मिडफील्डर :** निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
- **फॉरवर्ड :** लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

संक्षिप्त समाचार

मध्य विद्यालय अकौना में क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

आमस, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के अकौना गाँव में स्थित मिडिल स्कूल में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया' स्कूल के प्रिंसपल उमेश कुमार ने बताया कि शिक्षक मो अली आशा कुमारी और फातमा प्रवीण की देख रेख में पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दर्जनों छात्राओं ने भाग लिया' इस अवसर पर शिक्षक मो अली ने स्टूडेंट को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर हाल में शिक्षा प्राप्त करें' शिक्षा ही गरीबी को खत्म कर सकती है' शिक्षा ही वह हथियार है जो गरीबी की जंजीर को तोड़ सकता है' प्रतियोगिता में शाहीन,आभा,शगुफ्ता, पुष्पा,नेहा,अक्सा, काजल और आरोही आदि ने भाग लिया' इस अवसर पर उमेश कुमार,मिर्जा आफताब वारसी, जाकिर अहमद और बेबी नाज आदि शिक्षक उपस्थित थे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मधु कोड़ा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित राशि में बदलाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा। इससे पहले पिछली सुनवाई में ईडी ने मामले में अपना जवाब दाखिल किया था। निचली अदालत द्वारा आरोप पत्र में दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग की राशि में बदलाव को चुनौती देने वाली मधु कोड़ा की याचिका खारिज कर दी गई थी, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था।

48 घंटे में गैस एजेंसी चोरी का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार; 2.43 लाख रुपए बरामद

हैदरनगर ,पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भाई बिगहा स्थित भारत गैस एजेंसी में हुई करीब 2.59 लाख रुपए की चोरी का पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा कर दिया। हुसैनाबाद के एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ल के नेतृत्व में पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त स्थानीय ब्लॉक रोड निवासी शमीम खान (41) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर के समीप बालू में छिपाकर रखे 2,43,250 रुपए बरामद किए। घटना 6 सितंबर की रात हुई थी। शिकायत पर हैदरनगर थाना कांड संख्या 67/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी।

दहेज प्रताड़ना के बीच महिला का फंदे से झूलता मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय शहर थाना क्षेत्र के रेडमा चौक के समीप बुधवार सुबह 28 वर्षीय खुशबू कुमारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलता मिला। मृतका की पहचान रेडमा निवासी सूरज कुमार की पत्नी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। मृतका के मायके वालों ने दहेज को लेकर पति व ससुराल पक्ष पर लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मारपीट के बाद हत्या कर शव को फंदे से लटकाने की आशंका जताई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

केस डायरी भेजने के एवज में 30 हजार रिश्वत लेते साइबर थाने का एसआई गिरफ्तार

गिरिडीह/नवबिहार टाइस संवाददाता। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एंटी करप्शन ब्यूरो) ने गिरिडीह साइबर थाना के सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार गौतम को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि साइबर थाना कांड संख्या 24/26 की केस डायरी कोर्ट में भेजने के एवज में उसने जीवलाल मंडल से रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने आरोपों का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के तहत जीवलाल मंडल ने जैसे ही 30 हजार रुपये आरोपी एसआई को दिए, एसीबी टीम ने उसे मौके पर दबोच लिया और रिश्वत की रकम बरामद कर ली।गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एसीबी यह भी जांच कर रही है कि रिश्वतखोरी के इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं।

पदमा थाना में पदस्थापित एएसआई नारायण सिंह का आकस्मिक निधन

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइस संवाददाता। पाटन प्रखंड की सेमरी पंचायत के गौरमारा निवासी एएसआई नारायण सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। वे हजारीबाग जिले के पदमा थाना में पदस्थापित थे। उनके निधन से परिजनों व क्षेत्र में शोक की लहर है। जिला परिषद सदस्य जय शंकर कुमार सिंह उर्फ संग्राम सिंह ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मोहम्मदगंज स्टेशन पर दर्दनाक हादसा, इंटरसिटी की चपेट में आये युवक की मौत

मोहम्मदगंज,पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर शाम दर्दनाक हादसे में इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना प्लेटफॉर्म संख्या-4 के समीप हुई। मृतक की पहचान गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड निवासी विंदेश्वर मेहता के पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक रेल पटरी पर लेटा हुआ था, तभी ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर उसका बैग भी बरामद हुआ। प्रथम दृष्टया घटना आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

966 लाभुकों को मिले 3,927 सहायक उपकरण

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। पलामू संसदीय क्षेत्र के सदर मेदिनीनगर प्रखंड परिसर में बुधवार को भारत सरकार की एडीआईपी एवं आरवीवाई) योजना के तहत दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के बीच 3,927 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। शिविर का आयोजन सांसद के प्रयास और अनुशंसा से किया गया।

शिविर में सदर मेदिनीनगर, पाटन, विश्रामपुर, सतबरवा, पड़वा, पांडू, उंटारी रोड, नावाबाजार और रामगढ़ प्रखंड के लाभुक शामिल हुए। कुल 966 लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए गए। इनमें एडीआईपी योजना के तहत 414 लाभुकों को 745 तथा आरवीवाई योजना के तहत 552 लाभुकों को 3,182 उपकरण दिए गए। लाभुकों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, सीपी चेयर, क्रच, रोलाटर, ब्रेल किट, वॉकिंग स्टिक, नी-ब्रेस, लुम्बो सैक्रल बेल्ट, सिलिकॉन कुशन और लेप्रोसी किट समेत कई प्रकार के सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

इस अवसर पर सांसद वीडी राम ने कहा कि दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक समाज के अभिन्न अंग हैं। उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग देना सरकार की प्राथमिकता है।

केंद्र सरकार की एडीआईपी और आरवीवाई जैसी योजनाएं जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।उन्होंने कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहना पड़े, इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल कुमार सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, प्रखंड प्रमुख बसंती देवी, बीडीओ जागो महतो, सांसद के निजी सचिव अलख दुबे, सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार पाण्डेय, भोला पाण्डेय, सुभग तिवारी सहित एलिमको के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, दिव्यांग लाभुक और उनके परिजन मौजूद रहे।

लखन साहू प्रकरण के बाद पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, रतन सिंह लाइन हाजिर

नगर थाना की कमान श्याम किशोर महतो को मुफस्सिल में ज्ञान रंजन सिंह बने थाना प्रभारी

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर थाना क्षेत्र में लखन साहू के साथ कथित मारपीट के मामले को लेकर उठे सवालों के बीच पुलिस विभाग ने थाना प्रभार में बड़ा फेरबदल किया है। मामले की जाँच के बाद नगर थाना प्रभारी रतन सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उनके स्थान पर श्याम किशोर महतो को नगर थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, पुलिस प्रशासन ने मुफस्सिल थाना में भी बदलाव किया है। ज्ञान रंजन सिंह को मुफस्सिल थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक साथ दो महत्वपूर्ण थानों में हुए इस बदलाव को लेकर पुलिस महकमे में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। लखन साहू प्रकरण के बाद पुलिस की कार्यशैली और थाना स्तर पर आम लोगों के साथ व्यवहार को लेकर सवाल उठ रहे थे। इसी बीच जाँच के बाद हुए इस प्रशासनिक बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, पूरे मामले में जाँच के निष्कर्ष और विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई को लेकर आधिकारिक स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। अब नए थाना प्रभारियों के सामने बड़ी चुनौती नगर और मुफस्सिल थाना क्षेत्र में नए प्रभारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आम जनता का पुलिस पर भरोसा कायम करना होगी। लोगों की शिकायतों पर त्वरित सुनवाई, पुलिस-पब्लिक के बीच बेहतर संवाद और थाना स्तर पर पारदर्शिता को लेकर भी नए अधिकारियों से उम्मीदें बढ़ गई हैं। थाना प्रभार में हुए इस फेरबदल के बाद अब लोगों की निगाह इस बात पर टिकी है कि नए थाना प्रभारी किस तरह से व्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं और आम जनता के साथ पुलिस का रिश्ता कितना बेहतर होता है। फिलहाल रतन सिंह को लाइन हाजिर किए जाने और नगर व मुफस्सिल थाना में नए प्रभारियों की नियुक्ति ने गिरिडीह की पुलिस व्यवस्था में बदलाव की चर्चा को तेज कर दिया है।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, सुलह-समझौते से मामलों के निष्पादन की अपील

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झालसा, रांची के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह मार्तंड प्रताप मिश्रा के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर 2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव (प्रभारी) शरत निशिकांत कुजूर ने बताया कि आमजनों और पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जिलेवासियों से आपसी विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से समाप्त कर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। लोक अदालत में वन वाद, बिजली वाद, उत्पाद विभाग से संबंधित मामले, चेक बाउंस, पारिवारिक विवाद, वाहन दुर्घटना वाद सहित अन्य सुलहनीय मामलों का निष्पादन पक्षकारों की आपसी सहमति के आधार पर किया जाएगा।

इसके लिए संबंधित न्यायालयों एवं विभागों से सुलहनीय मामलों को चिन्हित करने तथा पक्षकारों को नोटिस उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आम पक्षकारों, अधिवक्ताओं, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों एवं मीडिया से राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसे सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

अभिलेखों के संरक्षण एवं अध्ययन की व्यावहारिक जानकारी से विद्यार्थियों को कराया गया परिचित

बोधगया, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा शोधार्थियों एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए अभिलेख अध्ययन, संरक्षण, परिरक्षण एवं दस्तावेजीकरण से संबंधित एक महत्वपूर्ण सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक), उत्तरी क्षेत्र के सहायक अभिलेखविद् डॉ. राजेश कनौजिया ने विद्यार्थियों को प्राचीन अभिलेखों के अध्ययन, संरक्षण, परिरक्षण तथा उनकी छाप (एर३ेंस्ज्ञें) तैयार करने की व्यवहारिक प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विभागाध्यक्ष डॉ. अलका मिश्रा के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शंकर शर्मा, डॉ. विजयकांत यादव, डॉ. अनूप कुमार भारद्वाज, डॉ. जन्मेजय सिंह, श्री आलोक रंजन डॉ. जया सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रथम चरण में विद्यार्थियों ने विभागीय संग्रहालय के संरक्षित पुरातात्त्विक एवं अभिलेखीय सामग्री का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा अभिलेखों के सैद्धांतिक अध्ययन के साथ उनके संग्रहालयीय एवं प्रायोगिक पक्ष से भी परिचित कराया गया। द्वितीय चरण में विद्यार्थियों को बोधगया स्थित शंकराचार्य मठ ले जाया गया, जहाँ उन्हें प्राचीन अभिलेखों के परिरक्षण, संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रियाओं के साथ-साथ अभिलेखों की छाप लेने की व्यवहारिक विधि का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. राजेश कनौजिया ने अभिलेखों के वैज्ञानिक अध्ययन एवं संरक्षण के दौरान आवश्यक सावधानियों की भी जानकारी दी।

मगध क्षेत्र प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अभिलेखीय एवं पुरातात्त्विक क्षेत्र है। यहाँ विभिन्न कालखंडों की सांस्कृतिक परंपरा से संबंधित अभिलेख, प्रतिमाएँ ,स्मारक एवं अन्य पुरावशेष बड़ी संख्या में प्राप्त होते हैं। पालकाल में प्रतिमाओं के साथ अभिलेख अंकित करने की परंपरा विशेष रूप से विकसित हुई, जिसके कारण मूर्तिकला के साथ-साथ इन पर उत्कीर्ण अभिलेख तत्कालीन धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिस्थितियों को समझने के महत्वपूर्ण स्रोत बनते हैं। ऐसे में मगध क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अभिलेखों की पहचान, अध्ययन, संरक्षण, परिरक्षण एवं वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण का व्यवहारिक प्रशिक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

यह प्रशिक्षण न केवल विद्यार्थियों में अभिलेखीय विरासत के प्रति जागरूकता विकसित करेगा, बल्कि उन्हें अपने आसपास उपलब्ध प्राचीन मूर्तियों, अभिलेखों एवं अन्य पुरावशेषों के महत्व को पहचानने और उनके संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनने में भी सहायता करेगा। विभागाध्यक्ष डॉ. अलका मिश्रा ने कहा कि मगध की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि नई पीढ़ी अपने क्षेत्र में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक साक्ष्यों के प्रति जागरूक हो। उन्होंने कहा कि अभिलेख केवल पत्थर पर उत्कीर्ण अक्षर नहीं, बल्कि अतीत को समझने के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्रोत हैं।

बिहार के टॉप 6 ग्रीन स्कूलों में शामिल हुआ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बेली रोड पटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित ग्रीन स्कूल सम्मान समारोह में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बेली रोड, पटना को बिहार के शीर्ष 6 विद्यालयों में शामिल किया गया है।

विद्यालय को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर, स्वच्छता और सतत विकास के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मिथिलेश कुमार सिंह को सम्मानित किया गया। उन्हें बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि बिहार के अन्य सभी ग्रीन स्कूलों और मॉडर्न स्कूलों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है।

अवैध शराब के खिलाफ हुसैनाबाद पुलिस का बड़ा एक्शन

कई दुकानों में छापेमारी; बीयर-विदेशी व देशी शराब बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद ,पलामू। अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए हुसैनाबाद पुलिस ने मंगलवार शाम शहर के विभिन्न इलाकों में सघन छापेमारी अभियान चलाया। एसडीपीओ आईपीएस दिव्यांश शुक्ल और इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नहर मोड़, बाजार, जेपी चौक, हरिहर चौक समेत कई स्थानों पर दुकानों, होटलों और ठेला दुकानों की तलाशी ली।

अभियान के दौरान हरिहर चौक से बीयर व अंग्रेजी शराब तथा नहर मोड़ क्षेत्र से देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने अवैध भंडारण और बिक्री को लेकर कई प्रतिष्ठानों की गहन जांच की।थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रूप से शराब रखने या बेचने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सिजुआ भू-धंसानः शव के साथ धरना जारी मुआवजा और सुरक्षित पुनर्वास की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जोगता थाना क्षेत्र के सिजुआ 10 नंबर तीन पटिया में मंगलवार को हुई भू-धंसान की घटना के बाद सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष शव के साथ धरना जारी है। धरने को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मौके पर जिला पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों की भारी तैनाती की गई है।

धरने का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता अशोक प्रकाश लाल समेत अन्य लोगों ने कहा कि पीड़ित परिवारों की मांगें पूरी होने तक आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और प्रभावित लोगों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग की है।

पीड़ित महिलाओं का कहना है कि भू-धंसान की घटना के बाद लोगों में डर का माहौल है। सुरक्षा के लिहाज से कई परिवार रात में सिजुआ स्टेडियम स्थित राहत शिविर में सोने को मजबूर हैं।

उनके अनुसार, प्रबंधन की ओर से नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन मुआवजा और सुरक्षित पुनर्वास की ठोस व्यवस्था होने तक वे अपने घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। पीड़ित परिवारों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है।

उनका कहना है कि क्षेत्र में जमीन धंसने का खतरा बना हुआ है और किसी भी समय जान-माल का नुकसान हो सकता है। स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और सीआईएसएफ के जवान तैनात हैं।

शहरी विकास योजनाओं की डीडीसी ने की समीक्षा

धनबाद, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बुधवार को शहरी क्षेत्र में निमार्णाधीन विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में योजनाएं पूरी करने का निर्देश दिया। एसएनएम एमसीएच परिसर में मुख्य द्वार और सड़क निर्माण का निरीक्षण करते हुए उन्होंने दोनों कार्यों को 25 सितंबर तक हर हाल में पूरा कर प्रबंधन को हस्तांतरित करने को कहा। इसके अलावा निमार्णाधीन कैथ लैब भवन का भी डीएमएफटी पीएमयू, भवन निर्माण विभाग और विद्युत प्रमंडल के अभियंताओं के साथ संयुक्त निरीक्षण किया और लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का निर्देश दिया। तेली क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिले के सभी निमार्णाधीन आंगनवाड़ी केंद्रों में सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्री निर्माण सुनिश्चित करने को कहा।

भर्ती परीक्षाओं की धांधली के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल, पलामू में समाहरणालय घेराव

जेपीएससी-जेएसएससी-सीजीएल की सीबीआई जांच और आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग

●सरकार के खिलाफ जमकर हुई नारेबाजी

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली व भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का राज्यव्यापी हल्ला बोल आंदोलन बुधवार को पलामू में भी जोरदार तरीके से संपन्न हुआ। भाजपा कार्यकताओं ने समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने, परीक्षा घोटाले में शामिल दोषियों की गिरफ्तारी तथा आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सह भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और पलामू सांसद विष्णु दयाल राम (वीडी राम) प्रमुख रूप से शामिल हुए। नेताओं ने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता बेहद जरूरी है। कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

भाजपा के इस राज्यव्यापी आंदोलन के तहत 8 से 11 सितंबर तक अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में पलामू में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में जुटकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया।प्रदर्शन में डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता, पूर्व सांसद घूरन राम, पूर्व सांसद मनोज भुइंया, प्रभात भुइंया, शशिभूषण भगत, पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, लवली गुप्ता, ज्योति पांडे, प्रकाश मेहता, प्रो. बच्चन ठाकुर, लाला प्रसाद यादव, प्रमुख सुनील कुमार पासवान, विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, रौशन सिंह, उदेश यादव, राजेंद्र यादव, परमेश्वर साव, महेश यादव, रिंकी यादव, वीरेंद्र मेहता, अनुज चंद्रवंशी, रीमा शर्मा, अरविंद यादव, सत्येंद्र यादव, सुधीर तिवारी समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य के लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने भविष्य की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ऐसे में परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठना गंभीर विषय है।

पार्टी ने सरकार से जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच कराने और दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग दोहराई। साथ ही आंदोलनरत छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग भी की गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। समाहरणालय घेराव कार्यक्रम के जरिए भाजपा ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और युवाओं के हित में सरकार पर दबाव बनाने का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

सुनील कुमार पाठक ने संभाला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य का पदभार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, 9डी, बोकारो के नए प्राचार्य के रूप में सुनील कुमार पाठक ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह एवं निवर्तमान प्राचार्य राजेंद्र कामत ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया तथा विधिवत प्राचार्य पद का कार्यभार सौंपा। विदित हो कि सुनील कुमार पाठक इससे पूर्व सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिंदरी में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थे। वहां से उनका स्थानांतरण सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, 9/डी, बोकारो के लिए हुआ है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत आचार्य- दीदी जी के साथ परिचयात्मक बैठक में नवपदस्थ प्राचार्य सुनील जी ने कहा कि बोकारो प्रारंभ से ही शैक्षिक नगरी के रूप में जाना जाता रहा है। हम सभी विद्या भारती के उद्देश्यों एवं आदर्शों के अनुरूप भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और आगे भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी आचार्य-दीदी जी के सहयोग, समर्पण और सामूहिक प्रयास से विद्यालय को शिक्षा, संस्कार एवं सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। हम सभी मिलजुलकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, 9डी, बोकारो को प्रगति के पथ पर निरंतर आगे ले जाने का प्रयास करेंगे।

कोर्ट रोड पर चला बुलडोजर, अवैध ठेले-गुमटी और बेतरतीब वाहनों पर कार्रवाई

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कोर्ट रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बुधवार को प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाया। एसडीएम लोकेश बारंगे के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने रणधीर वर्मा चौक से डीआरएम चौक तक कार्रवाई की। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, काउंटर, गुमटी और अन्य अस्थायी दुकानों को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। नगर निगम की टीम ने कई सामान जब्त किए और उन्हें ट्रैक्टर के जरिए निगम कार्यालय पहुंचाया। सड़क पर या किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े बाइक और अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। एसडीएम लोकेश

बारंगे ने कहा कि कोर्ट रोड शहर का बेहद महत्वपूर्ण और व्यस्त मार्ग है। अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण यहां आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था सुधारने और लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब कोर्ट रोड को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त रखने की चुनौती होगी।

एसआइआर को लेकर प्रमण्डलीय आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

एसआइआर कार्यों में जिला प्रशासन की सक्रिय पहल एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली की राजनीतिक दलों ने की सराहना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने एसआईआर-2026 के तहत बोकारो जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा के क्रम में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआईआर कार्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। कहा कि जिला प्रशासन सभी को साथ लेकर चलने की भावना के साथ कार्य कर रहा है। प्रशासन का कार्य निष्पादन सराहनीय एवं उम्दा है। आम मतदाताओं की समस्याओं को भी गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निष्पादन किया जा रहा है। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रमण्डलीय आयुक्त के समक्ष मतदान केंद्र पर 02 दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने एवं निर्धारित तिथि में बढ़ोतरी किए जाने की मांग रखी। प्रमण्डलीय आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनकी मांगों एवं सुझावों से वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने जिले में प्रतिदिन एसआईआर कार्य की प्रगति की समीक्षा वीडियो संवाद के माध्यम से किए जाने संबंधी जानकारी दी। उन्होंने एसआईआर कार्य से संबंधित विभिन्न गतिविधियों, प्रगति एवं प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे अनुश्रवण के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। उपायुक्त ने ऑब्जर्वर चेकलिस्ट से संबंधित क्रमवार विषयों की भी जानकारी दी तथा एसआईआर कार्य को पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ संपादित किए जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

बीएलओ ऑफ द डे अभियान की भी दी जानकारी

डीईओ सह डीसी ने प्रमण्डलीय आयुक्त को जिला प्रशासन द्वारा संचालित बीएलओ ऑफ द डे अभियान के संबंध में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित किया गया, जिससे एसआईआर कार्य में उनकी सहभागिता एवं कार्य के प्रति उत्साह को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

सुनवाई कार्य का लिया जायजा, मतदाताओं से किया संवाद

बैठक के उपरांत प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने कैंप-टू स्थित आयकर भवन पहुंचकर एसआईआर-2026 के तहत संचालित सुनवाई कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) से सुनवाई कार्य की प्रगति एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। प्रमण्डलीय आयुक्त ने सुनवाई के लिए पहुंचे मतदाताओं से भी संवाद किया तथा एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सुनवाई कार्य को पूरी पारदर्शिता, गंभीरता एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप संपादित करने का निर्देश दिया। साथ ही, निदेशालय, परियोजना भूमि एवं पुनर्वास, बोकारो के अंतर्गत विशेष भू-अर्जन कार्यालय, बोकारो से संबंधित एक मामले की बैठक में समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बोकारो आगमन पर प्रमण्डलीय आयुक्त को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

इससे पूर्व,उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता के बोकारो आगमन पर बोकारो परिसदन में पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ ही, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रमण्डलीय आयुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

खेलेंगी बेटियां, बढ़ेगा आत्मविश्वास - यही है सशक्तिकरण का प्रयास

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण शाखा, बोकारो द्वारा सी-3 संस्था के तकनीकी सहयोग से बालिकाओं के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता राजकीयकृत उच्च विद्यालय, लकड़ाखंदा, चास-2 एवं पीएम श्री पंचानन राजबाला +2 उच्च विद्यालय, सतनपुर में आयोजित हुई। इस दौरान बालिकाओं के बीच फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिताएं कराई गईं। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें यह संदेश देना था कि कोई भी खेल ऐसा नहीं है, जिसे वे नहीं खेल सकतीं। शिक्षा के साथ-साथ बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। खेल प्रतियोगिता के माध्यम से बालिकाओं में खेल के प्रति रुचि एवं सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम : डीएसडब्ल्यूओ

इस अवसर पर बालिकाओं को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) डॉ. सुमन गुप्ता ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर एवं उचित प्रोत्साहन प्रदान कर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल के समन्वय से बालिकाओं के सशक्त, स्वस्थ एवं अनुशासित व्यक्तित्व का निर्माण संभव है। ऐसे आयोजन बालिकाओं में छिपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनय कुमार पांडे, सेवा दास हेम्ब्रम, शारीरिक शिक्षक आशुतोष कुमार एवं अरुण मिश्रा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

आठ माह के मासूम के साथ महिला आग में झुलसी, पिता ने लगाया छत से धक्का देने का आरोप

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भूली थाना क्षेत्र के आजाद नगर में बुधवार को एक दर्दनाक घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। 26 वर्षीय महिला सहाना परवीन और उसका करीब आठ माह का मासूम बच्चा आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को गंभीर हालत में अशरफी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, आजाद नगर निवासी इमामुल मियां की बहू एवं राजा अंसारी की पत्नी सहाना परवीन के आग लगने के बाद अपने मासूम बच्चे के साथ छत से नीचे गिरने की बात सामने आई है। बताया जाता है कि दोनों बगल स्थित एक कार्यालय की करकट सीट तोड़ते हुए अंदर जा गिरे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों को अस्पताल पहुंचाया। घटना को लेकर महिला के पिता ने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बेटी के साथ पारिवारिक विवाद चल रहा था और एक दिन पूर्व उसके साथ मारपीट की गई थी। पिता ने आरोप लगाया कि बेटी और बच्चे को आग लगाने के बाद छत से धक्का दिया गया। वहीं महिला के पति राजा अंसारी ने आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि घटना के समय वह और परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। सास-ससुर ने भी घर से बाहर रहने की बात कही है। घटना की सूचना मिलते ही भूली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सरकारी नौकरी की कथित गड़बड़ियों को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

राज्य सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है: मधु कोड़ा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में सरकारी नौकरियों में कथित गड़बड़ियों को लेकर बुधवार को सियासत गरमा गई। जेपीएससी, जेएसएससी और सीजीएल घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और नियुक्ति प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की मांग उठाई। मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने आरोप लगाया कि जेपीएससी और जेएसएससी घोटाले में झामुमो नेताओं के सगे-संबंधी भी शामिल हैं। इसी वजह से सरकार मामले की सीआईडी जांच करा रही है। मधु कोड़ा ने कहा कि छात्र पूरे मामले की जांच सीबीआई से चाहते हैं, ताकि निष्पक्ष तरीके से सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और नियुक्ति प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में सरकारी नौकरियों को मंडी बनाकर सब्जियों की तरह बेचने का काम किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि फॉरेस्ट ऑफिसर जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए 10 से 20 लाख रुपये तक की मांग की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। मधु कोड़ा ने छात्र आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि अपने अधिकार और निष्पक्ष नियुक्ति की मांग करने वाले छात्रों पर मुकदमा दर्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र राज समेत पार्टी के कई नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि नियुक्ति घोटालों की सीबीआई जांच नहीं कराई गई और छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

दुकानदार 115 अमानक खाद्य पदार्थों को तत्काल प्रभाव से हटाएं : अभिहित अधिकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कदम उठाया है। अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो की अध्यक्षता में मंगलवार को सदर अस्पताल, बोकारो के सभागार में चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं ड्रग्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिहित पदाधिकारी डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि अपर मुख्य सचिव-सह-खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निदेर्शानुसार भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा चिन्हित लगभग 115 प्रमुख ब्रांड एवं खाद्य उत्पादों को अमानक पाया गया है। इन उत्पादों में नियमों एवं विनियमों का उल्लंघन, भ्रामक दावे, गलत लेबलिंग (मिस लेबलिंग) तथा गुणवत्ता संबंधी कमियां पाई गई हैं। उन्होंने जिले के सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों, निमार्ताओं, पैकर्स, थोक विक्रेताओं, वितरकों, खुदरा दुकानदारों एवं ई-कॉमर्स संचालकों को निर्देश दिया कि चिन्हित अमानक खाद्य पदार्थों के स्टॉक को तत्काल प्रभाव से वापस लें और उनकी बिक्री पूरी तरह बंद करें। डॉ. प्रसाद ने चेतावनी दी कि निदेर्शों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 52 एवं 53 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने खाद्य व्यवसाय से जुड़े सभी प्रतिष्ठानों से अपील की कि वे अपने यहां उपलब्ध खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता और लेबलिंग की जांच करें तथा चिन्हित अमानक उत्पादों का भंडारण अथवा बिक्री नहीं करें। बैठक में डॉ. एन.पी. सिंह, उपाधीक्षक सदर अस्पताल बोकारो, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा, एम.ए. आलम, पूजा कुमारी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री राजकुमार जायसवाल, व्यापारी संघ के अध्यक्ष वैभव सहित खाद्य एवं दवा व्यवसाय से जुड़े अन्य सदस्य उपस्थित थे।

ईसीआरकेयू प्रतिनिधिमंडल ने सीएमएस से की मुलाकात

रेल कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को धनबाद मंडल रेल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए. एम. टोपनो से मुलाकात कर रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। धनबाद रेल मंडल अस्पताल में जिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध नहीं है, उन विशेषज्ञ सेवाओं को रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए उपलब्ध कराया जाए, ताकि गंभीर एवं जटिल रोगों के उपचार के लिए उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

धनबाद में सक्रिय 'लुटेरी दुल्हन' गिरोह के दस सदस्य चढ़े पुलिस के हत्थे

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में सक्रिय कुख्यात 'लुटेरी दुल्हन' गिरोह का बड़ा नेटवर्क पुलिस ने ध्वस्त किया है। इस अंतरराज्यीय गिरोह के 10 सदस्यों को पुलिस ने अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह धनबाद से शुरू होकर गिरिडीह, मध्यप्रदेश और राजस्थान तक अपना जाल फैला चुका था। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह बिल्कुल कॉरपोरेट स्टाइल में काम करता था। गिरोह के तार झारखंड के धनबाद के साथ-साथ गिरिडीह, बिहार के औरंगाबाद, मध्यप्रदेश के राजगढ़ और राजस्थान के कोटा तक जुड़े हैं। गिरोह अकेले और अधिक उम्र के उन पुरुषों को निशाना बनाता था जो शादी के लिए साथी की तलाश में होते थे। धनबाद और कोटा के रामगंजमंडी में इसके दलाल बैठे थे। ये दलाल शादी के लिए 1 से 2 लाख रुपये तक फीस लेते थे। शादी के लिए जो दुल्हन दिखाई जाती थी वो पहले से ही शादीशुदा होती थी। इनका नाम लाली कुमारी, पूनम बाग जैसे सामने आए हैं। शादी पक्की होने पर पहले 40,000 रुपये खाते में ट्रांसफर करवाते थे, फिर सिंदूरदान की रस्म कराकर टुंडी रोड जैसे बाजारों में 23,000 रुपये तक की खरीदारी कराते थे। जैसे ही पैसा और गहने हाथ में आते, पूरा गिरोह रकम को आपस में बराबर बांट लेता और दुल्हन फरार हो जाती थी। हाल में ही राजस्थान के अरवल जिले से अपने बेटे गुल्लू की शादी के लिए बरवाअड्डा आए एक परिवार के साथ इसी गिरोह ने 40 हजार की ठगी, 23 हजार की खरीदारी और फिर सुनसान जगह ले जाकर मारपीट कर मोबाइल लूटने की वारदात को अंजाम दिया था। पीड़ित ने बरवाअड्डा थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद मामला खुला। कोटा पुलिस ने खोला राज, धनबाद से जुड़े तार कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर के नेतृत्व में 'ऑपरेशन क्रिमिनल डस्टिंग' के तहत जांच शुरू हुई। सांडपुर के दिनेश कुमार और हिरियाखेड़ी के दिलीप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने धनबाद की लाली कुमारी, पूनम बाग, सुधीर कुमार, रोहित बाग को पकड़ा। फिर झालावाड़ से भूरा लाल, मध्यप्रदेश के राजगढ़ से सुरेश कुमार और बिहार के औरंगाबाद से रूपेश कुमार की गिरफ्तारी हुई। इस तरह कुल 10 लोग अब तक हत्थे चढ़ चुके हैं, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि गिरिडीह में भी इसी तरह पावर सब-स्टेशन लूट और अन्य ठगी में धनबाद के अपराधी शामिल रहे हैं। यह गिरोह ट्रेन से आकर श्मशान घाट में रुकता था, दिन में रेकी करता और रात में वारदात को अंजाम देता था। बरवाअड्डा पुलिस ने बताया कि कपड़ा दुकान के बिल और ढँङ्खल्लीढी ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड इस जांच की अहम कड़ी हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

बीएसएल में हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा हाइड्रोलिक ऑयल के संरक्षण तथा इसकी खपत को कम करने के उद्देश्य से 'हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने 'हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण' विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने संयंत्र में हाइड्रोलिक ऑयल की खपत को कम करने की आवश्यकता तथा इसके संरक्षण की दिशा में उपलब्ध विभिन्न संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रस्तुति के दौरान ऑयल लॉस के विभिन्न कारणों, उनकी पहचान एवं वर्गीकरण, उचित रिकॉर्डिंग, हाइड्रोलिक सिस्टम के नियमित निरीक्षण एवं समुचित रखरखाव, ऑयल लॉस को कम करने के प्रभावी उपायों तथा हाइड्रोलिक ऑयल में कंटैमिनेशन नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रस्तुति में हाइड्रोलिक ऑयल के नुकसान से होने वाले आर्थिक प्रभावों के साथ-साथ इससे जुड़े पर्यावरणीय, सुरक्षा एवं अग्नि जोखिमों को भी रेखांकित किया गया। सत्र को इंटरैक्टिव रखते हुए प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान हाइड्रोलिक ऑयल के प्रमुख उपभोक्ता विभागों हॉट स्ट्रिप मिल, कोल्ड रोलिंग मिल-क, क्क एवं क्क्क, स्टील मेल्टिंग शॉप-क्क तथा कंटीन्यूअस कास्टिंग शॉप द्वारा सितंबर 2026 के अंत तक ताजा हाइड्रोलिक ऑयल की खपत में न्यूनतम 20 प्रतिशत कमी लाने के लिए अपने-अपने रोडमैप प्रस्तुत किए गए। इन रोडमैप में ऑयल संरक्षण के लिए विभागवार प्रस्तावित उपायों तथा निर्धारित लक्ष्यों को रेखांकित किया गया। टेक्निकल सेल विभाग द्वारा प्रतिभागियों के लिए हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण से संबंधित विषयों पर एक तकनीकी क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को अधिशासी निदेशक (संकार्य) द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग, स्टील मेल्टिंग शॉप-न्यू, के मुख्य महाप्रबंधक को अधिशासी निदेशक (संकार्य) द्वारा रनिंग शील्ड प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने संबोधन में बोकारो स्टील के कर्मचारियों के बीच ऑयल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में टेक्निकल सेल विभाग द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। उन्होंने हाइड्रोलिक ऑयल के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सभी विभागों से समन्वित एवं सतत प्रयासों के माध्यम से ऑयल लॉस को न्यूनतम करने तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समन्वयन बीएसएल के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा किया गया। यह आयोजन हाइड्रोलिक ऑयल की खपत को कम करने के लिए प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी रोडमैप तैयार करने तथा संयंत्र के विभिन्न विभागों के संरक्षण संबंधी प्रयासों में बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

एक दिवसीय किसान-वैज्ञानिक अंतर मिलन कार्यक्रम संपन्न, 92 किसानों ने लिया भाग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी कार्यालय, धनबाद के तत्वावधान में बुधवार को गोविंदपुर प्रखंड के सहराज पंचायत में एक दिवसीय किसान-वैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल सुरक्षा और भूमि संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नवीन ने किसानों को उन्नत खेती, कीट प्रबंधन और मौसम के अनुकूल फसल चक्र अपनाने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से लागत कम होती है और उत्पादन बढ़ता है। वहीं पौधा संरक्षण पदाधिकारी श्वेता कश्यप ने फसलों को विभिन्न रोगों और कीटों से बचाने के उपाय, जैविक कीटनाशकों के संतुलित प्रयोग और विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी शिवा कुमार ने मृदा स्वास्थ्य, मिट्टी जांच के महत्व और भूमि संरक्षण के तौर-तरीकों से कृषकों को अवगत कराया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया। जबकि विवेक मोहन एवं मनीष कुमार ने कृषि प्रबंधन और सरकारी अनुदान योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर गोविंदपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अब्दुल कयूम अंसारी, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि, पंचायत समिति प्रतिनिधि तथा एकलव्य विद्यालय के अध्यक्ष प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com